जनजाति गौरव दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा-हिंसा छोड़कर मुख्य धारा से जुड़ रहे नक्सली - 14

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार - 14

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन - 15

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे पंत करेंगे कप्तानी - 16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:47 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 271, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में 10वीं बार नीतीश सरकार

मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, कैबिनेट में 26 मंत्री शामिल, इनमें से 3 महिलाएं

- मंत्रिमंडल में भाजपा के 14, जदयू के 8, लोजपा के 2 मंत्री शामिल
- शपथ में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी

पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री, साथ में हैं नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं। जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

पटना। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया।

विधेयकों की स्वत: स्वीकृति की अनुमति नहीं देता संविधान

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती
- राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि निर्धारित समय सीमा की समाप्ति के बाद, विधेयकों पर राज्यपाल या राष्ट्रपति की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) कार्यपालिका के कार्यों को न्यायपालिका द्वारा अपने हाथों में लेने जैसा है, जो अस्वीकार्य है।

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए न्यायालय द्वारा लंबित विधेयकों पर स्वतः स्वीकृति की अवधारणा वस्तुतः एक अलग संवैधानिक प्राधिकार की भूमिका और कार्य को अपने हाथ में लेने की तरह है। इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 के संदर्भ में 'स्वतः स्वीकृति' की अवधारणा यह कहती है कि एक संवैधानिक प्राधिकार, यानी न्यायालय, किसी अन्य संवैधानिक पदाधिकारी, अर्थात राज्यपाल या राष्ट्रपति की भूमिका नहीं निभा सकता है। पीठ ने कहा, राज्यपाल के कार्य और इसी प्रकार राष्ट्रपति के कार्यों को इस तरह से हड़पना न केवल संविधान की भावना के प्रतिकूल है, बल्कि विशेष रूप से 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत' के भी प्रतिकूल है - जो भारतीय संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 पर निर्भरता संवैधानिक प्रावधानों का अतिक्रमण नहीं है। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश या डिग्री पारित करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा, हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि समय सीमा की समाप्ति पर अनुच्छेद 200 या 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी, न्यायिक घोषणा के माध्यम से कोर्ट द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को अपने हाथ में लेने जैसा है, जो हमारे संविधान के तहत अस्वीकार्य है।

विधेयक रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं

एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर कोई समय-सीमा नहीं थोपी जा सकती है, तथा राज्यपालों के पास उन विधेयकों को हमेशा के लिए रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों के पास केवल तीन विकल्प हैं - या तो वे विधेयक को मंजूरी दें या उसे राष्ट्रपति के पास भेजें या फिर मंजूरी रोककर अनुच्छेद 200 के तहत पुनर्विचार के लिए उसे विधानमंडल को वापस भेजें। पीठ ने यह भी कहा कि विधेयकों को मंजूरी देने, रोक कर रखने या सुरक्षित रखने के राज्यपालों और राष्ट्रपति के निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं। हमें इस अदालत के बाध्यकारी निर्णयों का अनुसरण नहीं करने का कोई कारण नहीं मिलता है...हमारा मानना है कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति के कार्यों पर अदालत विचार नहीं कर सकती।

ब्रीफ न्यूज

रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ एक और आरोप पत्र

नई दिल्ली। ईडी ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ब्रिटेन स्थित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोजन की शिकायत यहां विशेष धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) अदालत में दायर की गई है। वाड्रा के खिलाफ धनशोधन के मामले में यह दूसरा आरोप पत्र है। जुलाई में, ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक ज़मीन सौदे में कथित गड़बड़ियों से जुड़े धनशोध मामले में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कई स्कूलों को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले, जिन्हें बाद में फर्जी घोषित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन स्कूलों में चाणक्यपुरी स्थित ब्रिटिश स्कूल और संस्कृति स्कूल, बाराखंभा स्थित मॉडर्न स्कूल, पश्चिम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल और श्री अरबिंदो मार्ग स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (एमआईएस) शामिल हैं। कई स्कूलों को भेजे गए ईमेल में कहा गया, मैं आपको एक अत्यंत गंभीर और जरूरी चेतावनी के साथ लिख रहा हूं। आपकी इमारत में कई बहुत शक्तिशाली बम रखे गए हैं जो किसी भी समय फट सकते हैं।

बिहार और उत्तराखंड के बीच ऐतिहासिक संबंध : मुख्यमंत्री

पटना में शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- बिहार में नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए सीएम धामी

अमृत विचार : बिहार और उत्तराखंड के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध रहे हैं। विश्वास है कि नई सरकार के नेतृत्व में बिहार राज्य नई ऊर्जा और संकल्प के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को गांधी मैदान, पटना में आयोजित बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग करने पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने देश भर से पहुंचे विभिन्न राज्यों के प्रमुख नेताओं से भी शिष्टाचार भेंट की और उनसे राष्ट्रीय विकास, सुशासन तथा समन्वित प्रगतिशील नीतियों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिहार के जनता जनार्दन के उज्ज्वल भविष्य, राज्य की निरंतर प्रगति और नवगठित सरकार के सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी। इससे पूर्व पटना एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री धामी का स्थानीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने परंपरागत तरीके से पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

अल-फलाह का पूर्व छात्र बेग देश में कर चुका कई धमाके

नई दिल्ली, एजेंसी

- आजमगढ़ का रहने वाला है बेग, 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए कई विस्फोट, जांच में सामने आया सच

दिल्ली कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के दस्तावेजों के अनुसार बेग ने 2007 में अल फलाह से बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी, उसी साल उसने गोरखपुर विस्फोट को अंजाम दिया था। सूत्र ने यह भी बताया कि बेग 2008 के हमलों के तुरंत बाद भारत से भाग गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. मुजम्मिल शकील विश्वविद्यालय में काम करता था।

दिल्ली धमाके के 4 आरोपी 10 दिन की एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को लालकिला विस्फोट मामले में चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। इन लोगों को 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। विस्फोट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले दिन में एनआईए ने उन्हें श्रीनगर में हिरासत में लिया और पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। एनआईए ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 15 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था।

- डॉ. मुजम्मिल, डॉ. अदील, मुफ्ती इरफान और डॉ. शाहीन सईद को दिल्ली कोर्ट में किया गया पेश

पुलिस ने कश्मीर टाइम्स के जम्मू कार्यालय पर छापा मारा

जम्मू। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में गुरुवार को यहां कश्मीर टाइम्स के कार्यालय पर छापा मारा। अखबार के खिलाफ देश के हितों के प्रतिकूल गतिविधियों का महिमामंडन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एसआईए के अधिकारियों ने अखबार के परिसरों और कंप्यूटरों की गहन जांच की। प्रकाशन और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनसे पूछताछ किए जाने की संभावना है।

समान कार्य के लिए समान वेतन देगी सरकार

नैनीताल। हाईकोर्ट में उत्तराखंड उपनल संविदा कर्मचारी संघ द्वारा दायर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने बताया कि कोर्ट के आदेश के अनुपालन में इन कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन जल्द दिया जाएगा जबकि दिसंबर माह से न्यूनतम वेतन लागू करने के सम्बंध में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोर्ट के आदेश पर किसी भी प्रकार का विलम्ब या टालमटोल स्वीकार्य नहीं होगा। इस याचिका में मुख्य सचिव आनन्द को प्रतिवादी बनाया गया है।

सुनवाई के दौरान मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने बताया कि एक ओर न्यायालय में अवमानना वाद विचाराधीन है, तो दूसरी ओर कुछ कर्मचारी संघ

- उपनल कर्मियों के मामले में हाईकोर्ट में राज्य सरकार ने रखा पक्ष

द्वारा सड़क पर अराजक गतिविधियां की जा रही हैं। इस पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां कानून की दृष्टि में उचित नहीं हैं तथा राज्य को इस प्रकार की परिस्थितियों पर नियंत्रण रखने को कहा। उपनल संविदा कर्मियों को न्यूनतम वेतन देने के निर्देश के अनुपालन के लिए राज्य द्वारा कमेटी गठन की जानकारी देने पर न्यायमूर्ति रविंद मैठाणी की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि आदेश का प्रत्यक्ष व प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

अंबानी की 1452 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं।

एजेंसी ने पीएमएलए के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया, जिसके तहत मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटीऔर मिलेनियम बिजनेस पार्क, नवी मुंबई में स्थित कई इमारतों के साथ-साथ पुणे, चेन्नई और भुवनेश्वर में स्थित भूखंडों और इमारतों को कुर्क किया गया। एजेंसी ने बताया कि ये

- ईडी ने रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले में की कार्रवाई

संपत्तियां 1,452.51 करोड़ की हैं और आरकॉम तथा कुछ अन्य कंपनियों की हैं। एजेंसी ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं से संबंधितप मामले में इससे पहले 7,500 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की थीं।

भारत को एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और जेवलिन मिसाइल सिस्टम देगा अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है यह मिसाइल
- नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हुआ सौदा

अमेरिका ने भारत के लिए 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल', 'जेवलिन मिसाइल सिस्टम' और संबंधित उपकरणों की कुल नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने भारत को हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता एवं शांति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बताया है। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस बिक्री से एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है।

रक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को अनुमानित लागत चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल' और संबंधित उपकरणों की और अनुमानित लागत चार करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'जैवलिन मिसाइल सिस्टम' एवं संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। रक्षा सहयोग एजेंसी ने संसद को बिक्री की जानकारी देते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण प्रदान किया। एजेंसी ने कहा, यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका-भारतीय सामरिक संबंधों को मजबूत करने और एक ऐसे प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करके अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो हिंद-प्रशांत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है। एजेंसी ने कहा, सटीक क्षमता वाले उपकरणों की उपलब्धता से वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की भारत की क्षमता में सुधार होगा।

चिंतनीय | देश में पिछले पांच साल में रोगियों की संख्या में हुई बढ़ोतरी, 2020 में जहां 18,05, 670 थी वहीं 2024 में 26,17, 923 हो गई

डेढ़ गुना बढ़े टीबी रोगी, 2025 तक था खत्म करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ खुलासा

केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गयी है।

2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत समाचार एजेंसी भाषा द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

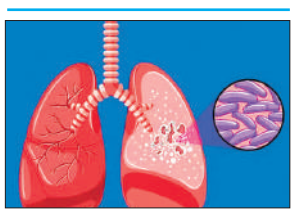

मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है। आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में 21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे।

ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित 'पल्मनोलॉजी रीजेंसी हॉस्पिटल'के कंसल्टेंट डॉ. आमिर नदीम ने बताया, टीबी की अगर समय पर पहचान न हो और उपचार न मिले तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे। टीबी से सबसे कम प्रभावित राज्यों की गिनती में लक्षद्वीप सबसे आगे हैं, जहां जून 2025 तक सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प
नये उत्तराखण्ड का

- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
- कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रुप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

नगर आयुक्त व ईओ प्रतिदिन वार्डों में जाकर देखें साफ सफाई

डीएम ललित मोहन रयाल ने सर्दियों को लेकर तैयारी, स्वच्छता, अतिक्रमण, अवैध खनन की रोकथाम को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल डीएम ललित मोहन रयाल ने गुरुवार को नैनीताल रोड स्थित कैंप कार्यालय में स्वच्छता अभियान, शीतकालीन तैयारी, अतिक्रमण व अवैध खनन की रोकथाम, होम स्टे आदि की समीक्षा की।

डीएम ने नगर निकायों से स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। सभी निकाय क्षेत्र में स्वच्छ अभियान चलाएं और स्वच्छता के मानकों को पूरा करने के लिए काम करें। नगर आयुक्त तथा ईओ प्रतिदिन एक-एक वार्ड का निरीक्षण करेंगे। जिस भी क्षेत्र में गंदगी मिले, उस क्षेत्र के सफाई निरीक्षक व पर्यावरण मित्र को जवाब तलब किया जाए। जो कर्मी लंबे समय से लापरवाही कर रहा हो उसकी सेवानिवृत्ति या बर्खास्तगी की कार्यवाही की जाए। प्रत्येक पर्यावरण मित्र को मास्क, ग्लव्ज, बूट आदि उपलब्ध कराए ताकि उन्हें असुविधा नहीं हो। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के साथ ही कूड़ा निस्तारण किया जाए। डीएम ने कहा कि शीतकाल में ठंड का प्रकोप के

गुरुवार को कैंप कार्यालय में विभिन्न मुद्दों को लेकर बैठक करते डीएम ललित मोहन रयाल। ● अमृत विचार

मद्देनजर सभी रैन बसेरों में बुनियादी व्यवस्था, नियमित अलाव के लिए जलौनी लकड़ी, निराश्रित लोगों को कंबल वितरण की व्यवस्थाएं भी की जाए। उन्होंने रामनगर स्लॉटर हाउस संचालन के संबंध में एसडीएम को आवश्यक व्यवस्था कर तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। स्वच्छ भारत अभियान में जनपद में सही रैंकिंग आए इसके लिए स्वच्छता के क्षेत्र में विशेष व अभिनव प्रयास किए जाएं। डीएम ने टीमें गठित कर शहरी क्षेत्रों में अतिक्रमण चिह्नित कर तत्काल हटाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त, सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम को सड़क चौड़ीकरण के लिए तत्काल अतिक्रमण हटाएं। बाजार में फुटपाथ, नाली से अतिक्रमण को चिन्हित कर जल्द से जल्द हटा दें ताकि आमजन को परेशानी नहीं हो। बिजली विभाग को खंभों को शिफ्टिंग के लिए कहा। सर्दी में जिन क्षेत्रों में बिजली ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जानी है,वहां तत्काल नए ट्रांसफर लगाए जाए व अतिरिक्त ट्रांसफार्मर भी वैकल्पिक में रखे जाएं। डीएम ने सभी एसडीएम एवं खनन अधिकारी को नियमित खनन किया जाए और अवैध खनन पर शिकंजा कसे जा सके। उन्होंने कहा कि होमस्टे योजना लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, उक्त योजना का लाभ पात्रों को मिले इस के लिए सभी एसडीएम होम स्टे का स्थलीय निरीक्षण करें। जो होम स्टे मानकों में नहीं आते हैं, ऐसे होम स्टे के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाए। जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के सभी होमस्टे में लोक संस्कृति की झलक दिखे और महिला समूहों के उत्पादों के लिए स्टॉल भी लगाए जाएं। तभी पर्यटक लोक संस्कृति व उत्पादों के बारे में जान सकेगा। जिले में नए वेडिंग डेस्टिनेशन चिह्नित, विकसित व प्रचार प्रसार के निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम विवेक राय, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, नगर आयुक्त परितोष वर्मा आदि रहे।

दिव्यांग की शिक्षा को सीमित संरक्षक नियुक्त

हल्द्वानी : नैनीताल के भवाली निगलाट क्षेत्र की दिव्यांग मूकबधिर बालिका नेहा भट्ट एवं परिजनों ने अपनी शिक्षा को सुचारू रखने के लिए याचिका दायर करते हुए सीमित संरक्षक नियुक्त करने की मांग की थी। डीएम ने तत्काल इसका संज्ञान लेते हुए सीमित संरक्षक की नियुक्ति की है। यह सीमित संरक्षक बालिका कुमारी नेहा भट्ट की केवल शिक्षा,चिकित्सा देखभाल, दैनिक संरक्षण, विशेष सहायता, प्रशिक्षण, परवरिश एवं कौशल विकास तथा दिव्यांग बालिका के कल्याण से संबंधित निर्णयों तक ही सीमित रहेगी। इस संबंध में डीएम ने आदेश के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बालिका के परिजनों ने कोर्ट में दिए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर यह सीमित संरक्षक के तौर पर इंदौर की मनीषा चौधरी को बनाया गया है। बालिका पहले भी इनके साथ रहकर अपनी पढ़ाई करती रही है।

बेस अस्पताल की लिफ्ट चालू की जाए

हल्द्वानी : डीएम रयाल ने बेस अस्पताल की खराब दो लिफ्टों की मरम्मत के निर्देश दिए। ये लिफ्ट किडनी रोगियों की आवाजाही के लिए लगाई गई हैं। इनके खराब होने से डायलिसिस को आने वाले मरीजों को सीढ़ियों से चढ़कर डायलिसिस को जाना पड़ता है। इस दौरान उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उक्त लिफ्ट खराब होने की बात संज्ञान में आने के तुरंत बाद ही डीएम ने लिफ्ट को ठीक करने हेतु प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक केएस दताल के साथ ही विशेष तौर पर एडीएम विवेक राय को निर्देश दिए । एडीएम ने बताया कि शुक्रवार को जिस कंपनी की लिफ्ट है उसे लिफ्ट रिपेयरिंग का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया जाएगा। साथ ही यही कंपनी लिफ्ट का वार्षिक मेंटिनेंस भी करेगी। इसमें बजट की व्यवस्था भी अस्पताल की प्रबंधन समिति के बजट से किया जाएगा।

देहदान करने वालों को ससम्मान घर से ले जाने की व्यवस्था की जाए

हल्द्वानी, अमृत विचार : अनमोल संकल्प सिद्धि फाउंडेशन ने जिला प्रशासन के साथ बैठक की। इसमें देहदान करने वालों को सम्मान के साथ घर से मेडिकल कॉलेज ले जाने की मांग की गई।संस्था अध्यक्ष सुचित्रा जायसवाल ने जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपकर कहा कि देहदान करने वाले व्यक्तियों को सम्मान के साथ घर से ले जाने की व्यवस्था की जाए,और उनके परिवार को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। मेडिकल कॉलेज और प्रशासन की ओर से उन्हें सहायता प्रदान की जाए जिससे वे जरूरतमंद लोगों की त्वरित सुनवाई पर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसा होने से देहदान करने वाले व्यक्तियों और परिजनों को गर्व महसूस होगा और अधिकाधिक लोग मुहिम से जुड़ेंगे। जिलाधिकारी रयाल ने आश्वासन दिया कि इस मामले में जल्द ही कार्रवाई की जाएगी और देहदान करने वालों को सम्मान के साथ घर से ले जाने की व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान अरुण टंडन, बलजीत कौर, तरनजीत कौर मौजूद रहीं।

सिटी ब्रीफ

डीएलएड प्रथमसेमेस्टर का रिजल्ट घोषित

रामनगर : उत्तराखंड विद्यालय शिक्षा परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिम्लटी ने बताया कि विद्यालयी शिक्षा परिषद ने द्विवर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेन्टरी एजुकेशन (डीएलएड) प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फल घोषित किया गया है। परीक्षा समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार 3 से 11 नवंबर तक विभिन्न जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में संपन्न हुई। प्रवेश परीक्षा वर्ष 2022-23 का प्रथम सेमेस्टर व प्रवेश परीक्षा 2020-21 से चयनित प्रशिक्षुओं का प्रथम व संपूर्ण परीक्षाफल जनहित में परिषद् की वेबसाइट पर गुरुवार को प्रसारित कर दिया गया है। उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के ही अनुक्रमांक वेबसाइट पर अंकित किए हैं।

लाइन मेंटेनेंस के लिए पांच क्षेत्रों में कटौती

हल्द्वानी : यूपीसीएल गुरुवार को निर्धारित लाइन मेंटेनेंस के चलते कई इलाकों में दिनभर बिजली आपूर्ति बाधित रही। शीशमहल, कालाढूंगी चौराहा, सुभाष नगर, हाईडिल गेट और धौलाखेड़ा बिजलीघरों से सुबह 9 से शाम 4 बजे तक सप्लाई रोककर मेंटेनेंस किया। बिजली न होने से जल संस्थान के ट्यूबवेल दिनभर बंद रहे और कई मोहल्लों में पानी की सप्लाई प्रभावित रही। ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि निर्धारित लाइन मेंटेनेंस के कारण आपूर्ति रोकी गई थी।

पालिकाध्यक्ष व सभासदों में टकराव, पुलिस पहुंचा पालिका

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : नगर पालिका में गुरुवार को लेखाविभाग का वार्षिक ऑडिट चल रहा था। देर शाम पालिकाध्यक्ष कक्ष में चल रहे ऑडिट के बीच सैनिक स्कूल वार्ड की सभासद ललिता दफौटी कक्ष में घुस गईं। ललिता ने बताया कि पालिका बोर्ड का हिस्सा होने के नाते उन्होंने ऑडिट कक्ष में बैठने की इच्छा जाहिर की तो पालिकाध्यक्ष सरस्वती खेतवाल ने उसे लताड़ कर बाहर करवा दिया। जबकि पालिकाध्यक्ष की एक रिश्तेदार वहां बैठी हुई थी। सूचना मिलने पर अन्य सभासद पालिकाध्यक्ष से नाराजगी जाहिर करने पहुंचे तो पालिकाध्यक्ष ने उन्हें भी फटकार लगाकर कक्ष से बाहर करवा दिया। कक्ष से बाहर निकलने के दौरान गुस्साये एक

नैनीताल में पालिकाध्यक्ष के साथ विवाद के बाद बैठक कर आक्रोश जताते सभासद।

सभासद ने शीशे में हाथ मारा तो खिड़की का शीशा टूट गया। यह देख पालिकाध्यक्ष ने पुलिस बुला ली। एसएसआई दीपक बिष्ट ने कर्मियों के साथ पहुंच किसी तरह सभासदों को शांत किया। पुलिस बुलाने पर भी सभासद विरोध में उतर आए। सभासदों ने ईओ के कक्ष में धरना देकर पालिका में तालाबंदी करने का ऐलान किया। आरोप लगाए कि आए दिन पालिकाध्यक्ष का व्यवहार बेहद सख्त है। पालिकाध्यक्ष ने इस पर जवाब नहीं दिया। विरोध करने वालों में सभासद मुकेश जोशी, जितेंद्र पांडे, ललिता दफौटी, भगवत रावत, गजाला कमाल, अंकित चंद्रा, काजल आर्या, रमेश प्रसाद, गीता उप्रेती, राकेश पवार, राकेश कुमार रहे।

अतिक्रमण पर लगाए गए लाल निशान

रामनगर : प्रशासन ने नालियों के ऊपर किए गए स्थाई अतिक्रमण के ऊपर लाल निशान लगाने शुरू कर दिए हैं।

गुरुवार को भी प्रशासन, पुलिस और नगरपालिका ने कोसी रोड, चूड़ी गली और बाजार एरिया में अतिक्रमण पर 17 चालान किए और 3900 की धनराशि वसूली। पुलिस ने भी 9 चालान 3750जुर्माना वसूला। इस दौरान सामान जब्त किया और अस्थाई अतिक्रमण हटाया। 25 स्थाई संरचनाओं पर अतिक्रमण के लाल निशान भी लगाए गए। ईओ आलोक उनियाल ने कहा कि नालियों के ऊपर स्थाई अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं, जिन लोगों ने भी अतिक्रमण किया है उसे स्वयं हटा लें अन्यथा उनको तोड़ा जाएगा। कानूनी कार्रवाई भी होगी। इस दौरान तहसीदार मनीषा मारकाना भी मौजूद रहीं।

हिंदूवादी नेता विपिन पांडे समेत 5 गिरफ्तार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पुलिस ने उजाला नगर बवाल में हिंदूवादी नेता विपिन पांडे समेत पांच को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार उपद्रव के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है, जल्द ही अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

पुलिस ने गुरुवार की शाम को विपिन पांडे को कमलुवागांजा स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस उनको लेकर कोतवाली पहुंच गई। किसी भी अप्रिय संभावना को लेकर कोतवाली में पहले से ही अतिरिक्त पुलिस फोर्स को तैनात किया गया था। जांच अधिकारी रोहिताश सागर ने शाम करीब 6.25 बजे से विपिन पांडे से पूछताछ करना शुरू कर दी। उनके बयान भी लिए गए।

पुलिस कोतवाली में विपिन पांडे को लेकर जाती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

● चार अन्य को पुलिस ने किया गिरफ्तार, आरोपियों में दो लोग नाबालिग भी शामिल

करीब एक घंटे तक पूछताछ होती रही। उन्होंने बताया कि विपिन पांडे के ऊपर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर उजाला नगर बवाल को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट की और साथ ही उपद्रव के लिए लोगों को भड़काया। पुलिस के अनुसार घटना में चार अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया।

इनमें दो बालिग और दो नाबालिग शामिल हैं। साथ ही अभी भी मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। ऐसे में उपद्रव में अभी और भी गिरफ्तारी हो सकती हैं। इस मामले में बनभूलपुरा थाना अध्यक्ष सुशील जोशी ने 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ उपद्रव का आरोप लगाया है। वहीं, गोवंश का सिर काटने के प्रकरण में भी

भाजपा से निष्कासित किए गए थे विपिन

विपिन पांडे को दो बार भाजपा से निष्कासित किया गया है। साल 2014 में पंचायत चुनाव के दौरान भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ जिला पंचायत सदस्य चुनाव लड़ने पर उनको पार्टी ने निष्कासित कर दिया था। बाद में वह भाजपा में फिर से शामिल हो गए। इसके बाद साल इसी साल करीब दो माह पूर्व विपिन पांडे ने भाजपा के कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत के खिलाफ बयानबाजी की थी। इसके बाद उन्हें पार्टी से फिर से निष्कासित कर दिया गया। उससे पहले पंचायत चुनाव के दौरान उन्होंने अपनी पत्नी क्षेत्र पंचायत सदस्य मीना पांडे को भाजपा की ब्लॉक प्रमुख उम्मीदवार मंजू गौड़ के खिलाफ चुनाव में खड़ा कर दिया था। हालांकि बाद में उन्होंने नाम वापस ले लिया।

एक एफआईआर दर्ज की गई है जिसमें जांच जारी है।

युवक पर हमला कर फाड़ा कान का पर्दा

हल्द्वानी : काठगोदाम निवासी अमित पंत ने कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर कमल बोरा और उसके साथियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीती 16 नवंबर को वह एबीवीपी कार्यालय से घर को जा रहा था। जब वह जगदम्बा नगर के पास पहुंचे तभी कमल बोरा और उसके साथियों ने उन्हें गालियां देनी शुरू कर दीं। इसके बाद कमल बोरा ने उसके पर अचानक हमला कर दिया और मुक्का मारकर उनके बाएं कान पर चोट पहुंचाई, जिससे उनका कान का पर्दा फट गया। आरोप लगाया कि हमले में सागर मनराल और विभोर चौधरी ने भी गाली-गलौज की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आवासीय भवनों की कमी दूर करें : एसएसपी

संवाददाता, हल्द्वानी

● नए पुलिस आवासीय भवनों की कमी को करें दूर: एसएसपी

अमृत विचार: एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने थाना काठगोदाम और चोरगलिया में बनाए गए द्वितीय श्रेणी के छह-छह नवीन पुलिस आवासीय भवनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कमरों, रसोईघर, बाथरूम एवं छतों में निर्माण से संबंधित कमियों को सुधारने के निर्देश दिए।

एसएसपी मंजूनाथ ने भवनों में बिजली और पानी की सुचारू आपूर्ति के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत भवनों के तृतीय तल पर दो फायर एक्सटिंग्विशर लगवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया कि भवनों में वॉटर लीकेज की संपूर्ण जांच कर सभी खामियों को निर्धारित समय में दूर किया जाए। उन्होंने थाना प्रभारियों, कार्यदीय संस्था को कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसपी संचार नैनीताल रेवाधर मठपाल, प्रतिसार निरीक्षक हरकेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक चोरगलिया हरपाल सिंह, थानाध्यक्ष काठगोदाम विमल कुमार मिश्रा, सहायक अभियंता जयॉक पांडे, पीआरओ हेमा एठानी थे।

नियमितीकरण को लेकर दिया धरना

हल्द्वानी : उपनल महासंघ के बैनर तले एसटीएच समेत विभिन्न विभागों के उपनल कर्मियों ने बुद्ध पार्क में धरना दिया। इसके कारण अस्पताल से लेकर अन्य विभागों में कामकाज प्रभावित रहा। प्रदेश अध्यक्ष प्रताप सिंह बोरा ने कहा कि विभिन्न विभागों में उपनल कर्मचारी 20-25 वर्षों से कार्यरत हैं। तब से नियमितीकरण की मांग चली आ रही है। हाईकोर्ट ने इस संबंध में सरकार से निर्णय लेने को कहा है, लेकिन अब तक मांगें पूरी नहीं हो पाई हैं। उन्होंने कहा कि मांग पूरी न होने पर यह धरना अनिश्चितकालीन चलेगा। इस मौके पर उपनल महासंघ के कुमाऊं अध्यक्ष मोहन रावत, उमा डांगी, केसी बोरा, मुरली मनोहर भट्ट, मनोज आदि मौजूद रहे।

पंचायत के उपचुनाव के लिए 1204 मतदाताओं ने दिए वोट

संवाददाता, हल्द्वानी

● 63.16 प्रतिशत महिलाओं और 57.26 प्रतिशत पुरुषों ने किया मतदान

अमृत विचार: हल्द्वानी ब्लॉक में ग्राम पंचायतों में वार्ड मेंबरों के रिक्त पड़ी सीटों के लिए मतदान हुआ। उपचुनाव में मतदाताओं का उत्साह रहा और 60 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया गया।

हल्द्वानी ब्लॉक में पंचायत चुनाव के दौरान 230 सीटें रिक्त रह गईं थीं। इन सीटों के खाली होने की वजह से कई प्रधान शपथ नहीं ले पाए। उपचुनाव के लिए कुल 228 नामांकन पत्र जमा किए गए थे। जांच में पांच नामांकन पत्र त्रुटियों की वजह से निरस्त कर दिए गए थे। जांच में 223 नामांकन पत्र वैध पाए गए थे। इसके अलावा दो प्रत्याशियों ने अपने पर्चे वापस ले लिए थे। 201 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन हो चुका है। बाकी सीटों पर हुए उपचुनाव में 2001 मतदाता थे। इनमें 988 महिला और 1013 पुरुष मतदाता हैं। शाम तक कुल 1204 मतदाताओं ने मतदान किया। इनमें 624 महिलाएं (63.16%) और 580 पुरुष (57.26%) शामिल रहे। कुल 60.17 प्रतिशत मतदान हुआ। अब 22 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन अधिकारी तनवीर असगर ने बताया कि शांतिपूर्वक सभी प्रक्रिया संपन्न हो रहीं हैं।

चुनाव प्रक्रिया

हल्द्वानी : जुलाई-अगस्त में चली पंचायत चुनाव प्रक्रिया अब पूरी तरह से पूरी हो जाएगी। ग्राम सभाओं में पूरे प्रदेश में वार्ड मेंबरों की कई सीटें खाली रहने की वजह से कई ग्राम सभाओं में प्रधान शपथ ही नहीं ले पाए थे। अब यह प्रक्रिया पूरी तरह से संपन्न हो जाएगी।

दान पात्र के ताले तोड़ कर उड़ाए हजारों

नैनीताल : पुलिस के अनुसार 13 नवंबर की रात लगभग डेढ़ बजे चोरी की घटना हुई। चोरी का पता गुरुवार सुबह लगा जब पूजा के लिए एक महिला मंदिर पहुंची तो देखा कि दानपात्र का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने इसकी सूचना सभासद ललिता दफौटी को दी। इसके बाद सीसीटीवी कैमरा ऑपरेटर को मौके पर बुलाया गया। जांच में देखा कि मंदिर के अंदर रखे दूसरे दानपात्र का ताला भी टूटा पाया गया। इसके बाद पिछले कई दिनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें एक युवक को देर रात मंदिर में घुसकर दोनों दानपात्रों के ताले तोड़ते हुए साफ देखा गया। सभासद ने मामले की सूचना पुलिस को दी। प्रभारी कोतवाल दीपक बिष्ट ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

न्यायिक प्रक्रिया

प्रभारी ईओ पद संबंधी याचिका पर एकलपीठ ने की सुनवाई

बागेश्वर पालिकाध्यक्ष को हाईकोर्ट का अवमानना नोटिस

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रवींद्र मैथानी की एकलपीठ ने पूर्व के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर बागेश्वर नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल और प्रधान सहायक विजय सिंह कनवासी को गुरुवार को अवमानना का नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा है।

याचिकर्ता बागेश्वर निवासी हयात सिंह परिहार ने याचिका में कहा कि उन्हें शासन ने 17 सितंबर 2025 को नगर पालिका बागेश्वर के प्रभारी अधिशासी अधिकारी (ईओ) पद पर नियुक्त किया था, जिसका प्रभार याची द्वारा 18 सितंबर 2025 को ग्रहण कर लिया था लेकिन तीन सप्ताह तक नगर पालिकाध्यक्ष द्वारा याची को वित्तीय अधिकार नहीं दिए गए। इसी बीच 9 अक्टूबर को याची के स्थान पर एक अन्य प्रभारी ईओ की नियुक्ति कर दी गई और याची को हल्द्वानी नगर निगम स्थानांतरित कर दिया गया। याची ने पूर्व में दाख़िल याचिका में इसे चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने पालिका के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसी दौरान शासन ने नए प्रभारी ईओ की नियुक्ति व याची के स्थानांतरण आदेश को निरस्त कर दिया था। साथ ही, न्यायालय को अवगत कराया था कि नियमित ईओ की नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गयी है जिसके चलते पूर्व में दाखिल याचिका निस्तारित हो गयी। याचिका के अनुसार, नगर पालिका द्वारा 17 अक्टूबर को बैठक बुलाकर प्रधान सहायक को प्रभारी ईओ नियुक्त करने का निर्णय लिया गया जिसे याची हयात सिंह परिहार द्वारा पुनः हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। पूर्व में 31 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने नगरपालिका के इस निर्णय पर रोक लगा दी थी परंतु उसके बावजूद भी नगर पालिका के प्रभारी ईओ के पद पर याचिकर्ता को कार्य करने की अनुमति नहीं दी गई।

डीएम यूएस नगर हाईकोर्ट में तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट ने ऊधमसिंह नगर जिले में आपदा पीड़ितों के लिए एकत्र 99 क्विंटल से अधिक खाद्यान्न के रखरखाव के अभाव में खराब होने के मामले में सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर को पेश होने के निर्देश दिए हैं। हरिद्वार निवासी अभिजीत की ओर से

दायर जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। प्रमुख सचिव और ऊधमसिंह नगर के प्रभारी जिलाधिकारी और अपर जिलाधिकारी अदालत में वर्चुअल रूप से पेश हुए। उन्होंने खंडपीठ को अवगत कराया कि, इस मामले की जांच की जा रही है और स्थिति का पता लगाया जा रहा है। एडीएम ने कहा कि जिलाधिकारी 25 नवम्बर तक अवकाश पर हैं इसलिए वह उपस्थित नहीं हो पाए। इसके बाद अदालत ने जिलाधिकारी को 26 नवंबबर को पेश होने के निर्देश दे दिए।

मदन जोशी की याचिका खारिज

नैनीताल : हाईकोर्ट ने रामनगर के भाजपा नेता मदन जोशी द्वारा दायर अग्रिम जमानत और गिरफ्तारी पर रोक संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट में शुक्रवार को अन्य मामले को सुनवाई के लिए रख दिया गया है। पूर्व में हुई सुनवाई में कोर्ट ने नैनीताल पुलिस को उनके खिलाफ कार्रवाई कर हाईकोर्ट को रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा था। रामनगर कोतवाली क्षेत्र के छोई में गोवंश के अंदेशे के आरोप में 23 अक्टूबर को वाहन चालक नासिर की पिटाई के बाद नासिर की पत्नी नूरजहां की ओर से हाईकोर्ट में सुरक्षा की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी।

ढाई सौ लीटर कच्ची शराब नष्ट की

रामनगर : आबकारी विभाग ने तुमड़िया डैम में दबिश देकर रबड़ ट्यूब में लगभग 250 लीटर कच्ची शराब नष्ट की। छह भट्ठियां तोड़ीं और लहन नष्ट किया। शराब तस्करों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60 में अज्ञात केस दर्ज किया है टीम के पहुंचने से पहले ही शराब माफिया भाग खड़े हुए। शराब माफिया को चिन्हित कर विधिसम्मत राजस्व टीम से पूछताछ कर आगे की कार्यवाही जा रही है। टीम में सहायक आबकारी आयुक्त हरीश जोशी, आबकारी निरीक्षक धीरेन्द्र बिष्ट, उमेश पाल, रुचिका काण्डपाल आबकारी निरीक्षक, उप निरीक्षक हीरा बल्लभ भट्ट, संजय कुमार, आनंद दोसाद, महेश लोहनी प्रधान आबकारी सिपाही, रमाकांत बावड़ी, चन्द्र शेखर काण्डपाल, आबकारी सिपाही अलका तथा जगवती अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

कालाढूंगी में सीएससी से 26 आधार जब्त किए

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: प्रशासन ने तीन सीएससी सेंटरों पर छापेमारी कर पारदर्शिता से काम करने के लिए निर्देशित किया। सलमान सीएचसी सेंटर में जांच के दौरान 26 आधार कार्ड को संदिग्ध लगने पर जांच के लिए कब्जे में ले लिया है।

गुरुवार को एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने तीन कॉमन सर्विस केन्द्रों के संचालन, सेवाओं की उपलब्धता व गुणवत्ता का जायजा लिया। वहीं सलमान कंप्यूटर सेंटर से 26 आधार कार्डों के मिलने पर संदिग्ध होने पर प्रशासन ने कब्जे में ले लिए। संचालक ने बताया कि ज्यादातर आधार कार्ड खोया-पाया से संबंधित हैं। एसडीएम पंत ने बताया कि इस संबंध में पृथक से नोटिस प्रेषित किया जा रहा है। एसडीएम पंत ने कहा सेवाओं के समय पर निस्तारण, शुल्क सूची के स्पष्ट प्रदर्शित होने, आधार व अन्य प्रमाणपत्रों से जुड़ी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता तथा शिकायत निवारण व्यवस्था की भी जांच की। उन्होंने ऑपरेटरों को निर्देशित किया कि किसी भी नागरिक को अनावश्यक प्रतीक्षा या अतिरिक्त शुल्क का सामना न करना पड़े। इस दौरान कंप्यूटर, कनेक्टिविटी, बायोमेट्रिक मशीन जैसे उपकरणों की भी समीक्षा की। सीएचसी संचालकों से कहा कि सेवा गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएससी सेंटर से 26 आधार कार्ड मिलें है जो जांच का विषय है। फिलहाल संचालक को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया है। -बिपिन चंद्र पंत, एसडीएम

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

भूमियाधार के विनय बिष्ट ने एलएलएम में प्राप्त किया पहला स्थान

नैनीताल : सरोवर नगरी के निकटवर्ती ग्राम भूमियाधार के विनय सिंह बिष्ट ने विधि के क्षेत्र में नया मुकाम बनाया है। विनय ने सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के विधि संकाय के मास्टर ऑफ लॉ यानि एलएलएम की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस सफलता पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। विनय की प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय स्कूलों से शुरू हुई। उन्होंने 10वीं व 12वीं की परीक्षा हरमन माइनर स्कूल भीमताल से पास की। डीएसबी कालेज नैनीताल से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। वासुदेव कालेज आफ ला हल्द्वानी से एलएलबी की परीक्षा पास की। विनय वर्तमान में हाईकोर्ट नैनीताल में प्रैक्टिस कर रहे हैं।

संविधान दिवस पर होंगे रंगारंग कार्यक्रम

कालाढूंगी : डॉ. अम्बेडकर एकता फाउंडेशन कालाढूंगी के तत्वावधान में 26 नवंबर को संविधान दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होंगे। गुरुवार को डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन के पदाधिकारी ने कार्यालय में बैठकर प्रेस वार्ता की। संगठन के अध्यक्ष जगदीश चंद्रा ने बताया कि वार्ड नंबर 2 में संविधान दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में संगठन के सचिव धनीराम, महासचिव मदन चंद्रा, कोषाध्यक्ष एडवोकेट अरविन्द कुमार, सूरज कुमार उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

रामनगर : ग्रीनफील्ड एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने गुरुवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। बच्चों ने जो नशे का हुआ शिकार उसने फूंक दिया घर बार, नशा समाज के लिए कलंक है जैसे नारे लगाए। बच्चों ने समाज को नशा मुक्त बनने का संदेश दिया। रैली का वातावरण ऊर्जा, सकारात्मकता और जागरूकता से पूरी तरह ओत-प्रोत रहा। इस दौरान कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख मीना रावत ने कहा कि नशा कल के भविष्य की जड़ें खोखली कर रहा है। इसे जड़ से समाप्त करना जरूरी है। रैली में क्षेत्र पंचायत सदस्य नरेंद्र सिंह रावत, ग्राम प्रधान ममता सनवाल, प्रधान प्रकाश चंद्र मठपाल, लक्ष्मी लखचौरा, सत्य पटवाल, विद्यालय के निदेशक गौरव रावत, प्रधानाचार्य कंचन बिष्ट एवं विद्यालय के प्रबंध निदेशक शिशुपाल रावत मौजूद रहे।

सिलौटी पंत, सिलौटी पांडे में तेंदुए की दहशत

भीमताल : नकुचियाताल क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र सिलौटी पांडे और सिलौटी पंत में एक बार फिर एक साथ तीन तेंदुए दिखाई देने से दहशत है। क्षेत्र के ग्रामीणों के मुताबिक बुधवार देर शाम नकुचियाताल के हेलीपैड के धार में और अन्य क्षेत्रों में तेंदुए का एक परिवार जिसमें तीन तेंदुए थे दिखाई दिए। इस दौरान एक तेंदुआ बिछड़ गया और दूसरी ग्राम सभा खेरोला पांडे और पंत में पहुंच कर दहाड़ने लगा। इससे लोगों में दहशत फैल गई। वन क्षेत्र अधिकारी विजय मलकानी ने बताया कि टीम को भेजा गया है जो कि कैमरा लगाएगी और रात्रि गश्त की भी व्यवस्था की गई है।

पुष्पा कालाढूंगी, पंकज बैलपड़ाव व शकुतंला कोटाबाग की अध्यक्ष

नैनीताल जिले में सहकारी समितियों के चुनाव संपन्न, अधिकांश समितियों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियां का निर्विरोध हुआ चयन

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: गुरुवार को विकास खंड कोटाबाग के 9 बहुद्देशीय किसान सेवा सहकारी समितियों को अटकलों के बाद नये अध्यक्ष व पदाधिकारी मिल गये हैं। ब्लॉक सभी सहकारी समितियों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी लगभग निर्विरोध चुने गए हैं।

कालाढूंगी समिति अध्यक्ष पुष्पा खोलिया, उपाध्यक्ष हरीश अटवाल शासन द्धारा मनोनित सदस्य महिमन सिंह, बैलपड़ाव समिति में पंकज पांडे अध्यक्ष व हरदीप सिंह, गिन्ती गांव कोटाबाग समिति शकुंतला देवी अध्यक्ष, ध्यान सिंह व मक्कख सिंह उपाध्यक्ष, सूरज भान मनोनीत सदस्य, पांडेगांव समिति अध्यक्ष धाराबल्लभ, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह, देवीपुरा समिति अध्यक्ष निर्मल कुमार, उपाध्यक्ष डुगंर सिह, सौड़ समिति अध्यक्ष खीम सिंह, उपाध्यक्ष धन सिंह, बगड़ समिति में अध्यक्ष इन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष कृपाल सिंह, अमगड़ी समिति में अध्यक्ष बबीता देवी व उपाध्यक्ष मंजू देवी, डौन समिति में अध्यक्ष पुष्पा देवी व नंन्दी देवी को उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गये। सहकारी समिति की एडीओ निर्मला गोस्वामी ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्वक हुआ। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का समर्थकों ने फूल मालओं से स्वागत किया।

इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल, मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, मोहन खोलिया, भगवान सिंह रौतेला, विपिन कांडपाल, विनोद बुढलाकोटी, हरीश मेहरा, कुंदन जंतवाल, मिनाक्षी जंतवाल, दिवान बिष्ट, कुबेर सिंह, कुंदन बसेड़ा, राजू जंतवाल, ललित कांडपाल, ललित सत्याल आदि मौजूद रहे।

कालाढूंगी में सहकारी समिति के निर्विरोध चुने गए पदाधिकारी। ● अमृत विचार

लाखन मंडी समिति में अध्यक्ष पद पर एक वोट से जीते सुरेश चंद बजेठा

चोरगलियां : लाखन मंडी सहकारी समिति के अध्यक्ष पद के दावेदारी में दो लोगों ने नामांकन कराया था। सुरेश चंद बजेठा पुत्र प्रेम बल्लभ बजेठा व प्रकाश चंद्र बेलवाल पुत्र लक्ष्मी दत्त बेलवाल। सुरेश चंद बजेठा को 6 मत मिले वहीं प्रकाश चंद बेलवाल को 5 मत मिले। इस तरह सुरेश चंद बजेठा एक मत से जीत गए। वहीं बैंक प्रतिनिधि पद पर कृपाल सिंह पुत्र दिलीप सिंह, कैलाश चंद्र पुत्र धर्मेंद्र, सुधीर कुमार जंगी पुत्र नवीन चंद जंगी ने विजय प्राप्त की। जैसे ही अध्यक्ष पद के लिए सुरेश चंद बजेठा का नाम घोषित हुआ, समर्थकों ने माला पहनाकर व मिठाई वितरण कर पूरे बाजार में विजय जुलूस निकाला। बधाई देने वालों में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रदीप फर्त्याल, राहुल पानू, भुवन चंद पोखरिया, मंगल धामी, पंकज बजेठा, कैलाश पनेरु, सोनू खनवाल, टीकम देवपा, दीपू बोहरा, पूरन बोहरा आदि लोग उपस्थित रहे।

कुकरेती के उक्रांद का केन्द्रीय अध्यक्ष बनने पर खुशी

भीमताल : उत्तराखंड क्रांति क्रांति दल के देहरादून में आयोजित एक दिवसीय अधिवेशन में सुरेन्द्र कुकरेती को केंद्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने वाले पर भीमताल में भी खुशी का माहौल है। उत्तराखंड क्रांति दल के पूर्व भीमताल विधान सभा प्रभारी प्रेम सिंह कुल्याल सहित नवीन चंद्र ममगई, भुवन चंद्र पांडे, हरीश सिंह अधिकारी, लोकेश वर्मा, मनोज मेहता, कंचन चौनाल सहित अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा नव निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई प्रेषित की है।

संदीप महरा अध्यक्ष, दिनेश चंद्र उपाध्यक्ष निर्वाचित

भीमताल : बहुउद्देशीय साधन सहकारी समिति लिमिटेड भीमताल में अध्यक्ष पद में संदीप मेहरा उपाध्यक्ष पद में दिनेश चंद्र सुयाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। साथ ही जिला सहकारी बैंक हल्द्वानी हेतु बैंक प्रतिनिधि में प्रकाश भट्ट मनोज, भास्कर भगवाल, रीना आर्य, गोविंदी देवी, संजीव कुमार, दिनेश चंद्र सागुड़ी, निर्विरोध निर्वाचित हुए और इफ़को संस्था के लिए अखिल नेगी और आनंद मणि भट्ट निर्वाचित हुए इस मौके पर मिष्ठान वितरण में मंडल अध्यक्ष कमल जोशी व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज जोशी ललित मोहन पाठक दयानंद नीरज सागुड़ी कमलेश रावतजी प्राची नेगी उमा देवी निर्वाचन अधिकारी चंद्रलाल आर्य सचिव हरेंद्र सिंह पोखरिया जी बी एस रावत जी दीपक बेलवाल जी जगदीश भट्ट जी आदि लोग उपस्थित थे

विजयपाल, वीरेन्द्र हरीश दफोटी व अमन बने समितियों के अध्यक्ष

रामनगर : करनपुर कोआपरेटिव सोसायटी करनपुर के चुनाव में विजयपाल सिंह रावत अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए है। इसके अलावा संपन्न सहकारी समिति निर्वाचन में रामनगर में पूर्वी किसान सेवा समिति में भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत, मालधन किसान सेवा सहकारी समिति में भाजपा नेता हरीश दफौटी अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित हुए हैं। उधर कोआपरेटिव सोसायटी पीपलसाना के लिए अमन रंधावा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए है। सभी निर्वाचित अध्यक्षों को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत ने बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी है।

नौल शाखोला समिति के इन्दर बने अध्यक्ष

भीमताल : नौल शाखोला साधन सहकारी समिति के चुनाव में नौकुचियाताल के नौल शाह खोला समिति में सभी सदस्यों ने इन्दर सिंह चनौतिया को दोबारा निर्विरोध समिति का अध्यक्ष चुना । इस दौरान उपाध्यक्ष पद पर देव सिंह गंगोला को चुना गया इस मौके पर गोपाल सिंह बिष्ट, हेमा पलड़िया, कमलेश आर्य, कविता पोखरिया, कुंदन महरा, बबिता महरा, धीरेन्द्र मेहता, यशवंत पोखरिया, विनोद आर्य और ग्राम प्रधान चनौती जितेंद्र चनौतिया, ग्राम प्रधान डहरा मनोज चनौतिया, विनोद दुम्का, मनोज पोखरिया, नवल कुमार, कमल पलड़िया आदि मौजूद रहे।

पालिका अध्यक्ष पंकज आर्य के साथ विजयी प्रत्याशी व समिति कर्मचारी।

साधन सहकारी समिति के नवीन क्वीरा बने अध्यक्ष

भवाली : बहुउद्देशीय साधन सहकारी समिती भवाली में गुरुवार को चुनाव प्रकिया सम्पन्न हुई। जिसमें कि साधन सहकारी समिति के अध्यक्ष पद पर नवीन सिंह क्वीरा, उपाध्यक्ष पद पर संजय कुमार का चयन किया गया। बैंक प्रतिनिधि के रूप में प्रशान्त जोशी, मेघा तिवारी, नरेन्द्र सिंह, मंजु जोशी, भेषज संघ में संजय कुमार, धनी देवी, इफ्को में नरेन्द्र नैनवाल, उपभोक्ता भण्डार के लिए रमेश चन्द्र का निर्विरोध चयन किया गया। चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न कराने में निर्वाचन अधिकारी सुनील कुमार चन्याल, सचिव दीप्ति भगवाल, मनीष सैलाकोटी, माणिक जोशी ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष पंकज आर्य, मनोज पाण्डे, गणेश पाण्डे, देवेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे। विजयी उम्मीदवारों को पालिका अध्यक्ष ने माला पहनाकर बधाई दी। विजयी प्रत्याशियों ने मिष्ठान वितरण किया।

धर्मेन्द्र शर्मा दोबारा निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

भीमताल : सहकारिता चुनाव में बानना बहुउद्देशीय सहकारी समिति लि के लिए अध्यक्ष पद पर दुबारा धर्मेन्द्र शर्मा को निर्विरोध चुना गया। संचालक मंडल में

महिपाल, दीपा सम्मल, दीपा शर्मा, हरुली देवी, इंद्रा देवी, त्रिलोचन, भैरव दत्त, गोविन्दवल्लभ, मदन मोहन, राज्य सरकार से पूरन चन्द्र शर्मा, प्रमोद कुमार चुने गए। भैरव दत्त सर्व सम्मति से उपाध्यक्ष चुने गए। इसके अतिरिक्त कई संस्थाओं को प्रतिनिधि भेजे गए। कार्यक्रम में बधाई देने वालों में ज्येष्ठ प्रमुख उमेश पलड़िया, राज्य आंदोलनकारी डॉ. केदार पलड़िया, प्रधान दीपा देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य सावित्री शर्मा, नरेश शर्मा, प्रेम सिंह मेहरा, लक्ष्मी दत्त पलड़िया आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए नव निर्वाचित अध्यक्ष ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि 1200 काश्तकारों से जुड़ी तथा दो विकासखंडों में कार्यरत इस समिति को आगे बढ़ाने हेतु हमेशा प्रयास किया जाएगा तथा काश्तकारों का हित सर्वोपरि होगा।

नौल शाखोला साधन सहकारी समिति के नव निर्वाचित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

बिंदुखत्ता में पांच दिवसीय गढ़-कुमु महोत्सव आज से

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: झांझर सांस्कृतिक कला समिति द्वारा आगामी 21 से 25 दिसंबर तक बिंदुखत्ता क्षेत्र में पहली बार पांच दिवसीय गढ़-कुमु महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए आयोजकों द्वारा जोरदार प्रचार प्रसार किया जा रहा है। यह महोत्सव गढ़वाल और कुमाऊं की सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत करेगा।

समिति के संयोजक जीवन पांडे ने बताया कि हमारी सांस्कृतिक ही हमारी पहचान है। हम दोनों अंचलों की विलुप्त हो रही गाथों, कला व परंपराओं को एक मंच देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महोत्सव में गढ़वाल व कुमाऊं के देवी-देवताओं की कथा जागर, घटेली, बैर भगनौल, पारंपरिक कलाओं के साथ-साथ लोक संगीत, पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प की प्रदर्शनी भी होगी। आयोजकों ने सभी संस्कृति प्रेमियों से 21 से 25 दिसंबर तक बिंदुखत्ता में महोत्सव स्थल पर पहुंचकर इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने की अपील की है। पोस्टर लॉंच करने में भुवन भट्ट, किशन देवली, जगदीश पाठक, कृष्ण कुमार, हरीश राम, राजेंद्र प्रसाद, लक्ष्मण, मयंक पाठक, जया पांडे, अंजली आर्य व रीना आर्य आदि उपस्थित रहे।

सामुदायिक सहभागिता प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भीमताल : ओखलकांडा के कालाआगर में तीन दिवसीय सामुदायिक सहभागिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया। इसमें एसएमसी के पदाधिकारियों व सदस्यों को सामुदायिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया।

बताया कि बालक, बालिका, शिक्षक और शासक शिक्षा के चार महत्वपूर्ण तत्व हैं जिनकी भूमिका शिक्षा के समग्र विकास को तय करती है। संदर्भदता सतीश चंद्र ने कहा कि समुदाय को उद्देश्य सुनिश्चित कर विद्यालय के साथ मिलकर बच्चों के चहुंमुखी विकास में बाधक बन रही समस्याओं के समाधान के लिए आगे आना होगा। साथ ही अभिभावक बच्चे को घर में भी सीखने का एक अच्छा वातावरण दें। प्रशिक्षण में बाल अधिकार एवं संरक्षण, विद्यालय स्वच्छता, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, समग्र शिक्षा के उद्देश्य, आपदा प्रबंधन एवं विद्यालय सुरक्षा, बालिका शिक्षा की जानकारी दी गई।

रजिस्ट्री शुल्क बढ़ाने से लोगों में नाराजगी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रजिस्ट्रेशन शुल्क और स्टांप ड्यूटी में बढ़ोतरी ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। नया रेट लागू होने के बाद अब प्रॉपर्टी खरीदना और महंगा हो गया है। खासकर गरीब और मध्यम तबके के लिए घर का सपना पूरा करना पहले से अधिक मुश्किल हो गया है। लोगों ने बढ़ी दरों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले संपत्ति के मूल्य का 2% रजिस्ट्रेशन शुल्क लिया जाता था और इसकी अधिकतम सीमा 25 हजार रुपये थी, लेकिन अब करीब 10 साल बाद सरकार ने इसकी अधिकतम सीमा बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी है, यानी संपत्ति का 2% या अधिकतम 50 हजार रुपये दोनों में जो कम होगा, वह शुल्क देना होगा, आम जनता का कहना है कि यह बदलाव उनके सपनों के घर पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाल देगा। लोगों ने आरोप लगाया कि पहले ही सरकार ने सर्किल रेट बढ़ाकर जमीनें महंगी कर दीं और अब रजिस्ट्री शुल्क बढ़ाकर आम आदमी की जेब पर और दबाव डाल दिया है, कई लोगों ने सरकार से इस निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की है।

रामनगर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र शर्मा ने कहा कि रजिस्ट्री शुल्क बढ़ाना जनविरोधी कदम है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह निर्णय वापस नहीं लिया, तो जनता 2027 के चुनाव में इसका जवाब देगी। स्थानीय निवासी सुमित लोहनी ने कहा कि लगातार बढ़ते सर्किल रेट और रजिस्ट्री शुल्क से घर बनाना मुश्किल होता जा रहा है।

वहीं इंद्र कुमार ने कहा कि इस फैसले से स्थानीय पहाड़ी लोगों पर अधिक बोझ पड़ेगा, जबकि बाहरी राज्य के लोग जो होटल और कमर्शियल व्यवसायों के लिए बड़ी जमीन खरीदते हैं उनको अधिक लाभ मिलेगा। हालांकि कुछ लोगों ने इस फैसले का समर्थन भी किया है। भाजपा नेता गणेश रावत के अनुसार, बढ़ा हुआ रजिस्ट्रेशन शुल्क वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाएगा। उनके मुताबिक संपत्ति के बाजार भाव और सरकारी रेट में बड़ा अंतर होने से काले धन का उपयोग बढ़ता है।

● बोले गरीब का घर भी बनाना हुआ मुश्किल

नरेंद्र शर्मा।

सुमित लोहनी।

गणेश रावत।

एलबीएस महाविद्यालय हल्दूचौड़ में युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

महाविद्यालय में युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचार: लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ में प्राचार्य प्रो. डॉ. सीमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नोडल अधिकारी व राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. गीता तिवारी पाण्डे ने विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

युवा संसद प्रतियोगिता के लोकसभा अध्यक्ष यश जोशी ने निर्वाचित लोकसभा के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नेहा खोलिया ने महासचिव, रिया बिष्ट ने प्रधानमंत्री, शिल्पी गृहमंत्री, भूमिका जोशी मानव संसाधन विकास मंत्री, नितिशा वित्त मंत्री, सुशील राणा स्वास्थ्य मंत्री, नीतिका महिला कल्याण मंत्री, हिमांशु पाण्डे ने रक्षा मंत्री की भूमिका निभाई। युवा संसद में सावन मेहता नेता प्रतिपक्ष चुने गए तथा युवा सांसद मुस्कान, ललित भट्ट, रिया गरवाल, पुष्पा जोशी, कमल चंद पांडे, संजना पांडे, वंशिका कुमारी, कमल जोशी, सूरज, अंकित धारीयाल आदि ने युवा सांसद प्रतियोगिता में युवा सांसद की भूमिका निभाई। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की। युवा संसद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सावन मेहता, द्वितीय स्थान रिया बिष्ट एवं तृतीय स्थान पर सुशीला राणा रहीं। निर्णायक डॉ. भारत सिंह डोबाल, डॉ. गीता भट्ट और डॉ. नीलम कनवाल रहे।

राज्य स्तरीय खो-खो के लिए 13 चुने

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए कालाढूंगी प्रशिक्षण कैंप के 13 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। बीते 12 व 13 नवंबर को राउमावि देवीपुरा चकलुवा में आयोजित जिला स्तरीय विद्यालय खो -खो प्रतियोगिता का ट्रायल हुआ था। खेल विभाग हल्द्वानी द्वारा संचालित प्रशिक्षण शिविर के 13 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता के लिए हुआ।

कोच राजेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि टीना आर्य, दिव्यांशु टम्टा, मानस नेगी, देवेश टम्टा, शगुन पांडे, नमिता आर्य, राशि मेहरा, पलक सैनी, सुप्रिया, कृष्णा, दिनेश भंडारी, विनोद सैनी व साक्षी जोशी का चयन हुआ है। 26 से 29 नवंबर ज्ञान प्रकाश इंटर कॉलेज धमोला में होने वाली राज्य स्तरीय विद्यालय खो खो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

प्रशिक्षण शिविर में चयनित खिलाड़ियों के साथ कोच राजेंद्र सिंह नेगी।

कुलपति को दीक्षांत समारोह की सफलता पर बधाई दी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन को लेकर एक शिष्टमंडल ने शुक्रवार को कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत से भेंट कर उन्हें बधाई प्रेषित की।

कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा दीक्षांत समारोह में शामिल होना विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को और अधिक बढ़ाने वाला कदम रहा। कुलपति प्रो. रावत द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप आज कुमाऊं विश्वविद्यालय देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पहचान बनाए है। शिष्टमंडल में विश्वविद्यालय कार्यपरिषद सदस्य अरविंद पडियार, पूर्व मंडल अध्यक्ष आनंद बिष्ट, पंकज बर्गली, सभासद भगवत रावत, डॉ. मोहित रौतेला, बिक्रम रावत आदि रहे।

दस्तावेज न दिखाने पर दो टैक्सियां सीज

नैनीताल : नैनीताल की मॉलरोड पर बिना दस्तावेज टैक्सी पार्क कर सवारियां भरना टैक्सी चालकों को महंगा पड़ गया। पुलिस ने दो वाहन सीज कर दिए हैं। गुरुवार को नैनीताल में तल्लीताल पुलिस की ओर से मॉलरोड पर पार्क वाहनों को हटाने के लिए मुनादी की गई। दो टैक्सी चालकों ने मुनादी के बाद भी अपने वाहन नहीं हटाए। टैक्सी चालक वाहन के दस्तावेज भी नहीं दिखा पाए। जिस पर पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। एसओ मनोज नयाल ने बताया कि हल्द्वानी निवासी आदिल वाहन संख्या यूके 04 टीए 8798 व तल्लीताल निवासी नदीम के वाहन संख्या यूके 04 टीए 3798 को सीज कर दिया गया है।

एससी-एसटी छात्रों को सिविल सर्विसेज की मुफ्त कोचिंग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अनुसूचित जाति जनजाति के विद्यार्थियों को सिविल सर्विसेज की निःशुल्क कोचिंग करायी जाएगी। प्राचार्य प्रो. एमसी पाण्डे ने रामनगर क्षेत्र के लिए इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। कहा कि इसका लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि रामनगर क्षेत्र के विद्यार्थी भी सिविल सर्विसेज की तैयारी अपने नगर में ही रहकर कर सकेंगे। बता दें कि शासन द्वारा रामनगर महाविद्यालय को अनुसूचित जाति जनजाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण केन्द्र बनाया गया है। समाज कल्याण विभाग की इस योजना के तहत यह उत्तराखंड राज्य का एक मात्र राजकीय महाविद्यालय है जहां यह केन्द्र संचालित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण केन्द्र में सिविल सर्विसेज की प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी हेतु कोचिंग प्रदान की जाएगी। यह केन्द्र समाज कल्याण विभाग द्वारा वित्त पोषित होगा। नामांकन हेतु स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को स्क्रीन टेस्ट से चयनित किया जाएगा। प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरान्त मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी की योजना है। कोचिंग हेतु बाह्य विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाएगा। प्राचार्य प्रो.एमसी पाण्डे ने इस केन्द्र का समन्वयक डॉ.नरेश कुमार को बनाया है तथा सह समन्वयक की जिम्मेदारी डॉ.अलका राजौरिया को दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 22 नवंबर तक महाविद्यालय के कक्ष संख्या 54 में डॉ.नरेश कुमार से सम्पर्क करें। इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर प्रो. एसएस मौर्या, प्रो.पुनीता कुशवाहा, प्रो. जे. एस. नेगी, डॉ.योगेश चन्द्रा आदि प्राध्यापकों सहित, पुरातन छात्र परिषद अध्यक्ष गणेश रावत, अभिभावक शिक्षक संघ अध्यक्ष डुंगर सिंह कनवाल आदि रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य एमसी पांडे।

नौ शिक्षकों को उत्कृष्ट शोध प्रकाशन पुरस्कार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के 9 प्राध्यापकों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट शोध प्रकाशन प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इनमें प्रो. एनजी साहू, प्रो. गीता तिवारी और डॉ. महेश आर्य, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. किरण बरगली और प्रो. सुरेंद्र सिंह बरगली, डॉ. मुकेश सामंत, प्रो. सीमा पांडे, प्रो. वीणा पांडे को उत्कृष्ट शोध प्रकाशन के लिए सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शोध छात्रवृत्ति दिवाकर बावरी, दीक्षा बोरा, ज्योति टम्टा, रिया पांडे, कुमुद चौधरी व प्रशांत सिंह, दिव्या, रोहित बिस्वास, रक्षिता पांडे व मयंक पंत शामिल हैं। निदेशक प्रो. नीता बोरा, डीएसडब्ल्यू संजय पंत, प्रॉक्टर हरीश बिष्ट ने सम्मानित शिक्षकों व छात्रवृत्ति प्राप्त शोधार्थियों को बधाई दी है।

सिटी ब्रीफ

रामदत्त संरक्षक और निलेश बने कोषाध्यक्ष

रामदत्त उप्रेती और निलेश भारद्वाज।

हल्द्वानी : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के महानगर इकाई के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने वरिष्ठ व्यापारी रामदत्त उप्रेती को हल्द्वानी युवा इकाई का संरक्षक और रेलवे बाजार के व्यापारी निलेश भारद्वाज को युवा इकाई का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कहा कि दोनों पदाधिकारियों के मनोनयन से संगठन को मजबूती मिलेगी। दोनों पदाधिकारियों के मनोनयन पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र फर्स्वाण, संयोजक धर्म यादव, देवेश अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता, पूरन लाल साह, कुंदन रावत, ललित जायसवाल, नुसरत सिद्दिकी, राजीव शर्मा, अश्मित गुजराल, धर्मेंद्र कुमार, कुंदन बिष्ट, प्रज्ञान भारद्वाज आदि ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय हैंडबॉल के लिए प्रियांशु का चयन

हल्द्वानी : पाताल भुवनेश्वर के हैंडबॉल खिलाड़ी प्रियांशु कुमार का चयन राष्ट्रीय अंडर 17 विद्यालयी हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए उत्तराखंड की टीम में किया गया है। बता दें कि बीते अक्टूबर महीने में देहरादून में राज्य स्तरीय विद्यालयी हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित हुई थी। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने पर प्रियांशु कुमार का चयन राज्य की अंडर 17 टीम में किया गया है। कक्षा 9 के छात्र प्रियांशु का चयन कर्नाटक में 25 से 29 नवम्बर तक होने वाली राष्ट्रीय विद्यालयी प्रतियोगिता के लिए उत्तराखंड की टीम में हुआ है। 21 नवम्बर को टीम देहरादून से रवाना होगी। प्रियांशु के चयन पर सभी ने उनको बधाई दी है।

गोनीयारों में जर्जर नौलों की मरम्मत की मांग

हल्द्वानी : ग्राम सभा गोनीयारों, ओखलकांडा में वर्षों से उपेक्षित पड़े प्राचीन पेयजल नौलों की जर्जर स्थिति से परेशान ग्रामीणों ने मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल को ज्ञापन भेजकर मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि ये नौलें कभी गांव की पेयजल व्यवस्था की रीढ़ थे, लेकिन रख-रखाव न होने से अब टूट-फूट चुके हैं। ज्ञापन देने वालों में हेमंत गौनिया, प्रेम गौनिया, होशियार गौनिया, मदन गौनिया, नारायण गौनिया, दिनेश गौनिया, डूंगर गौनिया, पान गौनिया, कुंदन गौनिया, केदार गौनिया रहे।

लौह पुरुष की 150 वीं जयंती वर्ष पर यूनिटी मार्च

सरदार वल्लभ भाई पटेल का भावपूर्ण स्मरण, लौह इच्छा शक्ति से भारत में मिलाईं 562 रियासतें

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

सरदार पटेल की 150 जयंती के उपलक्ष्य पर ऊंचापुल रामलीला मैदान से पदयात्रा निकालते विधायक बंशीधर भगत सांसद अजय भट्ट के साथ अन्य भाजपा कार्यकर्ता।

अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में यूनिटी मार्च निकाला। अंत में सभी ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी।

गुरुवार को ऊंचापुल स्थित रामलीला मैदान से विधायक बंशीधर भगत के नेतृत्व में यूनिटी मार्च निकाला गया। रामलीला मैदान में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर वंदे मातरम, भारत माता के जय के उद्घोष के साथ ब्लॉक, कठघरिया से मेन बाजार होते हुए रामलीला मैदान में सभा में तब्दील हो गया। विधायक भगत ने कहा कि सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात में हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका ऐतिहासिक थी लेकिन असली परीक्षा आजादी के बाद आई जब देश 562 से अधिक रियासतों में बंटा हुआ था। बिना हथियार उठाए सिर्फ दूरदर्शिता, कूटनीति और लौह इच्छाशक्ति से उन्होंने सभी रियासतों को भारत संघ में शामिल कर एक अखंड भारत का निर्माण किया। आज जिस एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बात करते हैं, उसकी नींव सरदार पटेल ने ही रखी थी। उन्होंने प्रेरणा दी कि देशहित सर्वोपरि है, व्यक्तिगत या क्षेत्रीय स्वार्थ कभी भी ऊपर नहीं हो सकते।

सांसद अजय भट्ट ने कहा कि सरदार पटेल सादगी, संकल्प और देशभक्ति की जीती-जागती मिसाल थे। एक साधारण वकील से लेकर प्रथम गृह मंत्री और उप-प्रधानमंत्री तक का सफर उन्होंने मेहनत और निष्ठा से तय किया।आज का यह यूनिटी मार्च हम सबकी ओर से सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि है। अंत में सभी ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। इस दौरान यूनिटी मार्च में मेयर गजराज बिष्ट, दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, रेनू अधिकारी, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, प्रताप बोहरा एवं नवीन भट्ट, कंचन उप्रेती, कमलेश पांडे, विक्रम जंतवाल, दीपू नेगी, संदीप सनवाल, दीपक सनवाल, प्रकाश पटवाल, महेश शर्मा, अक्षय सुयाल, दीप पाठक, सुरेश गौड़, अमित चौधरी, राजेश पंत, त्रिलोक निगलटिया, कल्पना बोरा, मीना सुयाल, निर्मला पाटनी, सौरभ बोहरा, मनोज जोशी, प्रमोद पंत आदि मौजूद रहे।

लालकुआं में निकाली 8 किमी. लंबी पदयात्रा

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती पर निकाले गए कम्युनिटी मार्च में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय लोगों ने लगभग साढ़े 8 किलोमीटर लंबी पदयात्रा में हाथों में तिरंगा लेकर बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल, जिला अध्यक्ष प्रताप बिष्ट और क्षेत्रीय विधायक डॉ. मोहन बिष्ट ने संयुक्त रूप से किया। गायत्री मंदिर से निकाली गई उक्त एकता यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा लिए लोगों को देख कर पूरा क्षेत्र देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के रंग में डूब गया। शोभायात्रा के दौरान एनसीसी कैडेटों, स्कूली बच्चों, भाजपा कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में मौजूद स्थानीय लोगों ने पदयात्रा को यादगार बना दिया। इस दौरान जगह-जगह पर क्षेत्रवासियों ने फूल-मालाओं से यात्रा का स्वागत किया।

एकता यात्रा में भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, हल्दूचौड़ मंडल अध्यक्ष रोहित दुम्का, बिंदुखत्ता मंडल अध्यक्ष नवीन पपोला, पान सिंह मेवाड़ी, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश खुल्बे, देवेन्द्र सिंह बिष्ट, महामंत्री राजकुमार सेतिया, बॉबी संभल, सरदार गुरदीप सिंह, विनोद श्रीवास्तव, विधायक प्रतिनिधि गोविंद सिंह राणा, उमेश शर्मा, श्रीकांत पांडे आदि रहे।

लालकुआं में कम्युनिटी मार्च में देशभक्ति से ओतप्रोत नारे लगाते समाजसेवी।

पुरुष कल्याण मंत्रालय बनाने की मांग

संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते एक समाज श्रेष्ठ समाज के लोग।

अमृत विचार: एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू व सदस्य खुशी नागर के नेतृत्व में संस्था के पदाधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस के अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुरुष आयोग और पुरुष कल्याण मंत्रालय बनाने का ज्ञापन सौंपा।

अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू और मार्गदर्शक मीना जोशी ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षा के लिए बनाए गए विशेष अधिकारों के कानूनों का कुछ लोग दुरुपयोग कर रहे हैं और निर्दोष पुरुषों को झूठे मामलों में फंसाकर आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई बार पुरुष अपने निर्दोष होने के प्रमाण देने के बावजूद न्याय नहीं पा पाते और झूठे मामलों के माध्यम से उनसे लाखों रुपए की मांग की जाती है। ऐसे में पुरुषों पर मानसिक तनाव बढ़ता है और कई बार वे आत्महत्या जैसी घटनाओं के लिए मजबूर हो जाते हैं। साथ ही उन्होंने मांग की कि सरकार पुरुषों के संरक्षण के लिए तुरंत पुरुष आयोग और पुरुष कल्याण मंत्रालय की स्थापना करे। इसके तहत झूठे मामलों में फंसे पुरुषों की क्षतिपूर्ति, अलग बजट का प्रावधान और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाए, ताकि पुरुष आत्महत्या जैसी घटनाओं से बच सकें। ज्ञापन देने वालों में संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू, कोषाध्यक्ष बलराम हालदार, मार्गदर्शक मीना जोशी, सुनीता तिवारी, शांति रावत, अलका टंडन, मनीष साहू, धरम पाल, आयुष नागर, पूजा जोशी, नमन तिवारी, धर्मेंद्र साहू, खुशी नागर, मुकेश साहू, मोनिका आर्या, एकता पाण्डेय, ममता खत्री रहे।

प्लास्टिक से बनाया जाएगा ईंधन

हल्द्वानी: कोटाबाग ब्लॉक स्थित राजीव गांधी नवोदय विद्यालय की कक्षा 8 की छात्रा आशना के नवाचार ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। बीते साल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी बाल वैज्ञानिक आशना ने प्लास्टिक वेस्ट से ईंधन बनाने की नई विधि पेश की।

उन्होंने बताया कि प्लास्टिक कचरे को एकत्र कर उच्च ताप पर गर्म किया जाए तो उससे निकलने वाली गैस को संघनित कर ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है। बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण और ऊर्जा संकट के बीच आशना का यह मॉडल एक पर्यावरण संरक्षण के विकल्प के रूप में सराहा गया। इधर, टिहरी जिले के भिलंगना ब्लॉक के बाल वैज्ञानिक अंशुल अन्थवाल ने ग्रेविटी बैटरी का अनूठा कॉन्सेप्ट प्रस्तुत किया।

कॉमनवेल्थ शतरंज में तेजस का अच्छा प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले तेजस।

अमृत विचार : मलेशिया के कुआलालंपुर में 8 से 17 नवंबर तक आयोजित कॉमनवेल्थ अंतरराष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप में शहर के होनहार नन्हे खिलाड़ी तेजस तिवारी ने शानदार प्रदर्शन किया। क्लासिकल फॉर्मेट के 9 राउंड में तेजस ने 5.5 अंक अर्जित किए और अपनी स्टैंडर्ड फिडे रेटिंग में 42 पॉइंट की जबरदस्त बढ़त की।

अंतिम मैच की हार के चलते वे पदक से मामूली अंतर से चूक गए, लेकिन टूर्नामेंट में उनका खेल प्रभावशाली रहा। वहीं, कॉमनवेल्थ ब्लिट्ज इवेंट में तेजस का धमाकेदार प्रदर्शन जारी रहा, जहां उन्होंने 48 रेटिंग पॉइंट बढ़ाते हुए अंडर–8 आयु वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया। 9 दिनों तक चले इस चैलेंजिंग टूर्नामेंट में तेजस ने दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को मात दी, जबकि बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और सिंगापुर के खिलाड़ियों से कड़े मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। कक्षा 2 में पढ़ने वाले तेजस दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल के छात्र हैं और मात्र 8 वर्ष की आयु में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर प्रदेश का नाम रोशन किया।

पहाड़ की डेमोग्राफी नहीं बदलने देंगे

हल्द्वानी : पहाड़ी आर्मी उत्तराखंड ने जिलाध्यक्ष फौजी राजेंद्र कांडपाल के नेतृत्व में सोमवार को शहर में बढ़ते अवैध अतिक्रमण, बाहरी लोगों के सत्यापन और प्राधिकरण की ओर से नक्शे पास करने के विरोध में ज्ञापन सौंपा। संगठन ने प्रशासन से मांग की कि शहर में अवैध कब्जेदारों को तुरंत हटाया जाए।

ज्ञापन में कहा गया कि कालाढूंगी रोड, बरेली रोड, रामपुर रोड, नैनीताल रोड और शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में बाहरी लोगों द्वारा किए अतिक्रमण के कारण रोजाना जाम की समस्या पैदा हो रही है। संगठन ने यह भी कहा कि बाहरी लोगों का सत्यापन आवश्यक है। साथ ही ऊंचापुल में नाले के पास अवैध रूप से पास किए गए आवासीय भवन के मानचित्र को लेकर भी सवाल उठाए। संगठन ने संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की

छात्रों ने प्रस्तुत किए विज्ञान मॉडल

संवाददाता, हल्द्वानी

खालसा स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा प्रदर्शित मॉडल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : खालसा नेशनल बालिका इंटर कॉलेज में एपीजे अब्दुल कलाम राज्य विज्ञान महोत्सव के द्वितीय दिवस के पहले सत्र में एमआईइटी कॉलेज की प्रधानाचार्या स्वप्ना वर्गीस ने सीपीआर डेमोन्स्ट्रेशन पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) शिव प्रसाद सेमवाल और निदेशक अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण उत्तराखंड वंदना गर्ब्याल उपस्थित रहे। दिन भर चले कार्यक्रम में रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी सहित सात जनपदों के प्रतिभागियों ने विज्ञान ड्रामा प्रस्तुत किए। उत्तरकाशी की टीम ने कल्पतरु की छांव में ग्रीन टेक्नोलॉजी विषय पर अपनी प्रस्तुति दी, वहीं, टिहरी जनपद ने विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं विषय को मंच पर प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। इसके अलावा डिजिटल इंडिया विषय पर प्रस्तुत हुए विज्ञान ड्रामा भी आकर्षण का केंद्र रहे। विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में प्रदेश के 13 जनपदों से आए बाल वैज्ञानिकों ने अपनी वैज्ञानिक समझ और तर्क क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि विज्ञान महोत्सव के प्रतिभागी विद्यार्थी देश के कर्णधार हैं और भविष्य में प्रदेश का नाम ऊंचा करेंगे। कार्यक्रम में जिला विज्ञान समन्वयक डॉ. दिनेश जोशी, जिला सह विज्ञान समन्वयक प्रदीप जोशी, डॉ. सोहन सिंह माजिला, डीके पंत, जितेंद्र अधिकारी, डॉ. कन्नू जोशी, पुष्पेश सांगा आदि मौजूद रहे।

आयुक्त को सौंपा 10 सूत्रीय ज्ञापन

हल्द्वानी, अमृत विचार : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष विशाल गर्ग के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने गुरुवार को राज्य कर से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य कर आयुक्त सोनिका को 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में व्यापारियों ने विभिन्न कर संबंधी दिक्कतों को रखते हुए शीघ्र निस्तारण की मांग की। ज्ञापन में उन्होंने जीएसटी रजिस्ट्रेशन सस्पेंड नहीं किए जाने, व्यापारियों के स्टॉक बकाया रहने पर टैक्स की स्पष्ट देयता निर्धारण, बिना बिल पकड़ी गई ट्रांसपोर्ट वाहनों में बिल वाले माल को तत्काल छोड़ने, ई-वे बिल में त्रुटि पर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र निस्तारण, बिल होने के बावजूद छोटे वाहनों को अनावश्यक नहीं रोकने की मांग की। इस पर आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान शिव कश्यप, मयंक मूर्ति भट्ट, योगेश भारद्वाज, अजय अरोड़ा, आदेश मारवाड़ी, मनोज सिरोही, प्रवीण शर्मा, विशाल सक्सेना, अनुज गुप्ता रहे।

कर आयुक्त सोनिका को ज्ञापन देते व्यापारी। ● अमृत विचार

पुलिया के चौड़ीकरण का कार्य शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

कृष्णकुंज कॉलोनी, वार्ड नंबर 37 में पुलिया के चौड़ीकरण में जुटे श्रमिक।

अमृत विचार: कृष्णकुंज कॉलोनी, वार्ड नंबर 37 में लंबे समय से लंबित पुलिया चौड़ीकरण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। पूर्व में यह संकरा रास्ता केवल मोटर बाइक के आवागमन के लिए ही उपयुक्त था, जिससे कॉलोनीवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कॉलोनी में कारें नहीं पहुंच पाती थीं और आकस्मिक स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं की एम्बुलेंस भी मोहल्ले तक नहीं आ पाती थी।

स्थानीय नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक सुमित हृदयेश से मुलाकात की। विधायक हृदयेश ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सिंचाई खंड हल्द्वानी के अधिशासी अभियंता से फोन पर वार्ता की और निर्देश दिए कि बरसाती नाले की खुदाई से लोगों को आ रही समस्या को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए तथा पुलिया के चौड़ीकरण का कार्य जल्द प्रारंभ किया जाए। विधायक के निर्देशों के बाद सिंचाई विभाग ने तीव्रता दिखाते हुए आज से पुलिया चौड़ीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। क्षेत्रवासियों ने विधायक और विभाग के अधिकारियों का आभार जताया है। आभार जताने वालों में मन्नू गोस्वामी, लाल सिंह बोरा, बच्ची सिंह बोरा, महेंद्र बोरा, दीपा गोस्वामी, विमला पड़लिया, ललित मेर, धना बिष्ट, ठाकुर सिंह, कमल किशोर, विजय पंत रहे।

महिला डिग्री कॉलेज में मिलेगी निशुल्क कोचिंग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में "सचनिदि" नाम से निशुल्क शैक्षिक मार्गदर्शन मुहिम की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाला मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है, जो आर्थिक कारणों से यूजीसी नेट और यूएसलेट की कोचिंग नहीं ले पाते हैं।

मुहिम के संयोजक डॉ. रितुराज पंत ने बताया कि कॉलेज में छात्राओं के साथ-साथ बाहरी इच्छुक अभ्यर्थियों को भी नेट-यूएसलेट परीक्षा की तैयारी करवाई जाएगी। यह अभियान विशेष रूप से उन युवाओं के लिए वरदान साबित होगा जो बड़े शहरों में जाकर तैयारी करने में असमर्थ हैं। प्रारंभिक चरण में चार शोध छात्राएं सुरभि चुघ (जेआरएफ), निकिता भट्ट (दो बार नेट उत्तीर्ण), चरनप्रीत कौर और दीक्षिता राणा (पीएचडी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण) मुहिम को आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में अगले साल जनवरी में प्रस्तावित नेट परीक्षा के प्रथम परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी।

कॉलेज की छात्राओं के लिए कैंपस में नियमित कक्षाएं चलेंगी, जबकि बाहरी अभ्यर्थियों के लिए गूगल मीट सहित अन्य ऑनलाइन माध्यमों से कक्षाएं उपलब्ध होंगी। प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने इस पहल की सराहना की। इस मौके पर डॉ. गीता पंत, डॉ. हिमानी, डॉ. प्रभा साह आदि उपस्थित रहे।

ज्योलीकोट समिति में आशा बनीं अध्यक्ष

हल्द्वानी: ज्योलीकोट नैनीताल बहुउद्देशीय किसान सहकारी सेवा समिति के चुनाव में आशा जीना को अध्यक्ष तथा इंद्र सिंह नेगी को उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना गया। इसके साथ ही बैंक प्रतिनिधि के रूप में राकेश मेहरा, धन सिंह जीना, प्रकाश आर्य, वीरेंद्र मेहरा, जुगल गिरी, दीपा मेहता और जया जीना निर्वाचित हुए।

इफ्को प्रतिनिधि हरीश वारियाल व भेषज संघ सदस्य के रूप में खीम सिंह तड़ागी और मीना को निर्विरोध चुना गया। संचालक पद पर कमल किशोर अधिकारी, दीपक कुमार और हरीश चन्द्र पांडे भी निर्विरोध चुने गए। ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान हरगोविंद रावत, भुवन जीना, पुष्कर जोशी, तारा सिंह जीना रहे।

फुटबॉल में नैनीताल बना चैंपियन

संवाददाता, हल्द्वानी

मिनी स्टेडियम में फुटबाल मैच में भिड़ते पिथौरागढ़ और ऊधमसिंह नगर के खिलाड़ी।

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्तरीय विद्यालयी शिक्षा फुटबॉल प्रतियोगिता (अंडर-17) में गुरुवार को नैनीताल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक व बालिका दोनों वर्गों में खिताब अपने नाम किया। पहले सेमीफाइनल में नैनीताल की टीम ने देहरादून को 2–1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में चंपावत ने अल्मोड़ा को 4–0 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

तृतीय स्थान के लिए हुए मुकाबले में देहरादून ने अल्मोड़ा को 5–0 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। फाइनल मुकाबले में नैनीताल ने चंपावत को हराकर हुए जीत दर्ज की और बालिका वर्ग की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं बालक वर्ग में उधम सिंह नगर ने पौड़ी को 1–0 से मात दी। नैनीताल ने हरिद्वार को 3–0 से पराजित किया, वहीं पिथौरागढ़ ने हरिद्वार को 2–0 से हराया। इसके बाद नैनीताल ने उधम सिंह नगर को 3–0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। चंपावत के खिलाफ हुए फाइनल में नैनीताल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और बालक वर्ग की ट्रॉफी भी अपने नाम की। गुरुवार को महेंद्र फर्सवाण, प्रकाश चंद्र आर्य, आनंद देव, अमित कांडपाल, वीरेंद्र सिंह, दिनेश कुमार सिंह, उमेश सिंह रावत, देवेन्द्र जीना, बाली सिंह राणा, भागवत, सुमित, मनोज कुमार, सुनील बिष्ट सहित कई निर्णायक मौजूद रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जिला खेल अधिकारी निर्मला पंत ने विजेता टीमों का ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया।

पुस्तकालयों के महत्व के बारे में जानकारी दी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड मुक्त विवि के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन गुरुवार को हुआ। समापन सत्र में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि पुस्तकालय मानव जीवन का आधार स्तंभ है।

उन्होंने आने वाले समय में पुस्तकालयों की बढ़ती उपयोगिता के बारे में भी बताया। मुख्य वक्ता प्रो. जयदीप शर्मा (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, इग्नू नई दिल्ली) ने पुस्तकालयों के मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर विचार रखे। प्रो. पीडी पंत ने कहा कि भारत में हर वर्ष 14 से 20 नवंबर तक मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का उद्देश्य पुस्तकालय और पुस्तकालयाध्यक्षों के योगदान को सम्मान देना है। प्रो. अरविंद भट्ट, निदेशक (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान) ने डॉ. एसआर रंगनाथन और अय्यंकी वेंकट रामनेया के पुस्तकालय विज्ञान में योगदान पर विचार रखे। संयोजक प्रीति शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में पुस्तक प्रदर्शनी, क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिक्षार्थियों को केंद्रीय पुस्तकालय, पंतनगर विवि का भ्रमण भी कराया। इस मौके पर प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. जीतेंद्र पांडे, प्रो. आशुतोष भट्ट, प्रो. गगन सिंह रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

जीते प्रत्याशियों को मिठाई खिलाते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

दिनेशपुर में बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व संचालक।

सहकारी समितियों के अध्यक्ष उपाध्यक्ष का स्वागत करते लोग। ● अमृत विचार

सहकारी समिति में भाजपा ने लहराया परचम

सितारगंज : सितारगंज के दोनों किसान सेवा सहकारी समिति में भाजपा ने परचम लहराया है। निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि दोनों समितियों में अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ है।दक्षिणी बहुद्देशीय सहकारी समिति से सौरभ अरोरा अध्यक्ष और मनिंदर कौर उपाध्यक्ष निर्वाचित हुई है। वहीं, उत्तरी दीर्घाकार बहुद्देशीय समिति से मुन्नी देवी अध्यक्ष और मदन लाल उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए है। बतातें चलें कि पहले भी साल 2013 से 2018 तक मुन्नी देवी अध्यक्ष रह चुकी हैं।

सहकारी समिति के चुनाव में भाजपा का बजा डंका

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर हुए निर्वाचित, विधायक शिव अरोरा ने विजयी उम्मीदवारों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विगत दिवस सहकारी समिति चुनाव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए चुनाव हुए। इसमें रुद्रपुर विधानसभा में आने वाली पांचों समिति में भाजपा के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने जीत दर्ज की है। वहीं विधायक शिव अरोरा ने जाफरपुर स्थित सहकारी समिति कार्यालय पर सभी निर्विरोध निर्वाचित समिति के अध्यक्ष व उपाध्यक्षों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जहां पंचायत से लेकर निकाय और हर छोटे बड़े चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराया है। वहीं आज सहकारी समिति के चुनाव में रुद्रपुर विधानसभा के तहत आने वाली पांचों समिति जिसमें बहुद्देशीय पूर्वी किसान सेवा सहकारी लिमिटेड बिगवाड़ा रुद्रपुर में अध्यक्ष पद पर जसवीर सिंह, उपाध्यक्ष मनमोहन यादव व कुलविंदर सिंह नामित सदस्य बने। इसी तरह बहुद्देशीय पश्चिमी रुद्रपुर सहकारी समिति पर अध्यक्ष माधुरी वर्मा, उपाध्यक्ष गुरबाज सिंह व राजीव शुक्ला नामित सदस्य बने। बहुद्देशीय साधन सहकारी समिति छतरपुर से अध्यक्ष निर्मला मौर्य, उपाध्यक्ष फकीर चंदोला व दीप नारायण मौर्य नामित सदस्य बने। बहुद्देशीय फौजी मटकोटा किसान सेवा सहकारी समिति पर अध्यक्ष ज्ञान सिंह चौहान, उपाध्यक्ष कुसुम धामा व नामित सदस्य जगसौरन मलिक बने। बहुद्देशीय साधन सहकारी समिति जाफरपुर में अध्यक्ष हरनीत कौर, उपाध्यक्ष चितरंजन व नरेश तपाली नामित सदस्य बने। इस अवसर पर गुरबाज दुमरा, मंडल अध्यक्ष जगदीश विश्वास, सचिन मुंजाल, कुलदीप फौजी, आयुष चिलाना, मनमोहन वाधवा, हरीश भट्ट, प्रीत ग्रोवर, पंकज बांगा, विपिन जल्होत्रा, गुन्नू चौधरी, मुकेश मंडल, विकास कुमार, सरदार चावला, गुरमुख सिंह, प्रीतम सिंह, मंजीत सिंह, दौलत राम, रामसेवक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बुके देकर निर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत करते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल।

ज्ञान सिंह फिर बने किसान सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष

रुद्रपुर : बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड फौजी मटकोटा में संपन्न हुए चुनाव में ज्ञान सिंह चौहान एक बार फिर निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उनके दोबारा निर्वाचित होने पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, ठाकुर जगदीश सिंह समेत कई लोगों ने फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। साथ ही उन्हें माता की चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। गुरुवार को स्वागत कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि ज्ञान सिंह चौहान को दोबारा निर्विरोध चुना जाना किसानों के विश्वास और उनकी कार्यशैली का प्रमाण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि चौहान आने वाले समय में भी किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए समिति को नई ऊंचाइयों में ले जाएंगे। वहीं अध्यक्ष दोबारा निर्वाचित ज्ञान सिंह चौहान ने सभी सदस्यों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे किसानों की समस्याओं के समाधान और समिति की प्रगति के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। साथ ही पारदर्शिता और सहयोग की भावना से संस्था को मजबूत बनाएंगे। इस अवसर पर कुंवर पाल सिंह, रघुराज सिंह, केशव शर्मा, देवेंद्र सिंह बामल, त्रिलोचन पनेरू, देवेंद्र सिंह बिष्ट, श्याम सिंह चौहान, ललित सिंह बिष्ट समेत कई लोग उपस्थित रहे।

दिनेशपुर समिति के करनदीप सिंह रंधावा निर्विरोध बने अध्यक्ष

दिनेशपुर : बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समिति लि .के करनदीप सिंह रंधावा अध्यक्ष व असीम मंडल उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। इस दौरान निर्वाचन अधिकारी सुभाष रयाल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारी व संचालकों को प्रमाण पत्र दिए। गुरुवार को निर्वाचन अधिकारी सुभाष रयाल के देखरेख में बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समिति के 11 नवनिर्वाचित व एक शासन द्वारा नामित संचालक की उपस्थिति में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। विजयी रहे प्रत्याशियों ने नगर में विजय जुलूस निकाला। इस मौके पर जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता त्रिनाथ विश्वास, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, कांग्रेस नेता गगनदीप सिंह रंधावा, दीपक मक्कड़, संचालक शिवा सिंह, सुनीता देवी, पुनीत गावा, गुरमुख सिंह, विमला विश्वास, सुमिति विश्वास, राधिका सरकार, गुरमीत सिंह, चौधरी ओमपाल सिंह व नामित संचालक रोहित मंडल, विकास सरकार आदि मौजूद रहे।

किच्छा में मंजू रावत बनीं निर्विरोध अध्यक्ष

● हंसराज अरोरा बने उपाध्यक्ष, सभी किसान समितियों में निर्विरोध चुनाव

संवाददाता, किच्छा

मंजू रावत, अध्यक्ष।

हंसराज अरोरा, उपाध्यक्ष।

अमृत विचार: नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता के चुनाव विधिवत संपन्न हो गए। सभी किसान सेवा सहकारी समितियों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित संचालक सदस्य निर्विरोध चुने गए।

दक्षिणी किच्छा किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड में मंजू रावत अध्यक्ष एवं हंसराज अरोरा उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। जबकि उधम सिंह नगर जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के महेंद्र सिंह, लक्ष्मण दास, मयंक कुमार तिवारी, रजब बानो, राजेश कुमार एवं महेंद्र सिंह निर्विरोध संचालक चुने गए। क्रय विक्रय समिति किच्छा में नंदलाल, सोमवती, मनप्रीत कौर एवं मनमोहन सक्सेना, पर्वतीय फल एवं साख संघ हल्द्वानी में मीना शर्मा, सहकारी चीनी मिल सितारगंज में मीना शर्मा, केंद्रीय उपभोक्ता भंडार हल्द्वानी में मोतीराम एवं राजेश यादव, उत्तर प्रदेश सेब फल सहकारी समिति कसियालेख में मीना वर्मा, कसियालेख फल क्रय विक्रय सहकारी समिति में कमलेश्वर गुप्ता, तराई विकास संघ में ललित एवं साहिल अरोड़ा, जिला सहकारी संघ लिमिटेड में मनोज कुमार एवं गफ्फार खान निर्विरोध संचालक चुने गए।

इसके अलावा नारायणपुर किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड में नरेंद्र ठुकराल अध्यक्ष एवं पुष्पा पाठक उपाध्यक्ष, पूर्वी किच्छा किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड बरा में अमरजीत कौर अध्यक्ष, हरीश कुमार उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। सहकारिता चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हुए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं संचालकों का उनके समर्थकों द्वारा फूल मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया और निर्विरोध निर्वाचन पर बधाई दी।

नानकमत्ता में विजयी प्रत्याशियों का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

नानकमत्ता और बिरिया में भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

नानकमत्ता : बहुउद्देशीय सहकारी समिति के चुनाव में आज नानकमत्ता और बिरिया में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी निर्विरोध चुन लिए गए। दिन भर चली गहमागहमी के बाद नानकमत्ता सहकारी समिति से प्रहलाद सिंह राणा तथा बिरिया सहकारी समिति से सुखविंदर सिंह को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। दोनों अध्यक्षों के निर्विरोध चुने जाने से काश्तकारों और भाजपा समर्थकों में खुशी है। निर्वाचित होते ही समर्थकों ने बैंड-बाजे बजाकर जश्न मनाया।

मोहन सिंह रावत को समिति का निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर स्वागत करते समर्थक।

शांतिपुरी किसान समिति में रावत बने निर्विरोध अध्यक्ष

शांतिपुरी : शांतिपुरी किसान सेवा सहकारी समिति में बोर्ड चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से शांतिपुरी नंबर तीन निवासी किसान एवं पूर्व सैनिक मोहन सिंह रावत को समिति का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही राधिका देवी को उपाध्यक्ष तथा 15 अन्य किसानों को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। इस दौरान प्रधान कविता तिवारी, दिग्विजय खाती, डायरेक्टर इंदर सिंह मेहता, विसन सिंह मेहरा, कमल ठठोला, ओम प्रकाश, पूरन सिंह कोरंगा, राम सिंह, विजेन्द्र जोशी, टीकम सिंह कोरंगा, एमएस धोनी, कैलाश जोशी आदि मौजूद रहे।

चारों सहकारी समितियों के पदाधिकारी निर्विरोध चुने

● दक्षिणी से तेजेंद्रपाल तो कंचनपुरी से गुरजीत कौर बनीं अध्यक्ष

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: विकासखंड की चारों बहुउद्देशीय दीर्घाकार सहकारी समितियों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। जिसमें दक्षिणी से तेजेंद्र पाल पाली, उत्तरी से रेखा बोरा, कंचनपुरी से गुरजीत कौर और झनकट से पुष्प देवी निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित की गई।

विकासखंड की दक्षिणी दीर्घाकार सहकारी समिति के लिए सदस्यों ने तेजेंद्र पाल सिंह पाली को निर्विरोध अध्यक्ष और गजेन्द्र राणा को उपाध्यक्ष चुना। अवसर पर समिति सचिव सुरेश सती, गुरपवन सिंह, चरणजीत सिंह, सुरेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, सुरजीत सिंह, सतपाल सिंह आदि रहे। वहीं उत्तरी सहकारी समिति के लिए रेखा बोरा अध्यक्ष और रश्मि राणा निर्विरोध निर्वाचित घोषित की गई। बहुउद्देशीय सहकारी समिति कंचनपुरी के लिए गुरजीत कौर को निर्विरोध अध्यक्ष और फूलचंद को उपाध्यक्ष चुना गया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता दान सिंह रावत, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, रविंद्र राणा, चरनजीत सिंह, पूर्व अध्यक्ष जसविंदर सिंह पप्पू, सोमनाथ मौर्य, महेंद्र पाल, सहकारी समिति सचिव जितेंद्र शर्मा तथा राजाराम आदि मौजूद रहे। जबकि झनकट सहकारी समिति के लिए पुष्पा देवी को अध्यक्ष और कश्मीर सिंह को निर्विरोध उपाध्यक्ष चुन गया।

खटीमा के दक्षिणी सहकारी समिति से निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए तेजेंद्र पाल पाली के साथ समर्थक। ● अमृत विचार

सहकारी समिति चुनाव में भाजपा का दबदबा

● कृष्ण पद मंडल अध्यक्ष एवं बाबूराम मंडल निर्विरोध उपाध्यक्ष बने

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार: शक्तिफार्म किसान सेवा सहकारी समिति के चुनाव में भाजपा का ही दबदबा रहा। भाजपा नेता निर्मल नगर निवासी कृष्ण पद मंडल अध्यक्ष एवं बैकुंठपुर निवासी बाबूराम मंडल निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए।

चुनाव अधिकारी पूरन सिंह यादव और सहायक चुनाव अधिकारी संजीव कुमार सिंह की देखरेख में, चुनाव प्रक्रिया में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष सहित अन्य पदों पर एक एक प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया।जिस कारण इन पदों पर मतदान की नौबत नहीं आई। नामांकन अवधि के बाद चुनाव अधिकारी ने अध्यक्ष पद पर कृष्ण पद मंडल, उपाध्यक्ष बाबूराम मंडल और संचालकों के पद पर कमला मंडल, राधा नेगी, वासना रानी, शैल देवी, उमेश तिवारी, प्रेम फर्त्याल, नेपाल सरकार, निर्मल मंडल और तरुण बैरागी के नाम की घोषणा की। इसके अतिरिक्त छह जिला सहकारी बैंक प्रतिनिधि, छह क्रय विक्रय सदस्य, दो तराई विकास संघ सदस्य और दो केंद्रीय उपभोक्ता भंडार सदस्य भी निर्विरोध चुने गए। जिसके पश्चात भाजपाइयों ने नगर में विजय जुलूस निकालकर जश्न मनाया। इस मौके पर गोविंद तालुकदार, संजय बाछाड़, रमेश राय, रविंद्र विश्वास, मयंक अग्रवाल,तारक मंडल, प्रभाकर राय, मुकुंद मंडल, राजेंद्र डसीला, राकेश सिंह, विक्रम भंडारी, शंकर गोलदार, कल्याणी सरकार, अमल मंडल आदि मौजूद थे।

अध्यक्ष बने कृष्णपद मंडल व अन्य पदाधिकारी। ● अमृत विचार

नेटबॉल चैंपियनशिप के लिये ट्रायल 23 नवंबर को

काशीपुर : नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ ऊधमसिंह नगर के जनरल सेक्रेटरी अमित घिल्डियाल ने बताया कि आगामी 29 एवं 30 नवंबर 2025 को ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल ऋषिकेश देहरादून में नेटबॉल सीनियर स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन होना है। जिसमें ऊधम सिंह नगर की बालक एवं बालिका वर्ग की टीम को प्रतिभाग करने के लिए जिला स्तरीय टीम का चयन एवं ट्रायल आगामी 23 नवंबर दिन रविवार को द संस्कार स्कूल काशीपुर में सुबह 10 बजे से लिया जाएगा। ऊधम सिंह नगर के सेक्रेटरी अमित घिल्डियाल ने नेटबॉल के सभी खिलाड़ियों को अवगत करते हुए बताया कि यह चयन प्रक्रिया जिले के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम तिवारी के दिशा निर्देशों में किया जाएगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से अपना आधार कार्ड एवं दो फोटो के साथ चयन प्रक्रिया में भाग लेने को कहा है।

कार्यालय, जिला पंचायत अल्मोड़ा

पत्रांक: 1495/निविदा/2025-26 दिनांक: 20 नवम्बर 2025

निविदा निरस्तीकरण संबंधी सूचना

जिला पंचायत कार्यालय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि कार्यालय के पत्रांक 1350 दिनांक 06 नवम्बर 2025 द्वारा प्रकाशित विभिन्न मदों के अन्तर्गत कमांक 01 से 04 तक स्वीकृत पंचायत घरों के निर्माण संबंधी निविदायें अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है। उक्त योजनाओं की निविदायें पुन: आमंत्रित की जायेगी।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, अल्मोडा

चुनाव

सितारगंज ब्लॉक में सबसे अधिक 71 .96 और खटीमा ब्लॉक में सबसे कम 65 .38 प्रतिशत मतदान

यूएस नगर के सात ब्लॉकों में हुआ 68 .54 प्रतिशत मतदान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ऊधमसिंह नगर जनपद में ग्राम पंचायत सदस्यों के रिक्त पदों के लिए मतदान हुआ। इस दौरान जनपद के सातों ब्लॉकों में 68.54 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे अधिक सितारगंज ब्लॉक में 71.96 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सबस कम खटीमा ब्लॉक में 65.38 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान जनपद में 19792 मतदाताओं से 13566 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

गुरुवार को सुबह 8 बजे से जनपद के सभी 85 मतदान केंद्रों में ग्राम पंचायत सदस्यों के रिक्त 109 पदों के लिए मतदान की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी। इस दौरान मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह देखा गया। सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्रों मतदाताओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गयी थी। सायं 5 बजे तक मतदान संपन्न हुई। इस दौरान जनपद में 68.54 प्रतिशत मतदान हुआ।

यहां बता दें कि जनपद में मतदाताओं की संख्या 19792 थी। इसमें महिला मतदाताओं की संख्या 9674 और पुरुष मतदाताओं की संख्या 10118 थी। इसमें 13566 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें 7024 महिला और 6542 पुरुष मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंचस्थानि चुनावालय कौस्तुभ मिश्रा ने बताया कि जनपद के सभी 85 मतदेय स्थलों में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए।

बिंदुखेड़ा राजकीय प्राथमिक विद्यालय बूथ पर मतदान से पूर्व पहचान पत्र दिखाते मतदाता। ● अमृत विचार

मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच रखा स्ट्रांग रूम में

रुद्रपुर : उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंचस्थानि चुनावालय कौस्तुभ मिश्रा ने बताया कि जिले में मतदान के लिए 85 पोलिंग पार्टियां मतदेय स्थलों को भेजी गयी थी। 5 बजे मतदान संपन्न होने के बाद मतपेटियों को सभी ब्लॉकों में बने स्ट्रांग रूम में पुलिस सुरक्षा के बीच रख दी गयी हैं। उन्होंने बताया कि 22 नंवबर को सुबह 8 बजे से मतगणना होगी जो कार्य समाप्ति तक चलेगी।

कहां कितना हुआ मतदान

ब्लॉक	मतदेय स्थल	मतदान प्रतिशत
खटीमा	04	65 .38
सितारगंज	13	71.96
रुद्रपुर	12	70 .45
गदरपुर	09	65 .73
बाजपुर	19	69 .47
काशीपुर	15	66 .61
जसपुर	13	68 .24
कुल	85	68 .54

वार्ड सदस्य के लिये शांतिपूर्ण हुए मतदान

काशीपुर : वार्ड सदस्य के पदों के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुए। मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गए। 22 नवंबर को मतगणना होगी। बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हुआ। दोपहर तीन बजे तक मतदान केंद्र पर बेहद कम मतदान हुआ। शाम चार बजे के बाद मतदान केंद्रों पर मतदाता पहुंचे। शाम को एक घंटे की भीतर मतदान केंद्रों पर मतदान पर तेजी आई। बीडीओ कमल किशोर पांडे ने बताया कि सेक्टर मजिस्ट्रेट के अनुसार, शाम पांच बजे तक 66 .6 फीसदी मतदान हुआ। 4403 मतदाताओं में से 2700 ने मतदान किया। बता दें कि 19 ग्राम पंचायत के मानपुर, धनौरी, पैगा, धीमरखेड़ा, रजपुरा रानी, प्रतापपुर, ढकिया कला, जगतपुर, कुंडेश्वरी में 15 पोलिंग बूथों पर मतदान हुआ। मतदान कराने के बाद ब्लॉक परिसर में बने स्ट्रांग रूम में मतपेटियों को रखा जा रहा है। यहीं पर 22 नवंबर को ब्लॉक में ही मतगणना होगी। नौ ग्राम पंचायतों के 19 वार्ड में 41 उम्मीदवारों में चुनाव में है।

ब्रीफ न्यूज

व्हाट्सएप के लिंक पर क्लिक करते ही 1.20 लाख साफ

काशीपुर : व्हाट्सएप के लिंक पर क्लिक करने पर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के खाते से तीन बार में करीब 1 लाख 20 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बाजपुर रोड स्थित केशवपुरम कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने आईटीआई थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 अगस्त 2025 को उसके बड़े भाई के मोबाइल नंबर पर एक अनजान व्यक्ति ने व्हाट्सएप लिंक भेजा, जिसे क्लिक करने पर उसके खाते से तीन बार में एक लाख 20 हजार 469 रुपये निकल गए। इसकी शिकायत ऑनलाइन साइबर क्राइम में दर्ज कराई गई है।

खरीदारी करने बाजार गई महिला लापता

सितारगंज : सामान खरीदने बाजार गई महिला लापता हो गई। मामले में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर महिला की खोजबीन शुरू कर दी है। गांव ड्योढ़ार निवासी महिला ने बताया कि सात साल पहले उसने अपनी पुत्री का विवाह मीरगंज (बरेली) निवासी युवक से कराया था। बताया कि 22 अक्टूबर को उसकी पुत्री मायके यानी ड्योढ़ार आई थी। अगले दिन वह खरीदारी के लिए सितारगंज बाजार गई थी। देर तक घर न पहुंचने पर परिजनों को उसकी चिंता हुई तो उसकी खोजबीन शुरू की। आसपास नाते-रिश्तेदारों में भी काफी खोजबीन की लेकिन उसका पता नहीं चला।

24 से 27 नवम्बर तक नशा-मुक्ति मिशन

टनकपुर : सेवा संकल्प धारिणी फाउंडेशन की फाउंडर ट्रस्टी गीता धामी ने बताया कि फाउंडेशन जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करने तथा पहाड़ के युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के संकल्प के साथ स्वास्थ्य, सामाजिक विकास एवं जन-जागरूकता पर आधारित विविध कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इसी क्रम में फाउंडेशन द्वारा 25 नवंबर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बनबसा और 26 नवंबर को सिप्टी सैंदर्क, चम्पावत में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिनमें अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श तथा नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया जाएगा। युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से बचाने और समाज को जागरूक करने के लिए फाउंडेशन द्वारा 25 नवंबर को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग कॉलेज, टनकपुर तथा 27 नवंबर को सोबन सिंह जीना परिसर, चम्पावत में नशा-मुक्ति जन-जागरूकता सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। सीएम की पत्नी गीता धामी 24 से 27 नवंबर तक जनपद चम्पावत में प्रवास कर उपरोक्त कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगी।

आईटी एक्ट के दोषी को तीन साल का कारावास

संवाददाता, रुद्रपुर

- फेसबुक पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी, न्याजिक मजिस्ट्रेट ने सुनाया फैसला

अमृत विचार: न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के खिलाफ फेसबुक पर आपत्तिजनक और अमर्यादित टिप्पणी के दोषी को तीन वर्ष का कारावास की सजा सुनाई गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

एडीजीसी बसंती गिरि ने बताया कि प्रथम अपर सिविल जज कार्यालय में तैनात लिपिक राजीव ठाकुर ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया था कि वर्ष 2020 में बिलासपुर चीनी मिल बिलासपुर यूपी व तत्कालीन वक्त में रहने वाले कल्याणी व्यू रुद्रपुर निवासी हरजीत सिंह ने फेस बुक आईडी पर न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के खिलाफ अमर्यादित व आपत्तिजनक टिप्पणी डालकर वायरल की थी। अभियुक्त वर्ष 2022 तक सोशल मीडिया का दुरुपयोग करता रहा। कई बार नोटिस व हिदायत देने के बाद भी जब कोई सुधार नहीं आया तो प्रकरण की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट रिजवान अंसारी की अदालत में शुरू हुई। जहां एडीजीसी बसंती गिरी ने अदालत के सामने आठ गवाह पेश किए और सोशल मीडिया कर दुरुपयोग करना सिद्ध कर दिया। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने आईटी एक्ट के दोषी हरजीत सिंह को तीन वर्ष का कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड देने की सजा सुनाई।

एक समिति में चुनावी प्रक्रिया अपनानी पड़ी, द्वितीय किसान सेवा सहकारी समिति में लखविंदर कौर अध्यक्ष बने

बाजपुर की पांच समितियों में निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: छह सहकारी समितियों में देर सायं तक गहमागहमी के बीच नए बोर्ड गठन की प्रक्रिया शांति पूर्वक संपन्न हो गई है, जिसमें पांच समितियों में आम सहमति से निर्विरोध अध्यक्ष व उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं, जबकि एक समिति में चुनावी प्रक्रिया अपनानी पड़ी है।

विकासखंड क्षेत्र बाजपुर की छह सहकारी समितियों में दस नवंबर को शुरू हुई चुनावी प्रक्रिया गुरुवार को नए बोर्डों के अस्तित्व में आने के साथ पूरी हो गई। देर सायं तक चली चुनावी प्रक्रिया में द्वितीय किसान सेवा सहकारी समिति में लखविंदर कौर अध्यक्ष व हरजीत सिंह उपाध्यक्ष, फौजी कालोनी साधन सहकारी समिति में भाकियू

बाजपुर में विजयी पदाधिकारियों को फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत करते उत्साहित समर्थक। ● अमृत विचार

के प्रदेश उपाध्यक्ष किसान नेता अजीत प्रताप सिंह रंधावा अध्यक्ष व दर्शन सिंह उपाध्यक्ष, बन्नाखेड़ा सहकारी समिति में दिलप्रीत कौर अध्यक्ष व रामकली देवी उपाध्यक्ष, केलाखेड़ा में कलावती नेहरा अध्यक्ष व प्रिया कंबोज उपाध्यक्ष, बरहैनी दीर्घाकार बहुद्देश्यीय सहकारी समिति में सतवंत कौर को अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया, जबकि बरहैनी समिति में उपाध्यक्ष पद पर किसी भी संचालक ने दावेदारी नहीं की, जिसके चलते अभी यह पद रिक्त है। वहीं प्रथम किसान सेवा सहकारी समिति में बोर्ड गठन के लिए मतदान की प्रक्रिया को पूर्ण करना पड़ा, जिसमें नईम अहमद निर्वाचित हुए। इस समिति में गुरमीत सिंह को निर्विरोध उपाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं समर्थकों द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। बताते चलें कि अधिकांश सीटों पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी ही अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं, जिसके चलते उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी, भाजपा नेता राजेश कुमार, मेजर सिंह, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अविनाश शर्मा, जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र शर्मा, गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब के पूर्व अध्यक्ष जसविंदर सिंह गिल ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है। वहीं बन्नाखेड़ा में दिलप्रीत कौर व फौजी कालोनी में अजीत प्रताप सिंह रंधावा के अध्यक्ष बनने पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बाजपुर के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा, किसान नेता जगतार सिंह बाजवा, भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा आदि ने बधाई दी है।

शादी में गया परिवार, चोरों ने 5 लाख के जेवर सहित सामान किया साफ

तीन दिनों के लिए एक विवाह समारोह में शामिल होने रिश्तेदारी गया हुआ था परिवार

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 2, आजाद नगर निवासी बबलू गंगवार के आवास पर चोरों ने धावा बोलकर लाखों रुपये की चोरी को अंजाम दिया। यह वारदात तब हुई जब बबलू गंगवार का पूरा परिवार तीन दिनों के लिए एक विवाह समारोह में शामिल होने रिश्तेदारी गया हुआ था।

बुधवार देर शाम जब परिवार घर लौटा और मुख्य द्वार का ताला खोलकर अंदर गया, तो घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त देखकर उनके होश उड़ गए। चोरों ने कमरों के ताले तोड़ने के साथ ही डबल बेड के लॉकर और अलमारी के लॉकर भी तोड़ दिए थे। गृह स्वामी बबलू गंगवार और उनकी पत्नी राजवती गंगवार ने बताया कि चोरों ने 55 हजार रुपये की नगदी के साथ सोने के कुंडल, मंगलसूत्र, और चांदी की पायल सहित करीब 32 तोले के चांदी के जेवर चुरा लिए। इसके अलावा, चोर 32 इंच का एलसीडी टीवी, 4 स्पीकर सेट, और 5 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन जैसे कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान भी ले गए। चोरी गए माल की कुल कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी गई है। सूचना मिलने पर दरऊ चौकी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। गुरुवार सुबह पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने और माल बरामद करने का आश्वासन दिया है। इस घटना से कॉलोनी वासियों में भय का माहौल है और उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

किच्छा में बिखरा सामान देखते पीड़ित गृह स्वामी व अन्य लोग। ● अमृत विचार

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए तीन संदिग्ध युवक

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत वार्ड 2 में हुई चोरी की वारदात के मामले में पुलिस के हाथ अहम सुराग लग गए हैं। घटनास्थल के निकट पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच के दौरान तीन संदिग्ध बाइक सवार युवक फुटेज में कैद हुए हैं, जो कि रात्रि करीब 2 बजे घटना को अंजाम देने के बाद फरार होते दिखाई दे रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक घर के बाहर पहरेदारी करता नजर आ रहा है, जबकि दो युवकों द्वारा घर के गेट के ऊपर से अंदर प्रवेश करने के बाद पूरे घर की इत्मीनान से तलाशी लेकर वारदात को अंजाम दिया गया।

लोहे की रॉड से लॉकर

चोरों ने लोहे की रॉड से अलमारी का लॉक तोड़ने के बाद अलमारी के लॉकर का पूरा दरवाजा ही तोड़कर अलग कर दिया तथा लॉकर में रखी नगदी एवं कीमती जेवर चुरा लिए। चोरों ने बबलू गंगवार की पुत्री के स्कूल बैग की पाठ्य सामग्री बाहर निकालने के बाद उसमें कीमती सामान रखा और मौके से फरार हो गए।

पत्नी एवं दो पुत्रियों की गोलक भी ले गए चोर

पीड़ित बबलू गंगवार ने बताया कि उनकी दोनों पुत्री तथा पत्नी राजवती द्वारा कई सालों से मिट्टी की गोलक में बचत कर धनराशि एकत्रित की जा रही थी। राजवती के अनुसार तीनों गोलक पूरी तरह से पैसों से भर चुकी थी। चोरों ने राजवती की गोलक तोड़कर सारे पैसे निकाल लिए। जबकि दोनों पुत्रियों की दोनों गोलक अपने साथ लेकर चले गए। दोनों गोलक के चोरी होने के बाद बबलू गंगवार की दोनों पुत्रियां मायूस नजर आई।

सिर में दर्द के बाद विवाहिता की मौत

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक महिला की मौत को संदिग्ध मनाते हुए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि बीती रात्रि विवाहिता के सिर में तेज दर्द हो गया था और जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। विवाहिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार ट्रांजिट कैंप के विवेकनगर की रहने वाली 27 वर्षीय चंचल का विवाह चार साल पहले शिवम नाम के युवक के साथ हुआ था। ढाई साल पहले विवाहिता को अचानक सिर में दर्द होने की शिकायत हुई और विवाहिता का उपचार प्रारंभ हुआ। बुधवार की देर रात्रि अचानक पुनः चंचल के सिर पर असहनीय दर्द हुआ तो परिवार के लोग आनन फानन में जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और मौत को संदिग्ध मानते हुए शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। उधर, थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में यह पता चला कि विवाहिता के अक्सर सिर पर दर्द होता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

औद्योगिक स्मार्ट सिटी के लिए किया निरीक्षण

किच्छा के खुरपिया फॉर्म में निरीक्षण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: किच्छा के हल्द्वानी मार्ग स्थित खुरपिया फार्म में औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजना को गति देने के लिए उद्योग सचिव विनय शंकर पांडे और सिडकुल के महाप्रबंधक सौरभ गहरवार सहित वरिष्ठ अधिकारियों की टीम ने आज स्थलीय निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने खुरपिया फार्म की 1002 एकड़ भूमि पर बनने वाली औद्योगिक स्मार्ट सिटी के बुनियादी ढांचे के विकास की रूपरेखा तैयार की। इसके साथ ही, पराग फार्म की 1354 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित सिडकुल के विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया गया।

यह परियोजना केंद्र सरकार के अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे का हिस्सा है, जिसमें लगभग 28,602 करोड़ रुपए का निवेश अनुमानित है। यहां कुल 12 परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनसे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

निरीक्षण दल में उद्योग सचिव और सिडकुल महाप्रबंधक के साथ उप जिलाधिकारी गौरव पांडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। अधिकारियों ने किच्छा को एक संपन्न औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की बात दोहराई।

15 लाख का सिल्वर डस्ट मंगाया, कट्टों में मिला बालू

संवाददाता, रुद्रपुर

- फिरोजाबाद के व्यापारी से धोखाधड़ी
- कारोबारी ने एसएसपी को सौंपा शिकायती पत्र

अमृत विचार: फिरोजाबाद यूपी के रहने वाले एक कारोबारी को सिल्वर डस्ट का सौदा कर लाखों रुपये का बालू भेजने का मामला सामने आया है। कारोबारी ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर धोखाधड़ी किए जाने का आरोप लगाया। पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

गुरुवार को एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में कटरा पठानान फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश निवासी अमन आदिल ने बताया कि 18 नवंबर को उसका दोस्त उसे रुद्रपुर स्थित जाफरपुर दिनेशपुर लेकर आया और दो व्यक्तियों से मुलाकात कराई। जहां आरोपियों ने उसे सिल्वर डस्ट दिखाया और शाम के वक्त सिल्वर डस्ट का सौदा 15 लाख रुपये में तय हुआ और तत्काल 14 लाख कैश व एक लाख रुपये यूपीआई के माध्यम से भुगतान हुआ।

साथ ही आरोपियों ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही कट्टों के माध्यम से सिल्वर डस्ट डिलीवरी कर दी जाएगी। फिरोजाबाद पत्ते पर जब डिलीवरी आई तो कट्टों को खोला गया तो सिल्वर डस्ट के स्थान पर बालू यानि रेता भरा हुआ था। जिसे देखकर बहुत हैरानी हुई और तत्काल आरोपियों को कॉल भी की, लेकिन सभी के मोबाइल फोन बंद आने लगे। कारोबारी अमन आदिल ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय जाकर एसएसपी मणिकांत मिश्रा से मुलाकात की और शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का मुद्दा उठाया। पुलिस ने मामले की जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

युवक सड़क किनारे घायलावस्था में पड़ा मिला

बाजपुर : नगरीय क्षेत्र में बुधवार रात एक युवक सड़क किनारे गंभीर रूप से घायलावस्था में पड़ा मिला। बेहोशी की हालत में मिले युवक को राहगीरों की मदद से 108 एंबुलेंस वाहन सेवा के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना रात करीब साढ़े सात बजे की है। कुछ लोगों ने रामराज रोड पर सड़क किनारे एक युवक को अचेत अवस्था में पड़े देखा। उसके शरीर पर चोटों के निशान थे और वह बेहोशी की हालत में था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस टीम ने उसे तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में युवक की पहचान बाजपुर निवासी 22 वर्षीय सन्नी सिंह के रूप में हुई। मेडिकल टीम के अनुसार युवक नशे की हालत में था और उसे गंभीर चोटें आई थीं। प्रारंभिक उपचार के उपरांत उसकी स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

शादी का सामान लेने गए चाचा की हादसे में मौत

संवाददाता सितारगंज

गुरदेव सिंह (फाइल)।

अमृत विचार : भतीजे की शादी का सामान लेने बाजार आए चाचा की घर लौटते वक्त सड़क हादसे में मौत हो गई। वहीं, हादसे की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। शादी की सारी खुशियां मिनटों में मातम में बदल गईं। इधर, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया है।

गांव सिसई खेड़ा निवासी गुरदेव सिंह (41) पुत्र दायल सिंह अपने भतीजे की शादी का सामान लेने के लिए सितारगंज बाजार आया था। सामान लेकर वह बाइक से वापस घर लौट रहा था। तभी एचडीएफसी बैंक के पास वह एक वाहन की टक्कर से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गया। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। उसे उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सितारगंज अस्पताल में परिजनों को ढांढस बांधते पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा।

परिजनों ने बताया कि शादी के माहौल में सारा परिवार घर में इकट्ठा हुआ है। घर में पार्टी चल रही थी। शुक्रवार को नानकमत्ता बारात जानी थी। गुरुदेव शादी का सामान लेने के लिए बाजार गया था। तभी हादसे की खबर आई। हादसे की खबर ने शादी की सारी खुशियों को मिनट में मातम में बदल दिया। उन्होंने बताया कि गुरुदेव कि गांव से सिसई खेड़ा में मिठाई की दुकान है। उसके परिवार में उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं। इधर, नानकमत्ता के पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

हादसों में दो घायल

बाजपुर : सड़क हादसों में बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। ग्राम हरिपुरा हरसान निवासी 30 वर्षीय राहुल बाइक से कहीं जा रहा था। इसी बीच बुधवार की देर रात करीब दस बजे बन्नाखेड़ा मार्ग पर बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं एक अन्य सड़क हादसे में 60 वर्षीय कमला पत्नी करन घायल हो गई।

दुखद

जमीन के छिनने के बाद अब छत भी छिनने का है डर, 45 वर्षों से निवास कर रहे हैं पीड़ित

दर्द व डर के साए में प्रहलाद पल्सिया के प्रभावित परिवार

मुकेश कुमार, शक्तिफार्म

अमृत विचार : प्रहलाद पल्सिया के 6 परिवार दर्द व डर के साए में दिन एवं रात बिताने को मजबूर है। एक्वा पार्क के लिए आवंटित भूमि पर काबिज लोगों के जमीन को कब्जा मुक्त किए जाने के पश्चात अब, ये परिवार बेघर होने के कगार पर हैं। पीड़ितों का कहना है कि जमीन तो पहले ही छीन ली गई, अब उनके घरों पर भी बुलडोजर चलाने का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्व विभाग ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत, वर्ष 2022 में राज्य स्तरीय इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क एवं फिश मार्केट निर्माण के लिए, करीब 40 एकड़ भूमि मत्स्य विभाग को हस्तांतरित की थी। विभाग ने पहले तो भूमि को अपने कब्जे में लिया।अब उक्त भूमि पर बने घरों को भी हटाने की कार्रवाई शुरू की गई थी जो की भारी विरोध के पश्चात विभाग को कार्रवाई रोकनी पड़ी थी। पीड़ित परिवारों का कहना है कि वह सभी परिवार विगत 45 वर्षों से निवास कर रहे हैं। उन्हें बिजली, पानी समेत तमाम सरकारी सुविधाएं भी मिलती रही हैं, मतदाता सूची में उनका नाम भी दर्ज हैं। 2021 तक भूमि कृषि भूमि में दर्ज थी, परंतु 2022 में बंजर भूमि में दर्ज किया गया। पीड़ित बसंती राय ने कहा कि एक षड्यंत्र के तहत पहले तो उनकी जमीनों को छीना गया, अब उनके घरों पर भी बुलडोजर चलाने का प्रयास किया जा रहा है। जिस कारण अब वे बेघर होने के कगार पर हैं।

धरना प्रदर्शन के दौरान अपना दर्द बयां करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

आठवें दिन भी धरना प्रदर्शन जारी

शक्तिफार्म : पुनर्वास की मांग को लेकर आठवें दिन भी धरना प्रदर्शन जारी है। अधिकारियों से वार्ता के पश्चात भी कोई समाधान नहीं हो सका। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे उद्योग के विरोध में नहीं है, लेकिन पीड़ित परिवारों को हटाने से पहले उनका पुनर्वास करते हुए, पीड़ित परिवारों को दो एकड़ जमीन, नौकरी और आवास दिया जाए। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश सचिव नवतेज पाल सिंह, पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे, नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल, उत्तम आचार्य, हसनैन मलिक, सुकुमार चक्रवर्ती, बसंती राय, वंदना मंडल, लतिका विश्वास, अंजलि सरकार, संध्या राय, दिव्या राय, जयंती मंडल, प्रियंका मंडल आदि मौजूद रहे।

आपसी बात को लेकर दो पक्षों में मारपीट

बाजपुर : आपसी बात को लेकर दो पक्षों में गाली-गलौज के साथ ही मारपीट हो गई और जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें तीन मां-बेटी घायल हो गईं। घायलों को पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पक्ष ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम कनौरा निवासी इरफान हुसैन ने पुलिस को बताया कि बुधवार की रात करीब सात बजे गांव के ही चार-पांच लोगों ने बेवजह गाली-गलौज करते हुए शराब के नशे में उसके परिवार पर हमला कर दिया और पत्नी जैबुल निशा, पुत्री शबनम और मुस्कान के साथ मारपीट की, जिसमें सभी घायल हो गए। इरफान ने बताया कि उसकी पत्नी की हालत गंभीर होने पर उसे सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी में भर्ती कराया गया है। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला किया, जिससे वह बाल-बाल बचा। हमले के दौरान उसकी पत्नी के कान की बालियां भी गिर गईं।

काशीपुर में रोटरी सर्कल से टकराया ट्रक। ● अमृत विचार

फ्लाईओवर में रोटरी सर्कल से टकराया ट्रक, जाम लगा

काशीपुर : शहर का एमपी चौक फ्लाईओवर लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। लंबे इंतजार के बाद तैयार हुए इस फ्लाईओवर पर हादसों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात एक बड़ा हादसा होने से बच गया, जब तेज रफ्तार से आ रहा रेत से भरा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सीधे रोटरी सर्कल में जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रोटरी सर्कल का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ट्रक, चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सुबह क्रेन की मदद से ट्रक को हटवाया। हादसे के कारण फ्लाईओवर पर भारी जाम लग गया, जिससे राहगीरों एवं वाहन चालकों को लंबी देर तक परेशानी का सामना करना पड़ा। गनीमत यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, अन्यथा तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहन बड़ा नुकसान पहुंचा सकता था।

आध्यात्मिक व एकता की भूमि

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली: नाथ नगरी

नाथ कॉरिडोर से पर्यटन नक्शे पर बरेली को मिलेगी आध्यात्मिक नगरी की पहचान

जहां अलख निरंजन की गूंज आज भी सुनाई देती है

- बरेली का नाम लेते ही बहुतों के मन में सबसे पहले "नाथ नगरी" की छवि उभरती है। कहा जाता है कि इस नगर की आत्मा शिव में बसती है। यहाँ की हवा में भभूती की महक है, और गलियों में हरदम किसी योगी के कदमों की आहट सुनाई देती है। वैदिक काल से चली आ रही परपंरा अलखनाथ मंदिर इसकी गवाही दे रहा है। बरेली का अलखनाथ मंदिर केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि वैदिक युग की आस्था, योग-परंपरा और नागा साधुओं की साधना-भूमि का जीवंत प्रतीक है। मान्यता है कि यह 6500 वर्ष पुराना है। यदि इसे 6500 वर्ष पुराना माना जाए, तो यह काल लगभग 4475 ईसा पूर्व या विक्रम संवत 4532 के आसपास आता है। यह वही समय था जब प्रारंभिक वैदिक सभ्यता (सप्तसिंधु क्षेत्र) में यज्ञ, वेद पाठ और शिव-अग्नि-सूर्य उपासना का आरंभिक रूप प्रचलित था। उस युग में पूजा के केंद्र प्रकृति आधारित होते थे यानि बरगद, पीपल और यज्ञ कुंड के रूप में। अलखनाथ मंदिर का प्रमुख प्रतीक बड़ (बरगद) के नीचे स्थित शिवलिंग इसी वैदिक परंपरा की निरंतरता का संकेत देता है। इससे यह स्थल वैदिक युग की प्राकृतिक देव-उपासना परंपरा और आधुनिक मंदिर पूजा प्रणाली के बीच एक सेतु प्रतीत होता है।
- बरेली के पुराने हिस्से में जब आप अलखनाथ या त्रिवतीनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो लगता है मानो किसी सुरंग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ शोर नहीं, केवल अलख निरंजन की अनुगूंज है।
- अलखनाथ मंदिर — जिसे बरेली का आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता है — नाथ संप्रदाय का सबसे प्रमुख स्थान है। इसका नाम ही बताता है कि यहाँ अलख निरंजन की उपासना होती है, यानी उस परम सत्ता की, जिसे देखा नहीं जा सकता पर महसूस किया जा सकता है।

अलखनाथ मंदिर का इतिहास: साधना की अनंत परंपरा

अलखनाथ मंदिर बरेली शहर के हृदय में स्थित है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विशाल नंदी की मूर्ति दिखाई देती है। चारों ओर साधुओं के छोटे-छोटे कुटीर हैं, जिनमें वर्षों से तप कर रहे नागा बाबा, सिद्ध योगी और गृहस्थ भक्त रहते हैं। मंदिर की दीवारों पर समय की परतें जमी हैं — जिनमें भक्ति, साधना और तप की कहानियाँ लिखी हैं। लोककथाओं के अनुसार, गुरु गोरखनाथ के शिष्य अलखनाथ ने यहाँ साधना की थी। उनके नाम पर ही यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। हर वर्ष चैत्र मास में लगने वाला अलखनाथ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोकसंस्कृति का उत्सव बन चुका है। नागा साधु यहाँ अपने अखाड़ों के साथ पहुँचते हैं, भभूती रमाते हैं और अलख पुकारते हैं अलख निरंजन

- महंत कालू गिरी कहते हैं कि यह स्थान केवल शिवभक्तों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो सत्य की तलाश में है। यही कारण है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन — सभी श्रद्धालु बिना भेदभाव के दर्शन करने आते हैं। बताते हैं कि आनंद अखाड़े के अध्यक्ष गुरुदेव देवगिरी, धर्मगिरी, बालकगिरी की समाधि भी मंदिर में ही है।

अलखनाथ मंदिर की सज्जा

मंदिर की वास्तुकला मंदिर पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला शैलियों का मिश्रण दर्शाता है। इसमें जटिल नक्काशी, सुंदर कलाकृति और एक विशाल प्रांगण है। गर्भगृह में मुख्य देवता, भगवान शिव, एक शिवलिंग के रूप में स्थित हैं। मंदिर महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। खासकर श्रावण महीने (जुलाई-अगस्त) के दौरान जब भक्त प्रार्थना करते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। महाशिवरात्रि, सावन सोमवार और कार्तिक पूर्णिमा कुछ प्रमुख अवसर हैं जिन्हें मंदिर में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

तपेश्वर नाथ मंदिर

- तपेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी बिशन महाराज बताते हैं कि यह मंदिर साधु संतो की तपस्थली रहा है। यहां पहले वन हुआ करता था। इसी के पास रामगंगा नदी बहती थी। वन में एक बाबा ने कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा हिमालय से लौटते समय महर्षि के शिष्य ने यहां सैकड़ो वर्ष तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां स्वयं विराजमान हुए। तभी से इसका नाम तपेश्वर नाथ पड़ा। महाराज बताते हैं कि यह सिद्धपीठ मंदिर है।

मढ़ीनाथ

मढ़ीनाथ मंदिर शिवभक्तों के प्राचीन और अत्यंत आस्थावान धामों में गिना जाता है। यह स्थान अपनी शक्ति, सिद्धि और शांत आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि मढ़ीनाथ की भूमि सदियों से साधकों, संतों और श्रद्धालुओं की पूजा—साधना का केंद्र रही है।मढ़ीनाथ मंदिर को कई स्थानीय ग्रंथों और लोककथाओं में बहुत प्राचीन शिव-पर्वत स्थल बताया गया है।इसकी स्थापना का काल सटीक रूप से प्रमाणित नहीं है, लेकिन परंपरा के अनुसार यह स्थान कई सौ वर्षों से शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र है। मढ़ीनाथ क्षेत्र में पहले तपस्वी साधु ध्यान और तपस्या करते थे। इन्हीं साधकों की साधना शक्ति से यहाँ शिव की चेतना प्रकट होने की मान्यता है। स्वयंभूत ऊर्जा का स्थानमढ़ीनाथ को "सिद्ध पीठ" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की ऊर्जा साधारण मंदिरों से अधिक प्रबल मानी जाती है। यहाँ रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जाप अत्यंत फलदायी माने जाते हैं।सावन, महाशिवरात्रि और सोमवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

कई परिवारों में किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले मढ़ीनाथ के दर्शन की परंपरा है।

मढ़ीनाथ से कई रोचक कथाए जुड़ी हैं—

- कहा जाता है किसी समय यहाँ एक संत ने कठिन तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव शक्ति ने यहाँ स्वयंभू स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।
- एक अन्य कथा में माना जाता है कि मढ़ीनाथ महादेव नजर दोष, संकट और खतरों को दूर करते हैं। इसी कारण कई लोग यहाँ विशेष पूजा कराते हैं।
- मढ़ीनाथ केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि स्थानीय समाज का सांस्कृतिक केंद्र भी है।
- मढ़ीनाथ मंदिर बरेली की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

पशुपति नाथ मंदिर

- यह सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिव मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 2001 में पीलीभीत बाईपास के पास की गई थी और इसे नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है यह मंदिर व्यापारी जगमोहन सिंह के मन में आए विचार से अस्तित्व में आया, जो स्वयं नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जाया करते थे। उन्होंने 2001 में बरेली में इस मंदिर की स्थापना कराई। मंदिर का नाम जगमोहन नाथ के नाम से भी जाना जाता है। यहां के प्रमुख शिवलिंग के चारों ओर 108 शिवलिंग स्थापित किए गए हैं, जो भगवान शिव के 108 नामों को समर्पित हैं। मंदिर की स्थापना में जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी भी शामिल हुए थे धार्मिक महत्व यहां पंचमुखी शिवलिंग स्थापित किया गया है, जो नेपाल मंदिर की विशेषता भी है। मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग भगवान शिव के विभिन्न नामों के प्रतीक हैं और इन पर जल अर्पित करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है। सावन महीना विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सरोवर में मछलियों को भोजन देने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पशुपतिनाथ जरूर पूरी करते हैं

विशेषताएं

- मंदिर का परिसर एक सुंदर सरोवर और पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें मछलियां, बत्तख और रामेश्वरम के रामसेतु से लाए गए तैरते पत्थर आकर्षण के केन्द्र हैं । परिसर में कैलाश पर्वत की झांकी, भैरव मंदिर, रुद्राक्ष और चंदन के वृक्ष भी हैं
- परिसर में रोजाना भव्य शिव श्रृंगार और आरती होती है।यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने पर उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत बरेली शहर की चारों दिशाओं की मुख्य सड़कों पर कॉरिडोर को दर्शाते हुए भव्य द्वार बनाए गए हैं। कॉरिडोर बनने से बरेली शहर के नाथ मंदिरों के साथ ही हर बरेलियंस को नई पहचान मिलेगी। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल इंडस्ट्री से लेकर तमाम वर्गों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। इसके साथ नाथनगरी में सभ्यता की 5000 साल पुरानी गाथा भी शहर में गूंजेगी। शहर में बनाई जा रहीं 19 फोकस वॉल पर भित्ति कला प्रदर्शित होगी। इससे बरेली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी भी बनेगी।

बरेली शहर के धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, वनखंडीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर ब्लॉक के अहिच्छत्र क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर वो सुविधाएं दी जाएं, जिनसे पर्यटक आकर्षित हों, इसको ध्यान में रखते हुए नाथ कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की गई। नाथ मंदिरों की भव्यता और पौराणिक इतिहास को दर्शाते हुए पर्यटकों को इस ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की। नाथ कॉरिडोर को राज्य सरकार ने 2023 में मंजूरी दी थी। इसके बाद बीडीए से प्रपोजल मांगा गया। जून, 2023 में बीडीए ने 70 पेज की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। अब करीब 231 करोड़ रुपये से नाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

भित्ति कला से बरेली बनेगी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी

बरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना से नाथ नगरी बरेली अब सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कला के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, धार्मिक स्थलों और सरकारी परिसरों में 19 भव्य फोकस वॉल का निर्माण होगा। भित्ति वॉल पर भारत की प्राचीन सभ्यता, नाथ परंपरा, महाभारतकालीन इतिहास और स्थानीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संगम का शानदार प्रदर्शन होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत, प्राचीन और समृद्धशाली संस्कृति से परिचय करायेगी। युवाओं और पर्यटकों को बरेली के 5000 वर्ष पुराने इतिहास और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगी। फोकस वॉल का विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना से प्रेरित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सभ्यता को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़कर रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ाना शामिल है। इन फोकस वॉल पर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर आधारित होंगे। इन चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत और स्थानीय लोककला को जीवंत कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा। पर्यटन विभाग ने सर्वे करने के बाद ऐसे स्थानों को चुना है। जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक और राहगीर गुजरते हैं। इस परियोजना पर कुल 621.33 लाख रुपये (लगभग 6 करोड़ 21 लाख 33 हजार रुपये) खर्च किए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बरेली केवल झुमके तक ही सीमित नहीं है। यह योगियों, सिद्ध—नाथों, ऋषि—मुनियों और प्राचीन सभ्यता का नगर है। फोकस वॉल आने वाली पीढ़ियों को बरेली की असली आत्मा से परिचित कराएगी। यह न सिर्फ शहर के सौंदर्यीकरण की योजना है, बल्कि बरेली के सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

सातों नाथ मंदिरों का नाथ सर्किट बनाने का उद्देश्य

- एक नाथ मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर तक यात्रा को आसान बनाने और पूरे सर्किट में सुरक्षित और उचित सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव नाथ सर्किट में शामिल किया हैं। इसमें कनेक्टिविटी और सुगमता में सुधार के लिए आईपीटी और अन्य सार्वजनिक परिवहन जोड़े गए हैं। मंदिरों तक पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए चौड़ी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। आगंतुकों के लिए पार्किंग क्षेत्र होगा। पहचान में सुधार के लिए संकेतों और अन्य दृश्य चिह्नों का उपयोग होगा। नाथ नगरी सर्किट की पहचान सभी नाथ मंदिरों के जुड़ाव को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रत्येक नाथ मंदिर में इतनी सुविधाएं होंगी – प्रवेश मार्ग, आंतरिक सड़क विकास, फुटपाथ, स्टॉल, स्ट्रीट लाइटिंग, साइनेज, कूड़ेदान, स्ट्रीट फर्नीचर, भूनिर्माण, भूमिगत संग्रहालय भवन, पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं, खोया-पाया सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, पुलिस बूथ, पेयजल, सूचना कियोस्क।

6.21 करोड़ से शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनेगी

नाथ कॉरिडोर के तहत शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनाने की योजना है। 6.21 करोड़ रुपये से कार्य कराए जाएंगे। फोकस वाल का आठ स्थानों पर निर्माण शुरू करा दिया गया है। इसमें पेंटिंग, डिजाइन और पौराणिक कलाकृतियों को दीवार पर उकेरा जाएगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ग्राउंड, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डीडी पुरम पार्क, नियर स्टेडियम, कुदेशिया अंडरपास, बीसलपुर चौराहा, विकास भवन चौराहा, आयुक्त कार्यालय, उद्योग विभाग कार्यालय, त्रिवटी नाथ मंदिर मैकेनियर रोड, 100 फुटा तिराहा आदिनाथ चौक, इन्वर्टिस तिराहा बड़ा बाइपास, रेलवे स्टेशन, मिनी बाइपास इज्जतनगर रेलवे स्टेशन, झुमका तिराहा, और पर्यटन कार्यालय रोहिला होटल वॉल।

नाथ कॉरिडोर के मंदिरों की दूरी

- धोपेश्वरनाथ से पशुपति नाथ मंदिर- 8.2 किमी
- पशुपतिनाथ मंदिर से बनखंडी नाथ-3.0 किमी
- वनखंडीनाथ मंदिर से त्रिवटीनाथ मंदिर-7.0 किलोमीटर
- त्रिवटीनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.2 किलोमीटर
- अलखनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.5 किलोमीटर
- मढ़ीनाथ मंदिर से तपेश्वरनाथ मंदिर-2.5 किलोमीटर
- तपेश्वरनाथ मंदिर से धोपेश्वरनाथ मंदिर-5.8 किलोमीटर

त्रिवटी नाथ मंदिर के पुजारी रवीन्द्र शर्मा बताते हैं 1476 विक्रम संवत में जंगल में चरवाह आया वह वट वृक्ष के नीचे सो रहा था। तब बाबा ने उसे जगाया और अपने यहां होने की बात कही। चरवाहे ने बाबा के प्रकट होने की बात आसपास के लोगों को बताई। इसके बाद तो यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। खुदाई के बाद यहां शिवलिंग प्रकट हुआ। जैसे जैसे सभ्यता और संस्कृति का प्रचार हुआ। उसका बढ़ना शुरु हुआ त्यों त्यों मंदिर का स्वरूप भी बढ़ता गया। इस समय मंदिर में पुरातन सिद्धहस्त शिवलिंग है ही साथ ही मंदिर के स्वरूप को भव्यता प्रदान करने वाले भोलेशंकर के तांबे की भव्य आकृतियां भी है। जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। प्रदेश सरकार ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में विकसित किया है। यह पुरातन मंदिर भी नाथनगरी कॉरीडोर का हिस्सा है और यहां कारीडोर के तहत निर्माण कार्य चल रहा है।

अलखनाथ मंदिर के महंत और आनंद अखाड़े के सचिव कालू गिरी बताते हैं कि यह मंदिर मुगलों के समय का है। मुगलों ने भी कई बार यहां हिन्दू मंदिरों के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। वे बताते हैं कि मुगलों के बाद राजा महाराजा आए। उनके समय भी यहां रहने वाले बाबा अलख जगाते थे। राजा महाराजा यह सेवा देखते आ रहे थे। तब बाबा ने राजाओं से जमीन देने को कहा तो राजा ने जमीन दान दी थी। वे बताते हैं कि सनातन तो मानता ही रहा है साथ ही नवाबों अंग्रेजों ने भी नागाओं के प्रभाव को माना है। नाथ संप्रदाय की जड़ें बरेली में बहुत गहरी हैं।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

सिख धर्म की सेवा और भक्ति

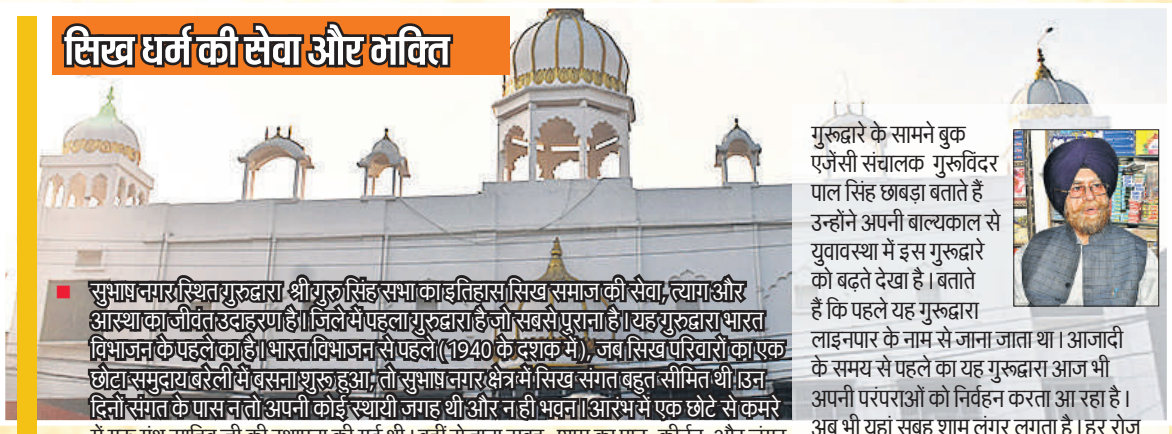

- सुभाष नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का इतिहास सिख समाज की सेवा, त्याग और आस्था का जीवंत उदाहरण है। जिले में पहला गुरुद्वारा है जो सबसे पुराना है। यह गुरुद्वारा भारत विभाजन के पहले का है। भारत विभाजन से पहले (1940 के दशक में), जब सिख परिवारों का एक छोटा समुदाय बरेली में बसना शुरू हुआ, तो सुभाष नगर क्षेत्र में सिख संगत बहुत सीमित थी।उन दिनों संगत के पास न तो अपनी कोई स्थायी जगह थी और न ही भवन। आरंभ में एक छोटे से कमरे में गुरु ग्रंथ साहिब जी की स्थापना की गई थी। वहीं रोज़ाना सुबह-शाम का पाठ, कीर्तन, और लंगर सेवा शुरू हुई। यह छोटा-सा कमरा ही गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहिब लाइन पार का बीज साबित हुआ। समय के साथ जब सिख परिवारों की संख्या बढ़ी, तो संगत ने मिलकर गुरुद्वारा का विस्तार करने का निश्चय किया।
- 1950—60 के दशक में स्थानीय संगत के सहयोग और चंदे से पक्का भवन बनाया गया। धीरे-धीरे इसमें दीवान हॉल, लंगर हॉल, और संगत के ठहरने हेतु कमरों का निर्माण हुआ। नवनिर्माण के साथ गुरुद्वारे में गुरु नानक जयंती, वैशाखी, और अन्य प्रमुख गुरपुरब बड़ी श्रद्धा से मनाए जाने लगे। अब सुभाष नगर का यह गुरुद्वारा एक बृहद परिसर में विकसित हो चुका है। इसमें शानदार दीवान हॉल, आधुनिक लंगर हॉल, सेवादार आवास, और सिख इतिहास पर आधारित चित्र सजावट शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम दीवान, कीर्तन दरबार, और निशुल्क लंगर सेवा जारी रहती है।

गुरूद्वारे के सामने बुक एजेंसी संचालक गुरूविंदर पाल सिंह छाबड़ा बताते हैं उन्होंने अपनी बाल्यकाल से युवावस्था में इस गुरूद्वारे को बढ़ते देखा है। बताते हैं कि पहले यह गुरूद्वारा लाइनपार के नाम से जाना जाता था। आजादी के समय से पहले का यह गुरूद्वारा आज भी अपनी परंपराओं को निर्वहन करता आ रहा है। अब भी यहां सुबह शाम लंगर लगता है। हर रोज शाम को तमाम फकीर गुरूद्वारे के लंगर के ही भरोसे जीवन यापन कर रहे हैं। स्टेशन के पास होने के कारण यहां यात्री भी आकर ठहरते हैं। यह निशुल्क सेवा है। एक कमरे से गुरूद्वारे का सफर हुआ था। अब यहां दस कमरे हैं। बड़े हाल हैं। यहां गुरूनानक के जन्मदिन पर प्रकाशपर्व का नगर कीर्तन इसी गुरुद्वारे से निकलता आ रहा है। वे बताते हैं कि गुरूद्वारे में हर धर्म के लोग आते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

शहर में नाथ योगियों से लेकर सूफी संतों तक को एक साथ स्थान दिया। यही वजह है कि इसे आज भी नाथ नगरी कहा जाता है, तो वहीं "आला हजरत की नगरी" के रूप में भी इसकी पहचान है। दो नाम, दो परंपराएँ पर एक ही आत्मा, जो इंसानियत और आस्था को जोड़ती है। यहाँ की गलियाँ धर्मों के इतिहास की जीवंत गवाही देती हैं। अलखनाथ मंदिर के आसपास की गलियों में आज भी नागा साधुओं के डेरों की गंध आती है। त्रिवतीनाथ मंदिर की घंटियाँ उसी श्रद्धा से बजती हैं, जैसे सैकड़ों साल पहले बजती थीं। वहीं, नौमहला की पत्थर जड़ी गलियों से होकर गुजरने वाला हर शख्स आला हजरत की दरगाह की तरफ सिर झुकाए निकलता है। उस गली के कोनों पर बैठा कोई दुकानदार अगर "जय भोले" कह दे तो सामने वाला "सलाम वालेकुम" के साथ मुस्कुरा देता है यही है बरेली की पहचान। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 1657 में मुगल शासन के दौरान बरेली को आधिकारिक रूप से बसाया गया। लेकिन इस नगर की आत्मा इससे भी पुरानी है। स्थानीय किंवदंतियाँ बताती हैं कि यह क्षेत्र "महा योगी गोरखनाथ" की तपोभूमि था, जहाँ से नाथ परंपरा का एक प्रमुख केंद्र विकसित हुआ। गोरखनाथ संप्रदाय के अनुयायी आज भी बरेली को "उत्तर भारत की योग नगरी" कहते हैं। मुगल काल में जब सूफी संत हज़रत शाह शरीफ और फिर इमाम अहमद रज़ा खान आला हजरत इस भूमि पर आए, तो इस शहर में आध्यात्मिकता का एक नया स्वर जुड़ गया। उनके अदब, इल्म और इंसानियत ने न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि हर मजहब के लोगों के दिल में जगह बनाई। यही वह दौर था जब बरेली ने हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी मिसाल पेश की, जो आज भी कायम है। बरेली के इतिहास की एक और खासियत है , यहाँ धर्म ने कभी राजनीति का रूप नहीं लिया। चाहे अंग्रेज़ों का दौर रहा हो या स्वतंत्रता संग्राम का समय, बरेली की धार्मिक संस्थाएँ हमेशा समाज के निर्माण में लगी रहीं। मंदिरों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाया, तो दरगाहों ने सामाजिक न्याय और बराबरी का संदेश दिया। यही कारण है कि यहाँ की मिट्टी हर इंसान को अपनाने का माद्दा रखती है।आज जब कोई यात्री बरेली जंक्शन पर उतरता है, तो उसके स्वागत में दो प्रतीक खड़े दिखाई देते हैं ।

शिव की त्रिविध ज्योति का प्रतीक

नाथ परंपरा की दूसरी प्रमुख कड़ी है — त्रिवतीनाथ मंदिर। यह मंदिर भी शिव के त्रिवेणी रूप का प्रतीक माना जाता है — ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिविध ज्योति यहाँ एक साथ विराजमान है। मंदिर का स्थापत्य अद्भुत है — ऊँचे शिखर पर लगा स्वर्ण कलश दूर से ही श्रद्धा जगाता है। सावन के महीने में जब कांवड़िए यहाँ गंगाजल चढ़ाने आते हैं, तो पूरा बरेली शहर भक्ति में डूब जाता है।

यहाँ कोई एक दिन भी ऐसा नहीं जाता जब 'हर हर महादेव' की आवाज़ न गूंजे। भक्त सुबह से ही शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध और जल चढ़ाने आते हैं। यह मंदिर बरेली का आध्यात्मिक नाड़ी बिंदु है।" त्रिवतीनाथ मंदिर का परिसर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है। मंदिर के ट्रस्ट द्वारा निशुल्क भोजन, चिकित्सा शिविर और गौसेवा के कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। मंदिर के बगल में स्थित सरोवर में हर अमावस्या को हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं। यह वही सरोवर है जहाँ कभी योगी अपने ध्यान की शुरुआत करते थे।

धोपेश्वरनाथ

- पांडवकालीन यह मंदिर सिद्धपीठ मंदिर है। यहां द्रोपदी के गुरु धूम्र ऋषि ने तपस्या की। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव ने वरदान मांगने को कहा तो ऋषि ने जनता की मंगल कामना और कल्याण के लिए शिव से यहीं पर लिंग रूप में रहने का वरदान मांगा। वरदान स्वरूप शिव यहीं स्थापित हो गये। नाथ मंदिर में यह ऐसा मंदिर है जिसे अर्धनारीश्वर का रूप भी कहा जाता है। मंदिर के महंत घनश्याम जी बताते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में धोपा मंदिर को अर्धनारीश्वर का रूप भी माना जाता है। इसका प्रमाण आज भी प्रचलित है। इसी मंदिर में भादों माह में आखिरी के दो गुरुवार को मेला आज भी लगता है। यह मेला धोपा मइया के नाम से प्रचलित है। जब आवागमन के साधन नहीं थे तो लोग एक दिन पहले आकर रुकते थे लेकिन अब लोग गुरुवार को आकर धोपा के सरोवर में स्नान करते हैं इससे चर्म रोग ठीक होते हैं। इसके बाद यहां स्थित रायसती मठिया में प्रसाद चढ़ाते हैं। नाथ मंदिरों में यह धोपेश्वर नाथ भी प्रसिद्ध और सिद्ध मंदिर है। यह इशान कोण में स्थित है।

वनखंडीनाथ मंदिर

बरेली की प्राचीन धरती में अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और आध्यात्मिक स्थल बसे हैं, उन्हीं में से एक अत्यंत प्रतिष्ठित शिवधाम है,वनखंडीनाथ मंदिर यह मंदिर बरेली के सबसे पुराने धार्मिक स्थलों में गिना जाता है । वनखंडी क्षेत्र के हृदय में स्थित यह मंदिर स्थानीय लोकपरंपरा, पुरातन आस्था और सदियों से प्रवाहित शिवभक्ति का अद्भुत केंद्र है। कहा जाता है कि जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, वह क्षेत्र प्राचीन समय में घने वनों से आच्छादित था। तब यह स्थान निर्जन, शांत और वन्य क्षेत्र का हिस्सा था, इसलिए इस स्थान को नाम मिला—"वनखंडीनाथ", अर्थात् वनखंडों में विराजमान भगवान शिव ।वनखंडीनाथ जी का आध्यात्मिक महत्व वनखंडीनाथ मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि शिवभक्ति की जीवंत ऊर्जा का केंद्र है।

रामनगर जैन मंदिर

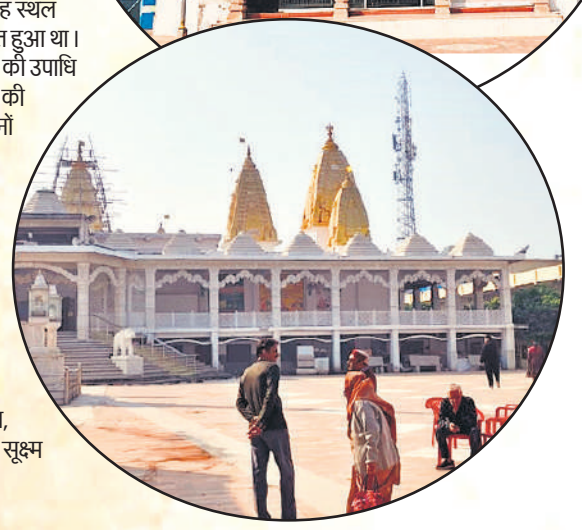

बरेली के आंवला में रामनगर में जैन मंदिर भी विश्व प्रसिद्ध है। रामनगर न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के प्रसिद्ध जैन तीर्थों में से एक है। यह तीर्थ अपनी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता के कारण देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। भगवान पार्श्वनाथ की तपस्या स्थली रामनगर आंवला है। पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी में लेकिन उन्हें ज्ञान रामनगर में प्राप्त हुआ। यही वह स्थल है जहां पार्श्वनाथ को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यही पर पार्श्वनाथ को भगवान की उपाधि मिली। यहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा हरित पन्ने की है। विद्वानों का मत है कि यह प्रतिमा देव द्वारा स्थापित की गई है। रामनगर जैन मंदिर की वास्तुकला अत्यंत भव्य और पारंपरिक है। मुख्य मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ हरितपन्ने की प्रतिमा विराजमान है, जिसकी मुद्रा अत्यंत शांत और ध्यानमग्न है। मंदिर की दीवारों पर जैन पुराणों के दृश्य, तीर्थंकरों के जीवन प्रसंग और सूक्ष्म नक्काशी देखने योग्य हैं।

अल्लाह की याद और इंसानियत का पैग़ाम साथ

अगर कोई बरेली की आत्मा को महसूस करना चाहता है, तो उसे सिर्फ नाथ मंदिर ही नहीं, बल्कि नौमहला की गलियों तक भी जाना होगा। यह इलाका बरेली की तहज़ीब, आस्था और एकता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यहाँ हर दीवार सूफ़ियों, मोहब्बत और इंसानियत की किसी कहानी को बयाँ करती है — बरेली में जैसे शिव के साधकों की परंपरा गहरी है, वैसे ही सूफ़ी संतों की रूहानियत भी हर पत्थर में बसती है। और इसी रूहानियत की सबसे ऊँची चोटी पर है — आला हजरत की दरगाह।

आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खान (1856–1921) न केवल बरेली के, बल्कि पूरे इस्लामी जगत के एक महान विद्वान और सूफ़ी संत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, तर्क और करुणा से दुनिया को यह दिखाया कि धर्म का असली उद्देश्य नफरत नहीं, बल्कि इंसान को इंसान से जोड़ना है। कहा जाता है कि आला हजरत ने बरेली की मिट्टी को अपनी कलम से अमर बना दिया। उन्होंने फतावा-ए-रज़विया जैसे ग्रंथों के माध्यम से इस्लामी दर्शन को एक नई दृष्टि दी। वे उस दौर में भी धार्मिक कट्टरता के विरोधी थे, जब समाज गुटों में बँट रहा था। अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे धर्म के उपासक को तकलीफ़ देता है, तो वह खुद इस्लाम की शिक्षा के विरुद्ध जाता है। इसी सोच ने बरेली की पहचान धर्म से पहले इंसानियत की बनाई ।

उर्स-ए-रज़वी — आध्यात्मिक मेला और इंसानियत का उत्सव

हर साल रबी-उल-अव्वल महीने में मनाया जाने वाला "उर्स-ए-रज़वी" बरेली का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। तीन दिनों तक दरगाह परिसर में आध्यात्मिक वातावरण रहता है। देश-विदेश से आए आलिम, मौलाना और सूफ़ी यहाँ तकरीरें (विचार भाषण) देते हैं।

- दरगाह परिसर के बाहर लगने वाला मेला, जिसमें किताबें, इत्र, तस्बीह और सूफ़ी संगीत की धुनें गूंजती हैं, वह श्रद्धालुओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं।
- हर साल लगभग दस लाख से अधिक लोग इस मौके पर बरेली पहुँचते हैं। रेलवे और नगर प्रशासन विशेष प्रबंध करते हैं। खास बात यह है कि इस दौरान न सिर्फ मुस्लिम, बल्कि हिंदू, सिख और ईसाई समुदाय के लोग भी सेवा में शामिल होते हैं। नगर निगम की टीम से लेकर पुलिस कर्मियों तक सभी इसे "धार्मिक नहीं, मानवीय पर्व" की तरह मानते हैं। सूफ़ी संगीत और रूहानी माहौल
- आला हजरत की दरगाह में शाम के वक्त जब कव्वाली शुरू होती है — "नज़र-ए-मदीना से मंज़र-ए-बरेली तक" तो लगता है जैसे आत्मा और संगीत एकाकार हो गए हों। सूफ़ी गायकों की तान और दुआ की लय वातावरण को भक्ति में डूबो देती है।
- कई प्रसिद्ध कव्वालों जैसे मो. अफज़ल साबरी और शहनवाज़ खान — ने अपनी शुरुआत इसी दरगाह के उर्स मंच से की थी। आज भी दरगाह का कव्वाली मंच नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आला हजरत का संदेश "इंसानियत सबसे ऊपर"

आला हजरत का दर्शन यह था कि धर्म किसी दीवार का नहीं, बल्कि एक पुल का नाम है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सौ साल पहले थे। उन्होंने कहा था "जब तक किसी भूखे को खाना और किसी नंगे को कपड़ा नहीं मिलेगा, तब तक तुम्हारी नमाज़ें भी अधूरी हैं।" बरेली के लोग आज भी इस संदेश को जीते हैं। दरगाह के लंगर में रोज़ाना हज़ारों लोगों को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जाता है । यहाँ कोई यह नहीं पूछता कि कौन हिंदू है, कौन मुसलमान। सब एक ही कतार में बैठकर खाना खाते हैं, और यही इस शहर की असली ताकत है।

दरगाह आला हजरत : श्रद्धा और शांति का संगम

- दरगाह आला हजरत केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र है। हर साल उर्स-ए-रज़वी" के अवसर पर देश-विदेश से हजारों ज़ायरीन यहां आते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका तक से लोग चादर चढ़ाने आते हैं।
- दरगाह परिसर में प्रवेश करते ही जो सुकून महसूस होता है, वह शब्दों में नहीं बताया जा सकता। चारों ओर कुरआनी आयतें, गुलाब की खुशबू और या रज़ा की पुकार वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।
- यहाँ का मुख्य गुम्बद सफ़ेद संगमरमर का है, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है —रज़ा का शहर बरेली, मुहब्बत की ज़मीन।
- आला हजरत की मज़ार के पास की जाने वाली "सलात-ओ-सलाम" (प्रार्थना) में जो विनम्रता दिखती है, वही इस दरगाह की आत्मा है।
- दरगाह के प्रमुख खादिम मौलाना फ़ैज़ान रज़ा बताते हैं —
- यहाँ हर आने वाला ज़ायरीन सबसे पहले 'सलाम' करता है और फिर दूसरों के लिए दुआ मांगता है। यही सूफ़ियत का असली मतलब है — अपने लिए नहीं, सबके लिए भलाई मांगना।"
- नौमहला — तहज़ीब और एकता की गवाही देने वाला इलाका आला हजरत की दरगाह के आसपास का इलाका "नौमहला कहलाता है। यह नाम मुगलकालीन स्थापत्य से आया है। यहाँ नौ मंज़िलों वाले पुराने महलों के अवशेष कभी मौजूद थे। आज यह इलाका धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बरेली का हृदय बन चुका है।
- नौमहला की गलियाँ संकरी हैं, लेकिन दिल बहुत बड़े हैं। यहाँ दरगाह के ठीक सामने एक प्राचीन शिव मंदिर भी है, जिसके पुजारी हर साल उर्स के दौरान मुसलमानों को जल पिलाने का "सेवा स्टॉल लगाते हैं। वहीं, दरगाह की ओर से भी सावन में कांवड़ियों को पानी और नींबू-शरबत बाँटा जाता है। यह दृश्य बरेली की "गंगा-जमनी तहज़ीब" का जीवंत उदाहरण है।
- स्थानीय निवासी सलीम बताते हैं , हमारे यहाँ कोई दीवार नहीं जो बांट सके। उर्स में पंडितजी भी आते हैं, और सावन में मौलवी साहब भी कांवड़ियों को आशीर्वाद देते हैं।
- इसी सौहार्द की वजह से नौमहला सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतीक बन चुका है।

ईसाई धर्म की शांति — चर्च और उनके सामाजिक योगदान

बरेली का सीएनआई चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। 1838 में इटालियन डिजाइन से बना इस चर्च में अंग्रेज प्रार्थना करने आते थे। मुगल काल के समय जब रुहेलों और अंग्रेजों की लड़ाई हुई तब रुहेलों ने इसी चर्च पर आक्रमण कर इसे आग के हवाले कर कई अंग्रेजों को मौत के घाट उतारा था। उस समय लगभग 100 से ज्यादा अंग्रेज मारे गये थे। यहां के पुराने पादरियों की कब्र भी इसी चर्च के अंदर है। चर्च जलाने के बाद इसका फिर से पुनर्निर्माण किया गया। 1947 में देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों ने कुछ चर्च संस्थाएं भारतीयों के हाथ में दी गई। तब छह ग्रुपों को मिलाकर चर्च आफ नार्थ इंडिया संगठन बनाया गया और उसी के अधीन चलता रहा। फिर विवाद सामने आए तो 1960 से यहां प्रार्थना आराधना बंद हो गई। फिर एक बैपिस्ट चर्च ने सीएनआई चर्च को किराये पर लिया और 1989 से यहां फिर से अराधना और प्रार्थना होने लगी। इस चर्च के पहले पास्टर डा. विलियम सैमुअल बने। मौजूदा समय ऐतिहासिक चर्च के पादरी मेल्विन चार्ल्स हैं।

डा. सैमुअल बताते हैं कि यह चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। यह एतिहासिक है। इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। डा. विलियम ने बताया कि बरेली का जीरो प्वाइंट भी चर्च को ही माना गया है। कैंट में बिशप के पास स्टीफन चर्च है। बरेली का माइलेज यहीं से नापा जाता है। कुछ लोग कुतुबखाना को जीरो प्वाइंट मानते हैं लेकिन अंग्रेजों के समय का जीरो प्वाइंट सेंटस्टीफन चर्च है। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 19वीं शताब्दी के मध्य में ब्रिटिश शासन के दौरान निर्मित यह चर्च न केवल ईसाई समुदाय के धार्मिक जीवन का केंद्र रहा है, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विविधता का भी एक सुंदर प्रतीक है। अंग्रेजों द्वारा उत्तर भारत में मिशनरी गतिविधियों के विस्तार के साथ यह चर्च स्थापित हुआ।

इस चर्च की सबसे बड़ी विशेषता इसका वास्तुशिल्प है। गोथिक शैली में निर्मित यह भवन अपनी ऊँची मेहराबों, नुकीले आर्च, पत्थर की पारंपरिक दीवारों और रंगीन काँच की खिड़कियों के कारण दूर से ही पहचान में आ जाता है। चर्च के भीतर लगे स्टेन ग्लास पैनलों पर उत्कीर्ण बाइबिल की कथाएँ न केवल कलात्मक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभूति भी कराती हैं।

धार्मिक दृष्टि से यह चर्च सदियों से ईसाई समाज का केंद्र रहा है, जहाँ क्रिसमस, गुड फ्राइडे और ईस्टर जैसे प्रमुख पर्व अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से मनाए जाते हैं।

बरेली जैसे बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक शहर में सीएनआई चर्च सौहार्द और सह-अस्तित्व की खूबसूरत मिसाल है। अलखनाथ मंदिर, आला हज़रत दरगाह, जैन तीर्थ, प्राचीन गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ यह चर्च बरेली की विविध आध्यात्मिक विरासत को और भी समृद्ध बनाता है। शहर के इतिहास, औपनिवेशिक वास्तुकला और धार्मिक सौहार्द का अध्ययन करने वाले पर्यटकों व शोधकर्ताओं के लिए यह चर्च विशेष आकर्षण का केंद्र है।

समय के साथ बरेली बदलता रहा, पर यह चर्च अपनी गरिमा, शांति और आध्यात्मिक महत्त्व के साथ आज भी उसी तरह खड़ा है। यह केवल ईसाई समुदाय का प्रतीक नहीं, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मृति का एक जीवंत अध्याय है।

अमृत विचार

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

सभी जटिल चीजों में अराजकता अंतर्निहित है। दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहो।

–महात्मा बुद्ध

सख्त संदेश के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि मामूली फेरबदल करके सरकार हमारे आदेशों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती, दरअसल अनुच्छेद 141 के तहत न्यायालय के आदेशों की बाध्यता और शक्ति को पुनः स्थापित करता है। यह निर्णय न केवल न्यायिक स्वतंत्रता बल्कि न्यायिक समीक्षा की संवैधानिक भूमिका को भी मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट को यह कठोर टिप्पणी इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट-2021 में सरकार ने ठीक वही प्रावधान दोबारा शामिल कर दिए थे, जिन्हें शीर्ष अदालत पहले ही खारिज कर चुकी थी। अदालत के अनुसार यह कदम उसकी अधिकारिता को कमजोर करने जैसा था। इसी कारण उसने पुनः स्पष्ट किया कि संविधान के मूल ढांचे के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक आदेशों की बाध्यता पर संसद हस्तक्षेप नहीं कर सकती। फैसले में अदालत ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 की कई प्रमुख धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया। इनमें खासतौर पर ट्रिब्यूनल सदस्यों का कार्यकाल तय करना, न्यूनतम आयु नियत करना एवं सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी की सिफारिशों को बाध्यकारी न मानना था। अदालत को गंभीर आपत्ति इसलिए थी, क्योंकि इन धाराओं में बदलाव न्यायिक निकायों की आज़ादी को प्रभावित कर सकती थीं। कम अवधि का कार्यकाल सदस्यों को कार्यपालिका पर निर्भर बनाता है, न्यूनतम 50 वर्ष की आयु सीमा युवा और योग्य विशेषज्ञों को बाहर करती है और चयन समिति की भूमिका को कमजोर करने से नियुक्तियों में पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। सरकार ने वे प्रावधान पुनः जोड़ दिए थे, जिन्हें 2020 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किए थे। अदालत द्वारा इसे 'प्रत्यक्ष अवज्ञा' मान कर रद्द कर देना उचित है।

इस फैसले में सकारात्मक पहलू यह है कि अदालत ने ट्रिब्यूनल प्रणाली की स्वतंत्रता और दक्षता को प्राथमिकता दी, यानी वह प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों को सरकार के प्रभाव से मुक्त रखना चाहता है, ताकि वे निष्पक्ष न्याय देने में सक्षम रहें। इससे भविष्य में ट्रिब्यूनलों की विश्वसनीयता और कामकाज दोनों बेहतर होंगे। यह फैसला सरकार को स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक आदेशों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इससे संसद और न्यायपालिका के बीच संस्थागत संवाद अधिक संतुलित होगा। निस्संदेह सरकार के लिए यह फैसला किसी झटके से कम नहीं, क्योंकि वह जिस संरचना को लागू करना चाहती थी, वह अब न्यायालय द्वारा पूरी तरह अस्वीकार कर दी गई है।

सरकार की प्रतिक्रिया शांत, संयत और संविधानसम्मत होनी चाहिए। उसे अदालत की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनलों के सुधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार का अगला कदम यही होना चाहिए कि वह न्यायपालिका से संवाद कर एक व्यावहारिक, पारदर्शी और संविधान-सम्मत ढांचा तैयार करे। सहयोग और संवैधानिक मर्यादा के साथ ही ट्रिब्यूनल सुधारों का भविष्य सुरक्षित और प्रभावी बन सकता है, संसद और न्यायपालिका के बीच एक न्यायपूर्ण संबंध तथा संतुलन बनेगा।

प्रसंगवश

गौर करें, आपके आसपास कम हो रहे हैं पंछी

कभी मुंडेर पर कांव-कांव करने वाला कव्वा और आंगन में चीचीं करती नन्ही गौरैया कम हो रही है। पेस्टिसाइड और शहरीकरण ने हमारे आसपास के तमाम पंछियों को खत्म कर दिया है। आपको एक घटना बताती हूं। कुछ दिनों पहले मैंने अपने स्कूल में एक कौवा मरा पड़ा देखा। बहुत सामान्य सी बात है। मैंने भी इस बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल में तीन कौवे मरे पड़े थे। थोड़ा अजीब लगा। बच्चे आपस में कुछ सुगबुगाहट कर रहे थे। मैंने पूछा, पर कुछ खास जवाब नहीं आया। तीन कौवे स्कूल में मरे पड़े हैं। अब यह बात थोड़ा ध्यान में रुक गई। अगले कुछ दिनों में मरे कौवो की संख्या बढ़ती ही गई।

मैंने कक्षा पांच के कुछ बच्चों से बात की। एक बच्चा प्रिंस बोला, ऐसी बात नहीं है मैडम! मेरे चाचा और पापा रात बात कर रहे थे। मैंने सुना वह लोग कह रहे थे खेतों में दवाई इस बार ज्यादा पड़ गई है। हम सब शांत हो गए। फिर मैंने प्रिंस से पूछा, कैसी दवाई? बच्चों की नादान बुद्धि के उत्तर आप भी सुनिए- खीरे को बड़ा करने की दवाई, कद्दू को जल्दी से फसल पर उतर लेने की दवाई, फसल में कीड़े लग जाने की दवाई। ऐसी बहुत सी दवाइयां मैडम हम डालते हैं। मैंने पूछा, तो कौवे क्यों मर रहे हैं? प्रिंस ने कहा, दवाई ज्यादा डल जाने से जान भी ले सकती है और कौवे मोर और चिड़िया यह सब खेत से सीधे अनाज, फल, सब्जी खाते हैं, तो दवाई से यह सब मर गए।

निवेदिता शर्मा

शिक्षिका

मैं सोच में पड़ गई कि बेजुबान जानवर इन दवाइयों का शिकार होकर मर रहे हैं और हम सबको खबर भी नहीं लग पा रही है। उससे भी बड़ी समस्या यह है कि लोग इस बड़ी समस्या को भी सामान्य मान रहे हैं। उनकी नजर में दवाई डालना एक बहुत ही सामान्य काम है। इस सामान्यीकरण से बच्चों के मानसिक और शारीरिक दोनों किस्म के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है ।

फसलों को कीट-पतंग, कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है। यह कीटनाशक हमारे खाने के सहारे हमारे शरीर में धीरे-धीरे जमा हो जाते हैं और यह हमारे शरीर में जाकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को इफेक्ट करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंग कैंसर, ब्लड कैंसर का कारण मुख्य रूप से पेस्टिसाइड्स ही हैं। पेस्टिसाइड्स वे दवाइयां हैं, जिन्हें फसलों में, खेतों में, कीटों चूहों आदि से बचाने के लिए डाला जाता है। जानने की बात यह है कि इन्हें खाकर चूहा या कीट भागते नहीं है बल्कि मर जाते हैं।

जरा सोचिए जब यही दवाई हमारे शरीर में जाती है तो कुछ तो असर करती ही होगी न। पेस्टिसाइड्स का प्रयोग हरित क्रांति के समय हुआ। उपज को बढ़ाने और मुनाफा कमाने के लक्ष्य ने इसे बढ़ावा दिया। पेस्टिसाइड्स प्रयोग करने की मात्रा, समय, सभी कुछ अच्छे से निर्देशित होने के बावजूद लाभ कमाने के लालच, जागरूकता की कमी की वजह से किसानों ने ताबड़तोड़ मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग किया है।

केरल के कासर कोड की घटना की तरफ सबका ध्यान जाना जरूरी है। एक पेस्टिसाइड का स्प्रिंग काजू की खेती पर 25 साल तक लगातार उपयोग किया गया। डॉ. मोहन कुमार, कासर कोड में डॉक्टर के रूप में आए। उन्होंने देखा कि अधिकतर घरों में बच्चे न्यूरो प्रॉब्लम्स कैंसर, क्रॉनिक प्रॉब्लम्स से संबंधित बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी रिसर्च में पाया कि जो पेस्टिसाइड काजू की खेती पर छिड़का जा रहा था, वह धीरे-धीरे सबके शरीर में जमा होता चला गया और वह आने वाली पीढ़ी के लिए इतनी बड़ी समस्या का सबब बना।

डिजिटल अरेस्ट खौफ का दोहन करते अपराधी

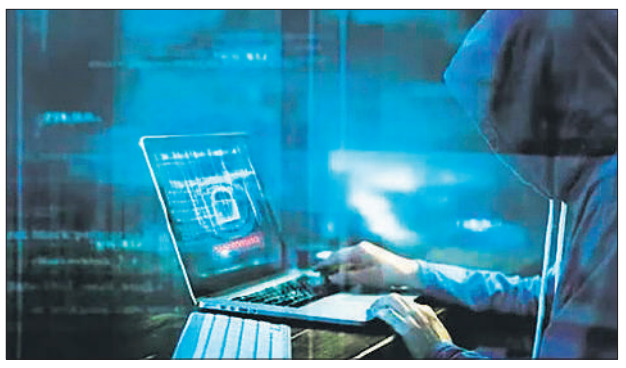

विवेक सक्सेना

अयोध्या

भारत में डिजिटल अरेस्ट एक खतरनाक साइबर अपराध के रूप में उभर रहा है। जो कि बेहद चिंताजनक है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फंसा कर उनको डराते-धमकाते हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स व अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं, तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर फ्रॉड के शिकार होने वालों में छात्रों से लेकर बुजुर्ग, होम मेकर्स से लेकर काम कामकाजी महिलाएं, किसान से लेकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले और बड़े-बड़े पदों पर आसीन पेशेवर भी शामिल हैं। फ्रॉड करने के लिए ऐसे जाल-बिछाते हैं कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग भी उनके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई के लाखों-करोड़ों गंवा देते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे इस खतरनाक क्राइम को लेकर उच्चतम न्यायालय ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य पीड़ितों से 3000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है।

2024 में डिजिटल अरेस्ट से 92,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनसे 1,616 करोड़ से अधिक की ठगी हुई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी चिंता जताई है। अदालत ने सख्त कदम उठाने के लिए कहा। अपराधियों की रणनीति वीडियो कॉल, व्हाट्सएप कॉल, स्पूफ कॉल, फर्जी वेबसाइट आदि ये मुख्य तरीके हैं, जिनसे स्कैम चलाया जाता है। वरिष्ठ नागरिक, अकेले रहने वाले युवा, डिजिटल साक्षरता से दूर लोग इस अपराध के आसानी से शिकार बन रहे हैं। जागरूकता की कमी के चलते पढ़े-लिखे लोग भी इन जालसाजियों का शिकार हो जाते हैं। तकनीकी विकास के साथ-साथ टेक साक्षरता, जागरूकता और कड़े कानून का अनुपालन बेहद जरूरी है, वरना आम नागरिक भय, जानकारी की कमी और व्यवस्था के कमजोर पहलुओं के चलते बार-बार शिकार बनेंगे।

हाल ही में साइबर अपराध यानी हैकिंग से जुड़ी एक ग्लोबल रिपोर्ट सामने आई है, जिसने भारत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैकिंग के मामले में भारत, दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल हो गया है, जो कि डिजिटल सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है। तीन वर्षों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश लगातार साइबर अपराध से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष दो राज्यों के रूप में स्थान पर रहे हैं। 2025 में, महाराष्ट्र साइबर अपराध के 1.6 लाख मामलों के साथ सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1.4 लाख) और कर्नाटक (एक लाख) का स्थान होगा।

इसी साल अगस्त में लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बता फोन करने वाले ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 2.81 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। वर्धमान ग्रुप के चेयरपर्सन और पद्मश्री एसपी ओसवाल को भी साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया और एक पुराने मामले में अरेस्ट वारंट का हवाला देकर डरा-धमकाकर सात करोड़ रुपये ठग लिए। इससे पहले मुंबई निवासी 75 वर्षीय रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट में हाई रिटर्न दिलाने का झांसा देकर अगस्त 2024 से लेकर नवंबर 2024 के बीच 11.16 करोड़ रुपये की ठगी की गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक नाबालिग छात्र को भी साइबर ठगों ने कॉल कर अश्लील वीडियो देखने की धमकी देकर पैसों की मांग की। छात्र इतना डर गया कि उसने सुसाइड कर लिया। नोएडा सेक्टर 82 में रहने वाली एक महिला आईटी इंजीनियर को डिजिटल अरेस्टट कर 20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। हाल में ही राजधानी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक 72 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर को साइबर ठगों ने आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली।

ये मामले सिर्फ बानगी भर हैं। सच तो ये है कि देश में रोज इस तरह के अपराध हो रहे हैं और डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर ठगी भारत की डिजिटल प्रणाली के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। अदालत और नीति-निर्माताओं को फौरन कड़े कदम उठाने चाहिए। साथ ही, आमजन को भी सतर्क रहना और डिजिटल शिक्षा अपनाना जरूरी है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए (Indian Cyber Crime Coordination Centre) केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। भुक्तभोगियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है।

डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। आपके पास अनजान नंबर से फोन या वॉट्सएप कॉल आती है तो सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि पुलिस अधिकारी कभी खुद की पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। किसी भी राज्य की पुलिस आपको कभी कोई भी ऐप डाउनलोड करने को नहीं कहेगी। पहचान पत्र, एफआईआर की कॉपी और अरेस्ट वारंट ऑनलाइन नहीं भेजा जाता है। पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं कराते। देश के कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

> पूरी दुनिया डर के धंधे पर टिकी हुई है। इसी खौफ का दोहन कुछ शातिर अपराधी कर रहे हैं। जीवन को बर्बाद होने के डर की बड़ी कीमत साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूल रहे हैं।

आमने

10,000 में क्या मिलता है? 10,000 में बिहार सरकार मिलती है। वे पैसे के बल पर जीते हैं। उन्होंने महिलाओं को खुलेआम पैसे दिए और महिलाओं ने उन्हें वोट दिया। अब सरकार को 'जीविका दीदी' को किए वादे को पूरा करना चाहिए।

–**मुकेश सहनी**, अध्यक्ष
विकासशील इंसान पार्टी

सामने

मैं समझती हूं कि इस प्रकार के अजीबोगरीब बयान नहीं देने चाहिए। इलेक्शन कमीशन देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने वाली सर्वप्रथम संस्था है। ऐसी संस्था के बारे में कहना राष्ट्रद्रोह जैसा है। उनको अपनी वाणी पर लगाम रखनी चाहिए।

–**अपर्णा यादव**, उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग

होमवर्क में बदलाव से बढ़ेगी सीखने की भूख

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

पढ़ाई करते समय बच्चे अक्सर किसी टॉपिक को दोहरा कर सीखने की कोशिश करते हैं, जिसे कहते हैं कि रट-रट कर परीक्षा देने जाते हैं। जिसकी जितनी अच्छी रटने की शक्ति, उतना अच्छा वो उत्तर लिखता है और परिणाम के आधार पर बुद्धिमान बच्चा कहलाता है, पर गहराई से सोचें, क्या वह बच्चा वाकई में बुद्धिमान है? क्या सच में उसने कोई ऐसा ज्ञान अर्जित किया जो भविष्य में कभी उसके काम आएगा? जवाब है नहीं! ऐसे बच्चों की रटने की क्षमता तो बहुत अच्छी होती है, लेकिन वे जीवन के असल ज्ञान से वंचित रह जाते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं! यही स्कूली शिक्षा का आधार है, इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें, जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए। पहले स्कूलों में होमवर्क का मतलब होता था, गणित के एक जैसे सवाल बार-बार हल करना या लंबा-लंबा निबंध लिखना, लेकिन अब यह बदल रहा है।

पूरे भारत की कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो 'होमवर्क' जैसे साधारण कार्य में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। यह अब बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है। शिक्षाविदों का कहना है कि 'होमवर्क', जो पहले रटने पर आधारित था, अब नीतिगत बदलावों, डिजिटल उपकरणों और नए शिक्षण तौर तरीकों से बदल रहा है। ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और छात्रों के कल्याण पर जोर देते हैं।

इसका मकसद छात्रों को सिर्फ पढ़ाई के लिए मजबूर करना नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना है। अब होमवर्क में सिर्फ याद करने के बजाय सोचने, समझने और नई चीजें बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना, ग्रुप में काम करना और नयी जानकारी पर खोज करने जैसे काम दिए जा रहे हैं। इससे बच्चे अपने खुद के तरीके से सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

इस संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में आ रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने के बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है। इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो।

ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाए। ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं। छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जाएं। जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें। इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है। दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जताई जा रही थी।

वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रेरणा मिल सके। यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

अमेरिका में नेशनल पीटीए (राष्ट्रीय अभिभावक शिक्षक संघ) और नेशनल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा बनाया गया '10-मिनट नियम' यह बताता है कि बच्चों को हर रात अपनी कक्षा के हिसाब से लगभग 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए। इसका मतलब है कि पहली कक्षा के बच्चों को 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए, जबकि बारहवीं क्लास के बच्चों को 120 मिनट तक 'होमवर्क' करना चाहिए। भारत में 'होमवर्क' की अवधारणा भले ही बदल गई हो, लेकिन असल में कई भारतीय छात्र अक्सर रोजाना 3-4 घंटे 'होमवर्क' करने में बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 'होमवर्क' की अवधारणा में बदलाव का एक कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी है, जो छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने और गतिविधियां आधारित सीखने को बढ़ावा देने पर जोर देती है। कई राज्य बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इसके बाद परिपत्र जारी कर शिक्षकों से ऐसे काम देने को कहा है जो 'मनोरंजक, प्रायोगिक और व्यावहारिक हों।

> कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो होमवर्क में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। अब यह बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है।

सोशल फोरम

एक छोटे से आविष्कार ने बदल दी दुनिया

वह 37 साल की उम्र में मर गया- कंगाल। भुला दिया गया, लेकिन आज भी, हर दिन, आप उसी की बनाई चीज पहनते हैं।1880 में एक जोड़ी जूते की कीमत इतनी थी कि उसे खरीदने के लिए आम परिवार एक हफ्ते की कमाई भी खर्च नहीं कर पाते थे। न तो चमड़ा कम था, न मोची लालची थे। समस्या थी एक असंभव सी प्रक्रिया, जिसे दुनिया का कोई भी आविष्कारक मशीन से नहीं कर पाया था। इसे कहा जाता था 'लास्टिंग'। जूते के ऊपरी हिस्से को उसके तले से जोड़ना। यह काम इतनी बारीकी, इतना कौशल मांगता था कि सिर्फ माहिर कारीगर ही कर सकते थे।

प्रशांत पांडेय

ब्लॉगर

वो भी दिन भर की मेहनत के बाद लगभग 50 जोड़ी जूते बना पाते। दर्जनों आविष्कारकों ने इस काम को मशीन से करवाने की कोशिश की, लेकिन सब असफल।

फिर एक युवा अश्वेत आप्रवासी एक लड़का, जो अंग्रेजी तक ठीक से नहीं बोलता था, ने ठान लिया कि वह इस असंभव को हल करेगा। जान एर्न्स्ट मैटजेलिगर का जन्म 1852 में सूरीनाम में हुआ। 19 साल की उम्र में वह जहाजों पर काम करने निकल पड़े। 21 की उम्र में वो अमेरिका के लिन, मैसाचुसेट्स पहुंचे, जो उस समय जूता उद्योग की राजधानी था। वहीं फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने उस bottleneck को देखा जो पूरी इंडस्ट्री को जकड़े हुए था। उन्होंने देखा कि कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि एक अश्वेत मजदूर वह कर सकता है जो दुनिया के दिमाग नहीं कर पाए।

उन्होंने अनुमति नहीं मांगी। बस शुरू कर दिया। 10–10 घंटे फैक्ट्री में काम और फिर रात में अपने छोटे कमरे में वापस आना। अंग्रेजी सीखना, मशीन ड्रॉइंग सीखना, इंजीनियरिंग सीखना। सब कुछ खुद, मोमबत्ती की रोशनी में। और फिर- मॉडल पर मॉडल बनाना, टूटना, फिर बनाना, फिर टूटना। 6 साल तक लगातार असफलताएं। निवेशक हंसते थे। साथी मजदूरों को भरोसा नहीं था और नस्लभेद के चलते हर दरवाजा उनके लिए बंद ही रहा। 20 मार्च 1883 को, अमेरिकी पेटेंट ऑफिस ने पेटेंट नंबर 274,207 उन्हें जारी किया। उनकी Lasting Machine काम कर गई। और सिर्फ ठीक ही नहीं, बल्कि क्रांतिकारी थी। जहां एक माहिर कारीगर 50 जोड़ी जूते बनाता था, मैटजेलिगर की मशीन 150 से 700 जोड़ी तक बनाती थी। तेज, सटीक, और बिना थके। कुछ ही सालों में जूतों की कीमत आधी हो गई। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

मुफ्त अनाज का वितरण और जनवादी डाटा

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद खबर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाजार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है।

आकाश सपेलकर

अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं?

तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती पहली दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजगारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है।

दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। नतीजतन महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है।

राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश के आम चुनाव की पुख्ता जमीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा** * 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

यूरेका

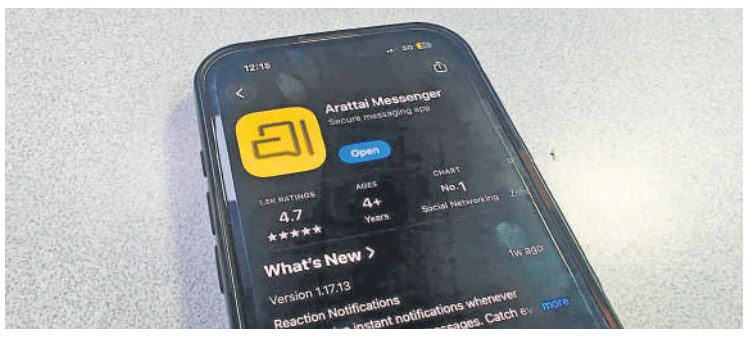

अरट्टई

डिजिटल संवाद का स्वदेशी अध्याय

भारत के डिजिटल परिदृश्य में इस समय एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है- Zoho का 'अरट्टई' (Arattai) ऐप। सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच इसके डाउनलोड्स में अचानक उछाल आया और यह कुछ ही हफ्तों में ऐप स्टोर्स की शीर्ष सूची में जगह बना गया। 'अरट्टई' तमिल भाषा का शब्द है, जिसे 'गपशप' अथवा 'आकस्मिक बातचीत' के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनवरी 2021 में लॉन्च हुआ यह ऐप चार साल तक लगभग गुमनाम रहा, लेकिन अब "आत्मनिर्भर भारत" की नई लहर के बीच यह भारतीय तकनीक का प्रतीक बनकर उभरा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

Zoho की साख और आत्मनिर्भर भारत की भावना

Zoho उन कुछ भारतीय कंपनियों में है, जो बिना विदेशी निवेश के वैश्विक पहचान बना चुकी है। संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू के नेतृत्व में चेन्नई मुख्यालय वाली यह कंपनी बीते दो दशकों से विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में भारत की पहचान रही है। इसके 55 से अधिक प्रोडक्ट्स- जैसे Zoho Mail, Zoho CRM, Zoho Books, Zoho Workplace और Zoho Cliq दुनियाभर के तमाम देशों में उपयोग किए जाते हैं। हाल में Zoho एक बड़ी खबर यह भी आई कि केंद्र सरकार के कई विभागों और निकायों ने NIC से Zoho Mail पर डेटा माइग्रेशन शुरू किया है, ताकि देशी सर्वरों पर होस्टेड और अधिक सुरक्षित ईमेल व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे कंपनी की साख को और मजबूती दी और यह दिखाया कि भारत अब वैश्विक विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीकी क्षमता पर भरोसा करने लगा है। ऐसे में जब इसी कंपनी ने एक मैसेजिंग ऐप पेश किया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में उत्सुकता बढ़ी। अरट्टई को आज के डिजिटल भारत की नई कहानी बनाने और इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे भारतीय तकनीकी कंपनियों पर भरोसा, विदेशी ऐप्स के प्रति सतर्कता, डेटा सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता जैसे कारक तो हैं ही, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका वैश्विक अनिश्चितताओं, जैसे कि तकनीक की उपलब्धता अथवा टैरिफ संकट से भरे माहौल में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' अपनाने की अपील ने निभाई है।

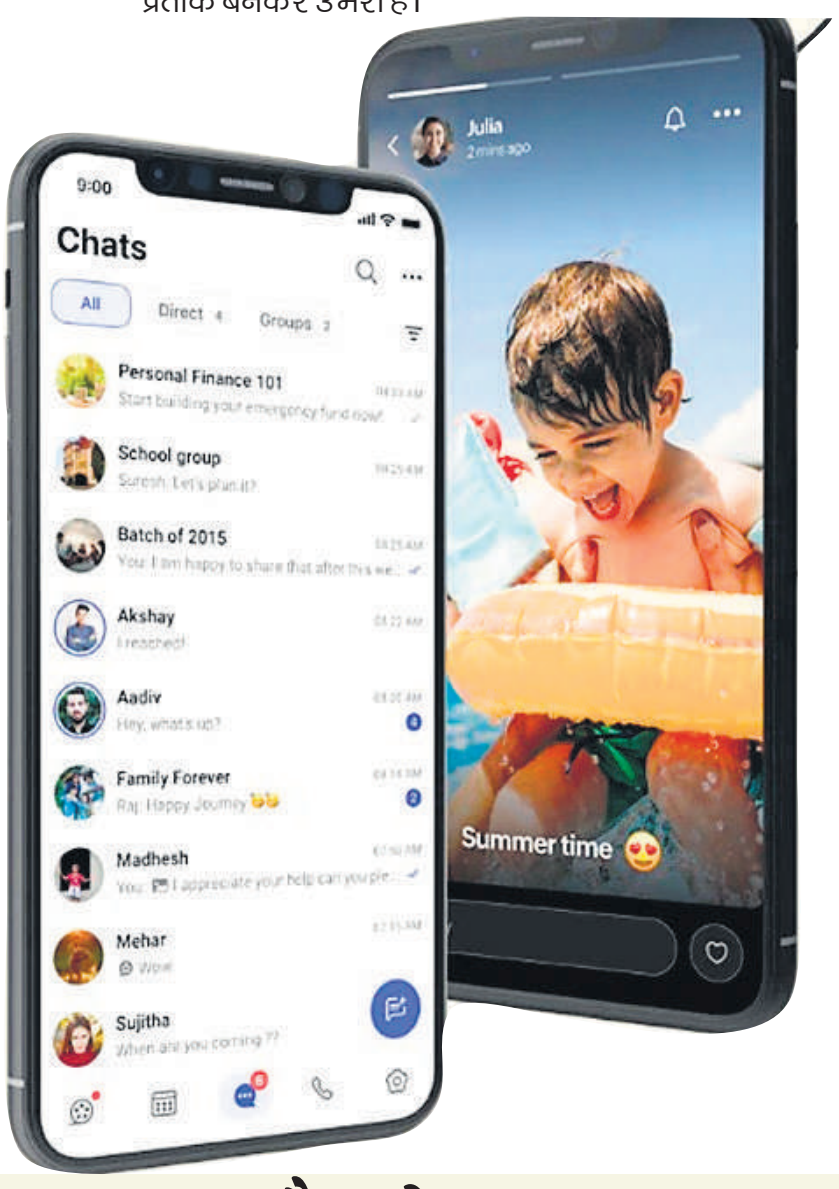

लोकप्रियता की रफ्तार और शुरुआती तकनीकी झटके

सितंबर 2025 में अरट्टई की लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि Zoho के सर्वरों को भी संभलने का मौका नहीं मिला। लाखों की तादाद में नए उपयोगकर्ता जुड़ने लगे और उसके साथ सामने आईं OTP में देरी, कॉल में लैग और सिंक की समस्याएं। यह दौर हर उभरते प्लेटफॉर्म के लिए सीख का होता है। तेजी से आगे बढ़ने के साथ स्थायित्व का संतुलन जरूरी है। Zoho ने भी सर्वर क्षमता बढ़ाकर स्थिति संभाली।

क्या बनाता है अरट्टई को अलग

Zoho ने अरट्टई को केवल चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि एक समग्र संचार मंच के रूप में विकसित किया है। इसके फीचर्स इस दिशा को स्पष्ट करते हैं-

- **पॉकेट- आपकी निजी डिजिटल तिजोरी-** इस फीचर में आप अपने नोट्स, फोटो, वीडियो और दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं, जो लोग WhatsApp पर खुद को मैसेज भेजकर चीजें सहेजते हैं, उनके लिए यह सुविधा गेमचेंजर साबित हो सकती है।
- **मीटिंग्स टैब- वीडियो कॉल का नया रूप-** बिना Zoom या Google Meet जैसे अलग ऐप्स पर जाए, अरट्टई में ही सीधे वीडियो मीटिंग्स आयोजित की जा सकती है।
- **मेंशन्स टैब-** इस टैब में वे सभी चैट्स एक जगह मिलती हैं, जिनमें उपयोगकर्ता को टैग या उल्लेख किया गया है। यह व्यस्त पेशेवरों के लिए राहत का फीचर है।
- **Android TV पर उपलब्धता-** मोबाइल और लैपटॉप/डेस्कटॉप के साथ अरट्टई Android TV पर भी उपलब्ध है, अर्थात संवाद का दायरा घर के बड़े पर्दे तक पहुंच गया है।

डेटा सुरक्षा पर कंपनी का भरोसा

Zoho ने स्पष्ट किया है कि अरट्टई पर कोई विज्ञापन नहीं होगा, डेटा किसी को नहीं बेचा जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत के सर्वरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई) में ही रखा जाएगा। हालांकि फिलहाल टेक्स्ट चैट्स के लिए पूर्ण एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन लागू नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यह सुविधा जल्द ही जोड़ी जाएगी और इसके लिए एक सुरक्षा श्वेतपत्र जारी किया जाएगा। यह कदम डेटा पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत संकेत है, जो उपयोगकर्ताओं में विश्वास को और बढ़ाने में मदद कर सकता है।

भविष्य की दिशा: संवाद से भुगतान तक

खबरों के अनुसार Zoho अब 'Zoho Pay' नाम से UPI भुगतान सेवा भी लाने की तैयारी में है। यदि यह सेवा भविष्य में अरट्टई से जुड़ती है, तो ऐप चैट्स, मीटिंग्स और पेमेंट्स तीनों को एकीकृत अनुभव के रूप में पेश कर सकेगा। इससे अरट्टई सिर्फ चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि भारत का पहला संपूर्ण डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म बन सकता है। हालांकि इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी आएंगी- वित्तीय सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और नियामक पालन की।

Hike और Koo की यादें, पर एक नया सलीका

भारत ने इससे पहले भी स्वदेशी सोशल ऐप्स की लहर देखी है। Hike मैसेंजर और Koo जैसे प्लेटफॉर्म एक समय खासी चर्चा में रहे, पर समय के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के सामने कमजोर पड़ते गए और अंततः बंद हो गए। उनका अनुभव सिखाता है कि भावनाओं का ज्वार शुरुआत करा सकता है, पर स्थायित्व के लिए उपभोक्ताओं का भरोसा, दीर्घकालिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और निरंतर सुधार बेहद जरूरी हैं। Zoho के पास अनुभव और संसाधन हैं और यही अरट्टई की सफलता में सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकते हैं।

डिजिटल परिपक्वता की मिसाल

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की बातें नहीं कर रहा, बल्कि उसे जी रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां न सिर्फ तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने को भी तैयार हैं। भरोसा, सुरक्षा और निरंतर सुधार यही वे तीन स्तंभ हैं, जिन पर कोई भी डिजिटल मंच स्थायी बन सकता है। यदि अरट्टई इन तीनों कसौटियों पर खरा उतरा, तो यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मविश्वास की पहचान बनेगा।

भरोसे से बनेगा स्वदेशी नवाचार का भविष्य

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई की सफलता यह साबित कर सकती है कि स्वदेशी नवाचार अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और विश्वसनीय दिशा ले चुका है। यह ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की उस कहानी का हिस्सा है, जहां आत्मनिर्भरता सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार बन चुकी है।

रोचक किस्सा

पैरासेल्सस

पैरासेल्सस पुनर्जागरण काल के उन विलक्षण व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए। 16 वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में उन्होंने फेरारा विश्वविद्यालय से चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की, जो उस दौर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। आज उन्हें आधुनिक विषविज्ञान का जनक कहा जाता है, परंतु उनका व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक विस्तृत था। वे न सिर्फ एक प्रख्यात चिकित्सक थे, बल्कि वनस्पतिशास्त्र और गूढ़ विद्याओं के भी गंभीर अध्ययनकर्ता रहे। यही गूढ़ रुचियां, उन्हें कई ऐसे प्रयोगों की ओर ले गईं, जो आज हमें अविश्वसनीय प्रतीत होते हैं। उनके सबसे चर्चित विचारों में से एक था- होमुनकुलस की कल्पना। पैरासेल्सस का दावा था कि मनुष्य का वीर्य, यदि उसे उचित गर्मी प्रदान की जाए और मानव रक्त से पोषित किया जाए, तो उसमें एक सूक्ष्म मानव यानी होमुनकुलस विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस प्रक्रिया के कथित चरणों

को विस्तार से लिखा, ताकि कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस "निर्माण" को आजमा सके। उनके अनुसार, लोककथाओं में वर्णित परियां, दैत्य और अन्य रहस्यमय जीव भी इसी प्रकार की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुए होंगे। हालांकि उस युग में विज्ञान अभी विकसित हो ही रहा था, फिर भी पैरासेल्सस की यह अवधारणा अत्यंत विचित्र मानी जाती थी। वैज्ञानिक समझ की सीमाओं और गूढ़ विश्वासों की मिश्रित दुनिया में जन्मे ये विचार आज हमें और भी असंगत एवं कल्पनाप्रधान लगते हैं। बावजूद इसके, पैरासेल्सस जैसे विचारकों ने इतिहास को यह सिखाया कि ज्ञान की खोज कभी रैखिक नहीं होती। कभी-कभी अजीब प्रयोग ही भविष्य की वैज्ञानिक सोच की नींव तैयार कर जाते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

तारों की बदलती स्थितियां

पृथ्वी के अक्ष दोलन का अद्भुत प्रभाव

पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है। पृथ्वी के दोलन का काल 26 हजार वर्ष का है। पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है और इसका वर्तमान झुकाव 23.44 डिग्री है। दरअसल इन दिनों पृथ्वी के घूर्णन और दोलन में आए बदलाव के कारण माना जा रहा है कि हमारी राशियों में भी बदलाव आ चुका है। राशियों का विषय ज्योतिषियों का है और राशियों में बदलावों को लेकर दुनिया के कई देशों में इन दिनों जबरदस्त चर्चा चल रही है। बहरहाल इस आलेख का आधार ज्योतिष न होकर खगोलीय विज्ञान आधार है। पृथ्वी तथा अन्य खगोलीय पिंडों की गति के आधार पर तमाम कैलेंडर प्रचलित हैं, जिसमें प्राचीन भारत में शुरू 27 नक्षत्रों पर आधारित पंचांग भी है। इन सबसे परे खगोल विज्ञान वैज्ञानिक दृष्टि से तारों और नक्षत्रों की गणना व उनका अध्ययन करता है। नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव पृथ्वी के अक्ष के दोलन और उसके झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है अर्थात पूरे दोलन का काल 26 हजार वर्ष है।

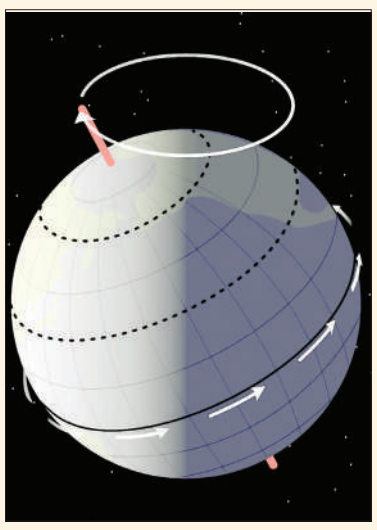

पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है। इसका एक उदाहरण मकर संक्रांति की तारीख में 14 से 15 जनवरी का बदलाव है। वर्तमान में यह झुकाव 23.44 डिग्री है और यह झुकाव धीरे-धीरे बदलता जाएगा। नक्षत्रों की अपनी परस्पर स्थिति में परिवर्तन हजारों-लाखों वर्ष में आता है। वर्तमान में पृथ्वी का झुकाव 23.44 डिग्री है, जिसे हम सब बचपन से 23.5 डिग्री सुनते आए हैं। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव स्थिर नहीं रहता है और लगभग 41 हजार वर्षों के लंबे चक्र में 22.1 और 24.5 डिग्री के बीच दोलन करता रहता है। पृथ्वी के झुकाव में परिवर्तन की दर लगभग 46.8 आर्क सेकंड प्रति शताब्दी है। 25 शताब्दियों की गणना के अनुसार 1170 आर्क सेकेंड का अंतर यानी 0.325 डिग्री का अंतर आया है। 2500 वर्षों की अवधि में प्राकृतिक चक्र के कारण होने वाला बदलाव बहुत छोटा है, एक अंश मात्र भर है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

ध्रुव तारा भी नहीं है स्थिर

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ध्रुव तारे के एक स्थान पर स्थिर होने की कहानी हम सब जानते हैं, लेकिन पृथ्वी के झुकाव में बदलावों के कारण पृथ्वी के सापेक्ष वर्तमान में उत्तर में नजर आने वाला ध्रुव तारा भी स्थिर नहीं है। पृथ्वी के अक्षीय दोलन के कारण हजारों वर्ष पूर्व तथा भविष्य में कोई अन्य तारा पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर होगा और ऐसा भी समय होगा, जब कोई ध्रुव तारा नहीं होगा। 14000 वर्ष पूर्व तथा 11700 वर्ष भविष्य में वेगा नामक एक चमकदार तारा ध्रुव तारे का स्थान लेगा।

जंगल की दुनिया

तकाहे

दक्षिण द्वीप का तकाहे पक्षी, जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी जीवित रेल प्रजाति है। कभी इसे पूरी तरह विलुप्त मान लिया गया था, लेकिन 1948 में मर्चिसन पर्वतों में इसकी चमत्कारिक पुनर्खोज ने सभी को अचंभित कर दिया। आज इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 400 से थोड़ी अधिक हो गई है। यह उत्साहजनक वृद्धि एक विशेष और सुव्यवस्थित संरक्षण कार्यक्रम का परिणाम है, जो अभयारण्यों और प्राकृतिक आवास दोनों में इनकी आबादी को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

हालांकि तकाहे का स्वरूप रेल परिवार की एक अन्य सामान्य प्रजाति पूकेको से मिलता-जुलता है, फिर भी नजदीक से देखने पर इनके बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है। पूकेको पतले होते हैं, उड़ सकते हैं और बहुत बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इसके विपरीत, तकाहे अधिक भारी-भरकम होता है, उड़ानहीन होता है और इसके पंख गहरे, चमकीले नीले और हरे रंगों की इंद्रधनुषी आभा से भरपूर होते हैं, जो इसे देखने में बेहद आकर्षक बनाते हैं। इन सभी विशेषताओं के कारण तकाहे न केवल एक जैविक दुर्लभता है, बल्कि प्रकृति की दृढ़ता और पुनर्जीवन की अद्भुत क्षमता का जीवंत प्रतीक भी है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

मेरी लगी श्याम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने...

श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव में भक्तिरस का अद्भुत संगम, बाहर से आए सुप्रसिद्ध गायक कलाकारों ने महोत्सव में बांधा समां

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: श्री श्याम मित्र मंडल बाजपुर के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव में बुधवार की रात भक्तिरस का अद्भुत संगम देखने को मिला।

नगर के इंटरमीडिएट कॉलेज खेल मैदान में सजे भव्य व दिव्य दरबार में आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा परिसर जय-श्याम के जयकारों से गुंजायमान होता रहा। महोत्सव में बाहर से पहुंचे सुप्रसिद्ध धार्मिक गायक कलाकारों शिवम रावल (इंदौर), साक्षी चौपड़ा (दिल्ली), अमन सावरिया (रुद्रपुर), अर्चित ग्रोबर (बाजपुर) आदि ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को देर रात तक भाव-विभोर कर दिया, जिसमें मेरी लगी श्याम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने, हारा हूं बाबा, मुझे तुम पर भरोसा है, जीतूंगा एक दिन मेरा दिल ये कहता है, बिन पानी के नाव खेह रहा है, वो नसीबों से ज्यादा दे रहा है, मेरे खाटू वाले का सारे जग में डंका बाजे जैसे भजनों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। भजन शुरू होते ही श्रद्धालु महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने हाथ लहराकर भावपूर्ण नृत्य किया और वातावरण श्याममय हो उठा। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना का विस्तार करना और युवा पीढ़ी को भक्ति से जोड़ना है। इसके लिए विशेष सजावट, खूबसूरत प्रकाश व्यवस्था और पुष्प वर्षा की गई, जिससे दरबार की भव्यता और बढ़ गई। कार्यक्रम के समापन पर विशाल प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर मुख्य पुजारी ओमप्रकाश इंदौरिया सूरजगढ़ धाम, पं.समन्वय भारद्वाज, अरुण कुमार, रवि बंसल, विराट शर्मा, रोहित भारती, सत्यम चंद्रा, युवराज श्रीवास्तव, विशेष जैन, विकास, विशु शर्मा, लव शर्मा, अमन शर्मा, सन्नी चानना आदि मौजूद रहे।

बाजपुर के इंटर कॉलेज में आयोजित महोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। ● अमृत विचार

निशान शोभायात्रा में प्रदर्शित श्री श्याम प्रभु खाटू नरेश की मनोरम झांकी।

बाजपुर में भव्य निशान शोभायात्रा निकाली गई

बाजपुर : गोरूगांव में होने वाले श्री श्याम खाटू वालों के विशाल जागरण के उपलक्ष्य में गुरुवार को नगर में भव्य निशान शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी श्रद्धालु हाथों में ध्वज थामे हुए श्याम भक्ति में लीन नजर आए। निशान यात्रा की शुरुआत अनाज मंडी परिसर में स्थित श्री खाटू धाम से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। यात्रा में सबसे आगे शीश के दानी श्री श्याम प्रभु खाटू नरेश की मनोरम झांकी आकर्षण का केंद्र रही, जिसे श्रद्धालु श्रद्धा से निहारते हुए आगे बढ़ते रहे। झांकी के पीछे हाथों में ध्वज लिए श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की ताल पर नाचते-गाते हुए जयकारों के साथ आगे बढ़े। पूरा वातावरण श्री खाटू नरेश की जय के उद्घोष से गूंज उठा। करीब पांच किलोमीटर की पैदल यात्रा पूर्ण करने के बाद शोभायात्रा गोरूगांव स्थित जागरण स्थल पहुंची, जहां ध्वजों की स्थापना की गई। आयोजन समिति से जुड़े सदस्यों ने बताया कि रात होने वाले विशाल जागरण में प्रसिद्ध भजन सम्राट कन्हैया मित्तल के साथ ही प्रदेश एवं विभिन्न राज्यों से भजन गायक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। निशान यात्रा शांति एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई।

बाजपुर में निशान शोभायात्रा में शामिल महिला श्रद्धालु।

आंगनबाड़ी मेले में दिया गया रचनात्मकता पर जोर

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बाल विकास परियोजना और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को बांसखेड़ा सेक्टर में आंगनबाड़ी मेले का सफल आयोजन किया गया। इस मेले का उद्देश्य बच्चों के प्रारंभिक विकास और शिक्षा में रचनात्मकता को बढ़ावा देना था।

मेले का उद्घाटन बाल विकास परियोजना अधिकारी विमला बाराकोटी और बांसखेड़ा सेक्टर की सुपरवाइजर अनीता गुप्ता ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सुपरवाइजर अनीता गुप्ता ने मेले के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। वहां आए सभी लोगों ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लगाए गए रचनात्मक स्टालों का अवलोकन किया। मेले में लगभग 65 चार्ट की एक प्रभावशाली प्रदर्शनी लगाई गई थी। इन चार्ट्स में गिनती, अच्छी आदतें, जानवरों और उनके आवास, गांव और सामुदायिक सहायक जैसे विविध विषयों को दर्शाया गया था। साथ ही मेले में कई दिलचस्प गतिविधियां आयोजित की गई, जो बच्चों के विकास के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित थीं। कार्यक्रम में 32 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और 30 बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री ने किया। यहां सुपरवाइजर नीरू रानी, प्रमिला कोहली, सुनीता जोशी, वंदना, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से कल्पना, मुनेन्द्र, अदिति, जुबैर, जितेंद्र, संजय आदि मौजूद रहे।

हिंदी की प्रासंगिकता विषय पर विचार गोष्ठी

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से करियर काउंसलिंग के तहत रोजगार के क्षेत्र में हिंदी की प्रासंगिकता विषय पर विचार गोष्ठी संपन्न हुई। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालधन चौड़ के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. गिरीश पंत ने कहा कि वर्तमान समय हिंदी भाषा की प्रासंगिकता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है। रोजगार के क्षेत्र में पत्रकारिता, रेलवे बैंकिंग, राजस्व, सैन्य सेवा एवं अन्य प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं में हिंदी विषय से संबंधित प्रश्नों को अधिक मात्रा में पूछा जाता है। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र सिंह कुशवाहा ने वर्तमान सामाजिक चुनौतियों को स्वीकार करने में हिंदी की महत्ता पर गहनता पूर्वक प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. खुशाल सिंह, डॉ. कुंवरपाल सिंह, डॉ. शक्ति सिंह राणा, डॉ. उदय कुमार, डॉ. किरन कुमार पंत, डॉ. रीता देवी आदि मौजूद रहे।

भाजपा नेता के भाई के निधन पर जताया दुख

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि धर्मराज जायसवाल के भाई किशन चंद जायसवाल के निधन की सूचना पर क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसियों ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

ज्ञात हो कि 3 दिन पूर्व नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष अंजू जायसवाल के जेठ एवं भाजपा नेता धर्मराज जायसवाल के भाई किशन चंद जायसवाल का हार्ट अटैक होने के बाद आकस्मिक निधन हो गया था। विधायक तिलक राज बेहड़ सहित कांग्रेस प्रदेश सचिव राजेश प्रताप सिंह एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ओमप्रकाश दुआ ने भाजपा नेता जायसवाल के आवास विकास स्थित निवास पर पहुंच कर स्वर्गीय कृष्ण चंद्र के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और इस दुख की घड़ी में ईश्वर से परिवार जनों को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मौके पर गीता जायसवाल, धर्मराज जायसवाल, हरिश्चंद्र जायसवाल, उदय राज, अभय राज, नीरज, मनीष, अश्वनी जायसवाल, शीतल जायसवाल, पूजा जायसवाल, आरती जायसवाल, दीपाली जायसवाल आदि मौजूद रहे।

किच्छा में जायसवाल परिवार के साथ विधायक तिलक राज बेहड़। ● अमृत विचार

सरदार पटेल की जयंती पर निकाली 'यूनिटी ऑफ रन' यात्रा

● जगह-जगह पदयात्रा का लोगों ने किया स्वागत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: काशीपुर विधानसभा क्षेत्र में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आज 'यूनिटी ऑफ रन' पदयात्रा का आयोजन किया गया।

बृहस्पतिवार को यात्रा का शुभारंभ विधायक त्रिलोक सिंह चीमा एवं मेयर दीपक बाली ने संयुक्त रूप से किया। यह पदयात्रा ढकिया गुलाबों से प्रारंभ हुई। जिसका संचालन कवि नगर मंडल द्वारा किया गया। यह यात्रा कलश मंडप होते हुए टांडा तिराहे, रेलवे स्टेशन के सामने से पंत पार्क पर पहुंची, जिसका स्वागत नगर मंडल द्वारा किया गया। पंत पार्क पर सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर सभी ने फूल अर्पित किये। इसके बाद यह यात्रा पंत पार्क से प्रारंभ होकर तहसील रोड होते हुए मुख्य बाजार से नगर निगम में समाप्त हुई। पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली गई। पदयात्रा में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल ने अपने दमखम और अडिग इच्छा शक्ति से देश के 562 रियासतों का सफल एकीकरण कर आधुनिक भारत की नींव रखी।

उन्होंने कहा कि आज हम जिस एक भारत को देखते हैं, वह सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम हैं। पदयात्रा में पूर्व महापौर ऊषा चौधरी, गुरविंदर सिंह चंडोक, प्रियंका अग्रवाल, सुशील शर्मा, राजकुमार यादव, इंतजार हुसैन, कविता यादव, रजत सिद्धू, ईश्वर चंद्र गुप्ता, अवनीश चौहान, समरपाल चौधरी, धीरज वर्मा, मंजू यादव, मोहित भारद्वाज, अशोक सैनी, कुंदन सैनी, वीर सिंह चौहान आदि शामिल रहे।

काशीपुर के पंत पार्क में सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपाई। ● अमृत विचार

किच्छा में नशे से दूर रहने की सामूहिक शपथ ग्रहण करते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

स्कूली बच्चों ने नशे से दूर रहने का लिया संकल्प

किच्छा : नगर स्थित सेंट मैरी जूनियर हाई स्कूल तथा ग्राम छिनकी स्थित सेंट मैरी हायर सेकेंडरी स्कूल में नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत सैकड़ों बच्चों को नशे से दूर रहने की सामूहिक शपथ दिलाते हुए नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर बच्चों ने नशे से दूर रहने तथा अपने आस पड़ोस व परिवार के सदस्यों को नशे के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। नगर के आवास विकास तथा ग्राम छिनकी स्थित दोनों विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक एम रहमान अंसारी ने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि नशा हमारे देश और समाज के लिए अभिशाप है, इसीलिए अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए बच्चों को नशे से दूर रहना होगा। मौके पर हिमानी पाल, कशिश मलिक, अली अंसारी, अलशिफा, गुलिस्ता, इल्मां मलिक, सबीना मलिक, फातिमा अंसारी, अंशा अंसारी आदि मौजूद रहे।

बाटनागाड़ पुल की जल्द दूर हो अड़चन: पांडेय

संवाददाता,टनकपुर

अमृत विचार: पूर्णागिरि धाम को जाने वाले मार्ग पर अक्सर मुसीबत बनने वाले बाटनागाड़ क्षेत्र का शीघ्र ही निस्तारण होने जा रहा है। धार्मिक और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस प्रस्तावित पुल की डीपीआर (विस्त्रित परियोजना रिपोर्ट) तैयार है। साथ ही वन केस ऑनलाइन होने के साथ पत्रावली नोडल स्तर पर है।

बाटनागाड़ के इस प्रस्तावित पुल के प्रस्तावित क्षेत्र का दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडेय ने निरीक्षण कर अड़चनों को दूर करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने शारदा नदी से ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे भू कटाव क्षेत्र का भी निरीक्षण किया।मार्च 2023 को पूर्णागिरि मेले का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्णागिरि मार्ग (टनकपुर-ठुलीगाड़ सड़क) पर बाटनागाड़ में पुल के निर्माण की घोषणा की थी। बाटनागाड़ का नाला पूर्णागिरि धाम के साथ नेपाल सीमा से लगे क्षेत्रों के मद्देनजर बेहद महत्वपूर्ण है।

> लोक निर्माण विभाग ने बाटनागाड़ पुल की डीपीआर तैयार कर ली है। 310 मीटर लंबाई के इस पुल का करीब 36 करोड़ रुपये से निर्माण होगा। मौजूदा सड़क से मामूली डाउन स्ट्रीम में पुल बनेगा। वन केस ऑनलाइन कर दी गई है। पत्रावली नोडल स्तर पर है।- **एमसी पलड़िया**, अधिशासी अभियंता, लोनिवि, चम्पावत खंड।

डेरा कार सेवा में हुआ संत समागम

संवाददाता, नानकमत्ता

अमृत विचार: डेरा कार सेवा नानकमत्ता में सचखण्ड वासी बाबा फौजा सिंह, बाबा टहल सिंह, बाबा हरबंश सिंह और बाबा तरसेम सिंह की बरसी तथा संत समागम का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर लड़ियों वाले अखण्ड पाठ साहिब का भोग डाला गया, जिसमें दूर-दूर से आए संतों ने गुरुबाणी का पाठ किया।

समागम में बाबा सुखदेव सिंह ने उपस्थित सैकड़ों संगत को गुरुबाणी का उपदेश दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को सच्चे मन से गुरु की सेवा करनी चाहिए, क्योंकि गुरु की सेवा ही सबसे बड़ा कर्म है। सच्ची भक्ति और सेवा से ही मन को शांति मिलती है और पापों का नाश निश्चित होता है। पीलीभीत, माधोपुरी टांडा, और पलिया सहित कई क्षेत्रों से आई सैकड़ों संगत ने श्रद्धापूर्वक संत समागम में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने दिवंगत बाबाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की, दरबार साहिब में मत्था टेका और लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। विशेष रूप से, सचखण्ड वासी बाबा तरसेम सिंह द्वारा स्थापित पन्थरतन चैरिटेबल अस्पताल की ओर से संगत को निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। इस मौके पर डेरा कार सेवा जत्थेदार बाबा रविन्द्र सिंह, बाबा श्याम सिंह, गुरुद्वारा प्रबंधक रणजीत सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना और किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

नानकमत्ता में गुरबाणी सुनाते बाबा सुखदेव सिंह। ● अमृत विचार

आयोजन बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक कृषि, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सहित सामाजिक सरोकारों पर किए कार्यक्रम

सेंट मैरीज स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने बांधा समां

सेंट मैरीज स्कूल के वार्षिक उत्सव का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

स्कूल के 60वें वार्षिक उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे।

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सेंट मैरीज सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाजपुर में गुरुवार को 60वां वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एडीएम पंकज उपाध्याय, एएसपी बुलंदशहर रिजुल कुमार तथा एसडीएम बाजपुर डॉ.अमृता शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन करके किया।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक कृषि, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सहित सामाजिक सरोकारों को केंद्र में रखकर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को दर्जा राज्य मंत्री गन्ना मंजीत सिंह राजू, भाजपा नेता गौरव शर्मा, कांग्रेस नेता वरुण कपूर, खंड शिक्षा अधिकारी सत्येंद्र यादव, पंकज कुमार रस्तोगी, धीरज शर्मा, शशि जोशी, परमजीत कौर सैनी, सहित सभी अतिथियों ने सराहा। उन्होंने कहा कि विद्यालय द्वारा बच्चों को सामाजिक संवेदनाओं के साथ शिक्षा प्रदान करना सराहनीय है। प्रधानाचार्या डॉ.शाइनी पाल ने विद्यालय की 60वीं वर्षगांठ पर सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सेंट मैरीज चर्च के फादर उदय डिसूजा, फादर डैरिक पिंटो, फादर राबर्ट, फादर आलोक नायक, डा.नरेंद्र खत्री, व्यापार मंडल अध्यक्ष गणेश राय खुल्लर मौजूद रहे।

परमेश्वर का सदैव सिमरन करना चाहिए

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: निकटवर्ती ग्राम धीमरखेड़ा में आयोजित दो दिवसीय सत्संग में संत ध्यान प्रेमानंद महाराज और संत विज्ञान प्रेमानंद महाराज ने संयुक्त रूप से अपने प्रवचनों में परिवार को युवा पीढ़ी के संस्कार निर्माण का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने कहा कि जात-पात और ऊंच-नीच की भावना को त्यागकर युवाओं को सत्संग की ओर प्रेरित करना चाहिए, ताकि समाज में सद्भाव और आध्यात्मिक जागरण बढ़ सके।

संतों ने गुरु महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि मानव को सुख-दुख में सदैव अपने परम पिता परमेश्वर का सिमरन करना चाहिए। नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए उन्होंने युवाओं से जीवन में अनुशासन और भक्ति को अपनाने का आह्वान किया। संत भक्ति प्रेमानंद और संत विचार सांतानंद ने कहा कि संतों की शरण में जाने से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग सरल हो जाता है। सत्संग के दौरान दिल्ली से आए संत श्री हरि अनमोलानंद जी के मधुर भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर नृत्य करते रहे। कार्यक्रम के अंत में मंदिर की गुंबद पर ध्वज पताका फहराई गई। कार्यक्रम को संत ध्यान प्रेमानंद महाराज, संत विज्ञान प्रेमानंद, संत हरि संगीता, संत अध्यात्म प्रेमानंद, संत भक्ति प्रेमानंद, संत आलोक प्रेमानंद, संत विचार सांतानंद, संत ब्यासपुरी, संत ध्यानपुरी सहित कई संतों ने संबोधित किया। इस मौके पर राजरानी कंबोज, रितु खुराना, कांता यादव, दीक्षांत यादव, हिमानी, अंशुल, करण, अमित कालरा, हेमा कालड़ा, वंदना कालड़ा, अंशिका मौजूद रहे।

बाजपुर के ग्राम धीमरखेड़ा केलाखेड़ा में सत्संग के दौरान प्रवचन देते संत।

वर्ल्ड ब्रीफ

खाई में गिरा वाहन, तीन बारातियों की मौत

देहरादून : चमोली जिले में एक वाहन के खाई में गिरने से तीन बरातियों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बुधवार देर शाम हेलंग-उर्गम मोटर मार्ग पर बिजलीघर के समीप बरातियों को लेकर उर्गम से लौट रही सूमो खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन सवार ध्रुव व कन्हैया की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अस्पताल में उपचार के दौरान मिलन ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, वाहन में पांच लोग थे, जो उर्गम में बरात में शामिल होकर अपने गांव सलूड लौट रहे थे। पल्ला गांव निवासी वाहन चालक कमलेश और सलूड निवासी पूरन सिंह घायल हैं।

सरिता साधन सहकारी समिति की अध्यक्ष बनीं

लोहाघाट : विकास खंड लोहाघाट में

गुमदेश साधन सहकारी समिति खतेड़ा के चुनाव संपन्न हो गए हैं। चुनाव में सरिता अधिकारी को निर्विरोध समिति का अध्यक्ष चुना गया। गुरुवार को कित्मोली में ग्राम विकास अधिकारी नारायण सिंह कार्की की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। 11 सदस्य चुनाव मैदान में उतरे थे, जिसमें सर्वसम्मति से सरिता अधिकारी को अध्यक्ष और विमला देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर बसंती, दीपा देवी, अमर सिंह, हेम चन्द्र, चतुर सिंह, त्रिलोक सिंह, ईश्वर राम, योगेश रहे।

जल जीवन मिशन में जांच की मांग

पिथौरागढ़ : गंगोलीहाट विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के दावे कर जल जीवन मिशन के तहत चार साल पहले 62 पेयजल योजनाओं को स्वीकृति मिली थी। इन योजनाओं को वर्ष 2022-23 में पूरा होना था। अब तक भी ये योजनाएं धरातल पर नहीं उतरीं। जाग उठा पहाड़ के संयोजक गोपू महर ने एडीएम योगेंद्र सिंह को ज्ञापन देकर मामले की जांच की मांग की है। एडीएम ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी।

दो साल से नहीं लगा आधार पंजीकरण शिविर

चम्पावत : नेपाल सीमा से लगे मंच क्षेत्र के ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से आधार पंजीकरण शिविर लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि आधार कैंप न लगने से यहां के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता शेर सिंह महर ने बताया कि मंच क्षेत्र में पिछले दो वर्ष से आधार कैंप नहीं लग पाया है, जिससे लोग परेशान हैं।

नीति निर्माण में जमीनी हकीकत का हो प्रतिबिंब

राजधानी में प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन में हुआ विकसित उत्तराखंड @ 2047 पर मंथन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन का उद्घाटन करते मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, साथ में वरिष्ठ अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तराखंड शासन गुरुवार को अपनी दीर्घकालिक विकास प्राथमिकताओं को पुनः रेखांकित करते हुए नीति-निर्माताओं, वरिष्ठ प्रशासकों और जिला अधिकारियों को विकसित उत्तराखंड @ 2047 के रोडमैप को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ लाया।

सचिवालय के वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में दो दिवसीय प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन के उद्घाटन संबोधन में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने एओसी को क्षेत्रीय अधिकारियों और नीति-निर्माताओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद का महत्वपूर्ण मंच बताया। कहा कि आमने-सामने की भागीदारी समन्वय को मजबूत करती है और उन क्षेत्रीय मुद्दों पर स्पष्टता लाती है, जिनके समाधान के लिए नीति-स्तरीय हस्तक्षेप आवश्यक है। मुख्य सचिव ने पर्यटन, बागवानी, स्वास्थ्य एवं वेलनेस और शहरी विकास को राज्य की विकास यात्रा के प्रमुख स्तंभों के रूप में चिन्हित करते हुए अनियोजित शहरी विस्तार को रोकने हेतु नियोजित एवं सतत शहरीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। सीएस ने जोर दिया कि, विकसित उत्तराखंड 2047 तभी साकार होगा, जब नीति निर्माण में जमीनी वास्तविकताओं का समुचित प्रतिबिंब हो। आशा है कि यह विचार-विमर्श हमारे साझा दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए ठोस और समन्वित समाधान प्रदान करेगा।

जीएसडीपी 28.92 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान

प्रमुख सचिव डा. आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने विकसित उत्तराखंड 2047 की विजनिंग प्रक्रिया प्रस्तुत की और वर्ष 2025 से 2047 तक सतत विकास प्राप्त करने हेतु प्रस्तावित व्यापक आर्थिक मार्गों का विवरण दिया। बताया गया कि राज्य का जीएसडीपी 3.78 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2047 तक 28.92 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने उच्च-मूल्य कृषि की ओर संक्रमण, सेवा क्षेत्र के विस्तार, डिजिटल पहुंच एवं गुणवत्ता के सुदृढ़ीकरण, साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन की आवश्यकता पर जोर दिया।

जिलाधिकारियों ने यह दिया प्रस्तुतिकरण: बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, ऊधम सिंह नगर और हरिद्वार के जिलाधिकारियों ने क्रमशः हर्बल एवं औषधीय पौधों, वाइब्रेंट विलेजेज, बागवानी की संभावनाएं, आकांक्षी जिला पहल तथा कचरा प्रबंधन से संबंधित जिला-स्तरीय उत्कृष्ट कार्यों का प्रस्तुतीकरण दिया। विभिन्न जिला-स्तरीय चुनौतियों को भी जिलाधिकारियों द्वारा साझा किया गया। इस पर मुख्य सचिव ने सुझाव दिया कि चुनौतियों के समाधान एवं राज्य के त्वरित विकास हेतु कुछ संस्थागत ढांचे विकसित करने आवश्यक हैं। अपर सचिव नवनीत पांडेय ने सम्मेलन का सफल संचालन किया। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु व एलएल फैनई सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

वित्त सचिव ने वित्तीय स्थिति पेश की

वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने राज्य की वित्तीय स्थिति प्रस्तुत करते हुए उभरती चुनौतियों जैसे-अनुदानों की समाप्ति, राजस्व वृद्धि में मंदी और व्यय में बढ़ोतरी का उल्लेख किया। उन्होंने साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण, यथार्थवादी अनुमान, लाइफ-साइकिल लागत आकलन और विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि राज्य की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

बेहतर एकीकरण की आवश्यकता पर बल

इंफ्रास्ट्रक्चर एवं मोबिलिटी रोडमैप प्रस्तुत करते हुए सचिव पंकज पांडे ने पिछले 25 वर्षों में बेहतर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हुई प्रगति को रेखांकित किया और डी-कंजेशन उपायों, मजबूत एवं लचीले बुनियादी ढांचे, तथा सार्वजनिक परिवहन के बेहतर एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया, विशेषकर पर्यटन तथा आर्थिक विकास को गति देने के लिए। पर्यटन विभाग की अतिरिक्त सचिव ने विंटर टूरिज्म की अवधारणा प्रस्तुत की। इस संबंध में कुछ सर्किट चिन्हित किए गए हैं तथा इसे क्रियाशील बनाने के लिए नीतियों एवं प्रभावी अभिसरण की आवश्यकता पर बल दिया।

तकनीक पर आधारित होगी पुलिसिंग: डीजीपी

हैकाथॉन 3.0 में प्रथम स्थान की टीम को पुरस्कृत करते डीजीपी दीपम सेठ।

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने कहा कि, हैकाथॉन 3.0 ने फिर साबित किया कि भविष्य की पुलिसिंग तकनीक आधारित होगी और इसे आगे ले जाने का नेतृत्व हमारे देश के युवा तकनीकी मस्तिष्क करेंगे। यहां प्रस्तुत समाधान केवल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि सुरक्षित समाज और स्मार्ट गवर्नेंस की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उत्तराखंड पुलिस ऐसे नवप्रवर्तनों को निरंतर सहयोग देती रहेगी।

देवभूमि उत्तराखंड का प्रमुख राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज हैकाथॉन 3.0 पूरे देश के तकनीकी उत्साही युवाओं के लिए सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसे युवा नवप्रवर्तकों से अप्रत्याशित रूप से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

हैकाथॉन 3.0 में प्रथम स्थान टीम एन/ए (टीम-15), द्वितीय स्थान- टीम वोल्डेबग एंड एल्गोरिदम और टीम बाइट शील्ड एंड क्वाड्राटेक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष, 129 टीमों ने 27 अक्टूबर से 8 नवंबर तक की पंजीकरण अवधि में अपने रचनात्मक और उच्च प्रभाव वाले विचार प्रस्तुत किए। 9 नवंबर को आयोजित प्रीलिम राउंड में सभी टीमों ने छह घंटे की समयावधि में अपनी कॉन्सेप्ट प्रेजेंटेशन जमा कीं। प्रत्येक विचार का नवाचार, तकनीकी गुणवत्ता, व्यवहार्यता और डिजिटल पुलिसिंग पर संभावित प्रभाव के आधार पर कठोर बहु-स्तरीय मूल्यांकन किया गया। गहन समीक्षा के बाद, 15 टीमों का चयन ऑन-साइट फाइनल के लिए किया गया, जहां उन्हें अपने विचारों को वास्तविक, कार्यशील प्रोटोटाइप में बदलने की चुनौती दी गई।

ग्रैंड फिनाले 18 नवंबर को पुलिस लाइन, देहरादून में आयोजित किया गया, जहां 13 फाइनलिस्ट टीमों ने 36 घंटे के बेहद चुनौतीपूर्ण नॉन-स्टॉप हैकाथॉन में भाग लिया।

प्रतिभागियों ने अपनी सीमाओं को पार करते हुए धैर्य, टीमवर्क और उच्च स्तरीय कोडिंग कौशल का प्रदर्शन किया और ऐसे तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए जो कानून प्रवर्तन और सार्वजनिक सुरक्षा के भविष्य को बदलने की क्षमता रखते हैं। प्रतिभागियों ने आधुनिक पुलिसिंग से जुड़े महत्त्वपूर्ण और वास्तविक चुनौती क्षेत्रों पर काम किया। हैकाथॉन में 1500 छात्रों, 250 टीमों और प्रेरणादायक 200 महिला कोडर्स की भागीदारी रही, जो राष्ट्रीय सुरक्षा नवाचार में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों के उत्साह एवं तकनीकी कौशल की सराहना की। अन्य उपस्थित विशिष्ट जनों में वी. मुरुगेशन अपर पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं कानून व्यवस्था), एपी अंशुमान अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशासन), नीलेश आनन्द भरणे पुलिस महानिरीक्षक (एसटीएफ/साइबर), कृष्ण कुमार वी.के. पुलिस महानिरीक्षक, दूरसंचार, नवनीत सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ, अजय सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून, कुश मिश्रा सहायक पुलिस अधीक्षक, साइबर उत्तराखंड, मोहित अग्रवाल निदेशक डीबीएस ग्लोबल यूनिवर्सिटी शामिल रहे।

ज्ञापन देने कलक्ट्रेट पहुंचे वंचित राज्य आंदोलनकारी। ● अमृत विचार

आंदोलनकारी गुमनाम जीवन जीने को मजबूर

पिथौरागढ़, अमृत विचार : वंचित राज्य आंदोलनकारियों ने समिति के जिलाध्यक्ष जगदीश चंद्र जोशी के नेतृत्व में गुरुवार को कलक्ट्रेट पहुंचकर एडीएम को ज्ञापन दिया। कहा कि राज्य गठन आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने के बाद भी वे गुमनाम जीवन जीने को मजबूर हैं। चार वर्षों से चिन्हीकरण कर राज्य आंदोलकारी का दर्जा देने की मांग की जा रही है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। चिन्हीकरण के नाम पर सिर्फ झूठे आश्वासन मिल रहे हैं। यदि शीघ्र चिन्हीकरण कर उन्हें राज्य आंदोलनकारी का दर्जा नहीं मिला तो वे आंदोलन को विवश होंगे। ज्ञापन देने वालों में राजेंद्र पांडे, केशव देवलाल, रमेश सिंह बिष्ट, मोहन चंद्र पांडे, रमेश सिंह, राम सिंह आदि शामिल रहे।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह का समापन

सवाददाता, रानीखेत

महाविद्यालय में प्रतियोगिता के विजेताओ को पुरस्कृत करते प्राचार्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : स्वर्गीय श्री जयदत्त वैला राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता बड़े उत्साह, अनुशासन और खेलभावना के साथ सम्पन्न हुई। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस क्रीड़ा महोत्सव में बीए, बी.कॉम, बीएससी तथा परास्नातक कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर ट्रैक एवं फील्ड की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो० बिभेश कुमार सिंह, प्राचार्य, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर रहे।जिन्हें महाविद्यालय के प्राचार्य एवं आयोजन समिति द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर औपचारिक स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पदक, प्रशस्ति-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। दूसरे दिन की प्रतियोगिताओं की शुरुआत लंबी कूद बालक एवं बालिका वर्ग से हुई। जिसमें प्रतिभागियों ने बेहतरीन छलांग लगाकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। इसके बाद ऊँची कूद, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़ तथा 4×100 मीटर रिले रेस जैसे रोमांचक फाइनल आयोजित हुए। जिनमें फिनिशिंग लाइन तक कड़ी टक्कर देखने को मिली।

बख में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

- लंबे समय से आतंक का पर्याय बना था गुलदार
- अंधेरा होते ही घरों में दुबकने को मजबूर थे लोग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में बख में लगे पिंजरे में गुलदार कैद हुआ। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अल्मोड़ा नगर से सटे ग्राम सभा बख में आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। गुलदार के पिंजरे में कैद होने से लोगों और वन विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

दरअसल, लंबे समय से धारानौला के चीनाखान, गोपालधारा, गोलनाकरड़िया, सरसों, बख समेत कई इलाकों में गुलदार की धमक से लोगों में दहशत थी। आए दिन रिहायशी इलाकों में गुलदार की चहलकदमी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो रही थी। जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ था। वहीं, घरों के आंगन से गुलदार कई कुत्तों को भी उठा ले गया। लोगों की मांग के बाद वन विभाग ने क्षेत्र के बख गांव समेत अन्य इलाकों में पिंजरा लगाया हुआ था। वहीं, गुरुवार तड़के गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। जिसे रेस्क्यू कर विभाग ने एनटीडी स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया है। वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम आर्य ने बताया कि शिकायत मिलने पर बख में विभाग की ओर से पिंजरा लगाया गया था। गुरुवार तड़के गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। पकड़े जाने के बाद गुलदार को रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है।

शीघ्र करें शिकायतों का निस्तारण

अल्मोड़ा: गुरुवार को अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र ने सभी तहसीलों के उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक की। इस दौरान उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का निस्तारण न्यूनतम समय में करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को राजस्व विभाग के अंतर्गत सिंगल विंडो सिस्टम के तहत अनापत्ति प्रमाणपत्र से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण शीघ्रतम एवं समयबद्ध रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिंगल विंडो सिस्टम पर लंबित आवेदनों की तुरंत समीक्षा कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन से जुड़े मामलों पर शीघ्रता से कार्रवाई करने को कहा।

नो वर्क नो पे पर भड़के उपनल कर्मचारी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा वन विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते उपनल कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सरकार की ओर से नो वर्क नो पे का आदेश जारी करने पर उपनल कर्मी भड़क उठे हैं। गुरुवार को भी वन विभाग के उपनल कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया। मांगें पूरी होने तक डटे रहने का आह्वान किया।

सरकार की ओर राज्य में सरकारी विभागों में हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं, उपनल में नो वर्क नो पे लागू किया है। नो वर्क नो पे लागू करने से अल्मोड़ा में पिछले नौ दिनों से हड़ताल पर चल रहे वन विभाग के उपनल कर्मियों का आक्रोश भड़क उठा है।

कहा कि कर्मचारी पिछले आठ दिनों से अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक उनकी मांगों को पूरा करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उलटा नो वर्क नो पे लागू कर सरकार कर्मचारियों की आवाज को दबाने का काम कर रही है। उपनल कर्मियों ने कहा कि जब तक नियमितीकरण, समान कार्य समान वेतन, पदों के सृजन आदि मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती वह कार्यबहिष्कार पर डटे रहेंगे। यहां अध्यक्ष राजेश पांडे, दिनेश सिंह परिहार, संदीप, भुवन परिहार, अंकित, ललित कुमार, अशोक बोरा, भानु प्रकाश बेलवाल, अनिल जीना, ममता वर्मा, मनोज भट्ट, दीपक रावत, अमित आदि रहे।

पेंशन का लाभ नहीं मिलने पर नाराजगी

अल्मोड़ा : पेंशन समेत तमाम समस्याओं के निराकरण को लेकर राज्य आंदोलनकारी मुखर हो गए है। गुरुवार को राज्य आंदोलनकारियों ने सीडीओ से मुलाकात कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा कि राज्य आंदोलनकारियों की आश्रित महिलाओं ने कहा कि तीन वर्ष पूर्व जिला कार्यालय में पेंशन के लिए आवेदन दिए थे, लेकिन आज तक उन्हें पेंशन नहीं मिली है। महिलाओं ने जल्द से जल्द पेंशन देने की मांग की। साथ ही आंदोलनकारियों ने सम्मान जनक पेंशन देने, मनिआगर नगरखान सड़क में डामरीकरण, नगरखान-तुरीनौला, गिरचोला-दौला, नगरखान-भेटा डांगी लिंक सड़कों के निर्माण, जीआईसी नगरखान के भवन निर्माण की मांग उठाई।

आरक्षी रघुबीर सिंह मुख्य आरक्षी के पद पर पदोन्नत

एसएसबी मुख्यालय में जवान को पदोन्नति देते महानिदेशक।

रानीखेत, अमृत विचार : सीमांत मुख्यालय में बलकार्मिक आरक्षी रघुबीर सिंह को मुख्य आरक्षी के पद पर पदोन्नत किया गया। इस उपलक्ष्य में अमित कुमार महानिरीक्षक सीमांत रानीखेत के द्वारा कार्मिक को पदोन्नती अनुसार रैंक लगाकर शुभकामनाएं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पद के अनुसार अपनी जिम्मेवारी को बखूबी निभाने तथा साथ ही साथ बल का नाम रौशन करने की सुझाव दिए। समारोह में दुर्गा बहादुर सोनार उप महानिरीक्षक, डॉ. ओबी सिंह, उपमहानिरीक्षक चिकित्सा, देबासिस पाल कमांडेंट, डॉ.जे के शर्मा कमांडेंट, कुमार सुंदरम द्वितीय कमान अधिकारी, अनिल कुमार जोशी उप कमांडेंट, प्रभाकर उप कमांडेंट आदि रहे।

मशरूम उत्पादन से किसानों की आय में बढ़ोतरी

चम्पावत, अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनपद चम्पावत में उद्यान के माध्यम से कृषकों की आय को दुगना करने के निर्देशों के क्रम में जिला योजना अंतर्गत उद्यान विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में जनपद के चारों विकासखंडों में मशरूम उत्पादन को प्रोत्साहित करते हुए कुल 28 टन मशरूम कम्पोस्ट 80 प्रतिशत राज सहायता पर वितरित किया गया। जिला उद्यान अधिकारी हरीश लाल कोहली ने बताया कि पाटी में 34, बाराकोट में 7, लोहाघाट में 4 तथा चम्पावत में 24 कृषकों को यह कम्पोस्ट उपलब्ध कराया गया, जिनमें हयात सिंह, सोबन सिंह, मनोज भट्ट एवं देवकी देवी व अन्य कृषक शामिल हैं। अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में उपलब्ध कराए गए इस कम्पोस्ट से मात्र डेढ़ माह में ही उत्पादन शुरू हो गया है।

टनकपुर में सहकारिता मेले का हुआ समापन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में गांधी मैदान में आयोजित सात दिवसीय सहकारिता मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मेले का समापन मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार ने किया। सहकारिता विभाग के संयुक्त निबंधक सुमंगलम त्रिपाठी ने भी पुरस्कार दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 13 नवम्बर को शुभारम्भ किए गए इस मेले में विभागीय प्रदर्शनी, महिला स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी तथा विभिन्न सहकारी समितियों की सक्रिय उपस्थिति ने व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की। पूरे जनपद से आए लोग मेले में स्थापित स्टॉलों पर जानकारी प्राप्त करने, स्थानीय उत्पाद खरीदने तथा विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाने पहुंचे।

मेले के दौरान कृषि विभाग ने 25,470, उद्यान विभाग ने 3,880 तथा डेयरी विभाग ने 2,500, शिव महिमा स्वायत सहकारिता द्वारा 35,000, उत्तराखण्ड हॉर्टिकल्चर फेडरेशन द्वारा 30,000, मुख्यमंत्री सशक्त बहना योजना के तहत 10,000, दीदी की रसोई द्वारा 15,000, हरबोला आर्ट एंड क्राफ्ट द्वारा 1,600 तथा आरुषी स्वयं सहायता समूह द्वारा 9,000 रुपये का व्यवसाय दर्ज किया गया। विभागीय स्टॉलों के माध्यम से कुल 1,40,000 रुपये से अधिक का व्यवसाय हुआ।

सुरक्षा को लेकर एजेंसियां अलर्ट

संवाददाता, अल्मोड़ा

जागेश्वर में गुरुवार को एसएसपी के नेतृत्व में सुरक्षा एजेंसियों ने निरीक्षण किया।

अमृत विचार: दिल्ली में पूर्व में हुए ब्लॉस्ट के बाद धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है। गुरुवार को अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम का सुरक्षा एजेंसियों ने निरीक्षण किया। इस दौरान धाम के सेफ्टी ऑडिट की समीक्षा की गई तो सुरक्षा में तमाम खामियां मिलीं। इस पर इन खामियों को दूर करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

दरअसल, दिल्ली में बीते दिनों हुए ब्लॉस्ट के बाद सुरक्षा एजेंसिया देश भर में अलर्ट हो गई हैं। वहीं, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। इधर, अलर्ट के बीच गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा के नेतृत्व में आईबी, एलआईयू सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां जागेश्वर धाम पहुंच सुरक्षा का ऑडिट किया। टीम ने पाया कि जागेश्वर धाम में मास्टर प्लान के तहत केवल मंदिर में ही सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। मंदिर के बाहर, बाजार या रामलीला मंच के पास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। प्रवेश द्वार पर लगे सीसीटीवी से ही सुरक्षा मापी जा रही है। बाजार और सड़क पर कैमरा नहीं लगाया गया है।

डीएफएमडी लगाने के जारी किए निर्देश

एसएसपी ने मंदिर में डीएफएमडी स्थापित करने के निर्देश दिए। जल्द ही यहां प्रवेश द्वार पर एक डीएफएमडी स्थापित कर दिया जाएगा। श्रद्धालु डीएफएमडी की जांच के बाद ही मंदिर में प्रवेश कर पाएंगे। इसके अलावा जागेश्वर में रामलीला मंच स्थल के पास बनाई गई दर्शक दीर्घा को भी सीसीटीवी से लैस किया जाएगा।

ताइक्वांडो में आस्था ने जीता स्वर्ण पदक

बैरती (अल्मोड़ा): जम्मू में संपन्न 69 वी, अंडर 19 बालिका वर्ग राष्ट्रीय स्तर की ताईक्वांडो प्रतियोगिता में चौखुटिया की

आस्था ने फिर एक कामयाबी अपने नाम कर गोल्ड मेडल जीत लिया।

जम्मू के भगवती नगर इंडोर स्टेडियम में 15 से 19 नवम्बर 2025 तक आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में 32 राज्यों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। अंडर 40 किलो भार वर्ग में आस्था जोशी पुत्री दिनेश जोशी व लीला संगेला जोशी (गनाई) चौखुटिया ने क्रमशः पंजाब, हिमांचल, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश को पछाड़कर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्णपदक हांसिल किया।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,632.68	26,192.15
बढ़त	446.21	139.50
प्रतिशत में	0.52	0.54

सोना 1,26,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,58,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4300, मसूरी- 1100, बासमती- 8000, परमल- 2200

दाल दलहन : काला चना- 5000, साबुत चना दाल- 5100, मूंग साबुत- 7100, राजमा- 10000-12100, दाल उड़द- 7100, साबुत मसूर दाल- 5600, मसूर दाल- 4100, उड़द साबुत- 7000, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 4200

केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- रुपये के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का काफी अच्छा भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

● मल्होत्रा बोले- आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है

डॉलर के मुकाब ले रुपये के अवमूल्यन से जुड़े सवाल पर उन्होंने विश्वास जताया कि भारत, अमेरिका के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करेगा और इससे देश के चालू खाता शेष पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये का हालिया अवमूल्यन व्यापारिक गतिविधियों और अमेरिकी शुल्क मुद्दों के कारण है। मल्होत्रा ने कहा कि हम किसी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाते। रुपये में गिरावट क्यों आ रही है? ऐसा मांग के कारण है...यह एक वित्तीय साधन है। डॉलर की मांग है और यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में गिरावट आती है। यदि रुपये की मांग बढ़ती है तो डॉलर में गिरावट आती है और रुपया मजबूत होता है। अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती एवं अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम होती संभावनाओं के बीच रुपया गुरुवार को 23 पैसे टूटकर 88.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से जुड़े ब्योरे में दिसंबर में नीतिगत दर में कटौती न करने का संकेत मिलने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा कि जिस तरह से भारतीय बैंक प्रदर्शन कर रहे हैं, बहुत जल्द उनमें से कुछ शीर्ष 100 वैश्विक ऋणदाताओं में शामिल होंगे।

दुनिया की शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी होंगे भारतीय बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने छात्रों को बताया कि कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे। वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं। ये दोनों बैंक क्रमश: 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था कि यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।

भारत में इजरायली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर : गोयल

तेल अवीव, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व हैं।

अक्टूबर में स्थिर रहा आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

रिफाइनरी उत्पादों तथा इस्पात के उत्पादन में वृद्धि तथा बिजली और कोयला उत्पादन में गिरावट के मिश्रित प्रभाव से अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन इस साल अक्टूबर में सालाना आधार पर स्थिर रहा।

अगस्त 2024 के बाद पहली बार आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन शून्य या उससे कम रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर 2024 की तुलना में इस साल रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरकों, इस्पात और सीमेंट का उत्पादन बढ़ा है जबकि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और बिजली के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी है। रिफाइनरी का उत्पादन 4.6%, इस्पात का 6.7, सीमेंट का 5.3 और उर्वरकों का 7.4% बढ़ा है। वहीं, बिजली उत्पादन में 7.6 और कोयला उत्पादन में 8.5% की गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन 5 और कच्चे तेल का 1.2% घट गया। इससे पहले, सितंबर 2025 में 8 प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 3.3 और पिछले साल अक्टूबर में 3.8% की गिरावट रही थी। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर की अवधि के लिए सालाना उत्पादन में 2.5% की वृद्धि हुई। इस्पात उत्पादन 10.3 प्रतिशत, सीमेंट उत्पादन 7.3, रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 0.4 और उर्वरक उत्पादन 0.7% बढ़ा है। वहीं, कोयला उत्पादन में 2, कच्चा तेल में 1.1, प्राकृतिक गैस 3.1 और बिजली में 0.1% की गिरावट रही।

कृषि क्षेत्र 10 साल में 4% की वृद्धि बनाए रख सकता है : नीति सदस्य

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने गुरुवार को कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र 10 साल में आसानी से 4% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। उन्होंने साथ ही देश की गोदाम अवसंरचना को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई के कार्यक्रम में चंद ने कहा कि कृषि उत्पादों की मांग 2.5% की दर से बढ़ेगी। इसलिए, मुझे लगता है कि हम 10 साल में कृषि क्षेत्र में इस 4% की वृद्धि को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत के कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर्ज की। चंद ने कहा, हमारे कृषि उत्पादों की मांग उस दर से नहीं बढ़ रही है। इन उत्पादों का इस्तेमाल उद्योग के लिए करें, या निर्यात बाजार के लिए करें।

व्यय के रिकॉर्ड को समान वर्गीकरण व्यवस्था अपनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र और राज्यों से लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाने की कैग ने दी सलाह

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र और सभी राज्यों से सरकारी खर्चों को दर्ज करने के लिए मानक श्रेणियों का उपयोग शुरू करने को कहा है। इसका मकसद वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरे देश में लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाना है। कैग का यह कदम व्यय मदों को अलग-अलग दिखाने को लेकर राज्यों के बीच व्यापक अंतर को दूर करने का प्रयास है।

उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सरकारी लेखा) और चेयरपर्सन (जीएएसएबी) जयंत सिन्हा ने कहा कि यह मामला कई पक्षों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। साथ ही विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार के साथ तुलना को भी प्रभावित कर रहा था। कैग ने अलग-अलग स्तर पर व्यय मदों की एक सामान्य सूची अधिसूचित की है। इसे सामान्य तौर पर विभिन्न श्रेणियों में व्यय कहा जाता है। आर्थिक प्रकृति के व्यय को अलग दिखाने में व्यापक विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ केंद्र सरकार के साथ तुलनाओं को भी प्रभावित करती है। अतः, केंद्र और राज्य सरकारों के व्यय के वर्गीकरण के मानकीकरण की जरूरत महसूस की गई है।

कैग कार्यालय द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, कुछ राज्य सरकारों, लेखा महानियंत्रक और रक्षा लेखा महानियंत्रक के अधिकारियों को लेकर एक कार्यसमूह का गठन किया गया। कैग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, कार्यसमूह की सिफारिशों और इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार के साथ बातचीत के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों पर लागू एक समान व्यय मदों की संरचना लागू की जा सकती है। इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सामान्य मदों की संशोधित सूची को तैयारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए अपनाया जा सकता है। तरजीही रूप से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रभावी होना चाहिए।

सिन्हा ने कहा कि व्यय के वस्तु मदों को सुसंगत बनाने वाली कैग की अधिसूचना राज्यों के बजट और लेखा ढांचे को प्रभावित करने वाले दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगी और राष्ट्रीय सार्वजनिक व्यय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार होगा। विशेष रूप से राज्यों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना कैग की रणनीतिक योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। उच्च गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षण और लेखांकन के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों को स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के कैग के मिशन का अभिन्न अंग है।

राष्ट्रीय

बुद्धिजीवी आतंकवादी बन रहे जो अधिक खतरनाक होते हैं

पुलिस ने टिप्पणी करते हुए आरोपियों की जमानत का किया विरोध

दिल्ली दंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर गतिविधियां संचालित कर रहे आतंकवादियों से अधिक खतरनाक होते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी कामों में शामिल होना अब एक चलन बन गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ को बताया कि सुनवाई में देरी आरोपियों की वजह से हुई है और वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सकते। राजू ने नागरिकता संशोधन कानून के ख़िलाफ़ इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो शीर्ष अदालत में दिखाए। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए देखा गया। इमाम इंजीनियरिंग स्नातक है। राजू ने कहा कि यह कोई साधारण नहीं है। ये हिंसक प्रदर्शन हैं। वे नाकेबंदी की बात कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या भाषण आरोपपत्र का हिस्सा थे, जिसका राजू ने 'हां' में जवाब दिया। एएसजी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शन को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान जानबूझकर किया गया था ताकि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया जा सके। असल मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना और देश में अराजकता पैदा करना था। खालिद, इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और रहमान पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

अब 61 वर्ष में सेवानिवृत्ति होंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लिए गए इसी तरह के एक फैसले का हवाला दिया। पीठ ने पूछा कि जब राज्य सरकार ऐसा करने को तैयार है तो न्यायिक अधिकारियों को राहत देने से क्यों इन्कार किया जाए। पीठ ने कहा कि यह कहने की जरुरत नहीं है कि न्यायिक अधिकारियों के साथ राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी भी उसी सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त करते हैं। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी मामले में हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु में एक वर्ष का अंतर होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं और अब मध्य प्रदेश में जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष होगी।

राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की बढ़ी अवधि

सेना पर की टिप्पणी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? उसने कहा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

दो विधायकों का मंत्री बनना पिता के सपने का सच होना : चिराग

पटना, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक बड़ी जीत है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने देखा था।

चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर विकसित बिहार की दिशा में काम करने की बड़ी जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं। लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को मंत्री पद की शपथ ली। चिराग ने कहा कि मुझे पता है कि आज वह (राम विलास पासवान) सबसे ज्यादा खुश होते, जिस ऊंचाई पर वह हमारी पार्टी को देखना चाहते थे, आज पार्टी वहां पहुंची है। आज हमारी पार्टी के दो मंत्रियों ने शपथ ली। परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने निश्चित रूप से बड़ी जीत हासिल की है। और मेरा मानना है कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं। मैं उन जिम्मेदारियों से पूरी तरह अवगत हूं।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब अपने विजन को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू करेगी। चिराग ने कहा कि आज से ही विकसित बिहार बनाने, बिहार को प्रथम और बिहारी को प्रथम बनाने की दिशा में हम तुरंत कार्य शुरू करेंगे। राजग सरकार में भाजपा के 89, जदयू के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) के चार विधायक शामिल हैं।

नीतीश मंत्रिपरिषद में हुई जातीय संतुलन साधने की कोशिश

पटना। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और नई मंत्रिपरिषद में जातीय आधार पर संतुलन साधने की पूरी कोशिश की गई है। मंत्रिपरिषद में भाजपा से जहां 14 मंत्री हैं, वहीं जदयू को आठ मंत्री पद मिले हैं। लोजपा (रामविलास) को दो तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को एक-एक मंत्री पद मिला है। मंत्रिपरिषद में ब्राह्मण समुदाय की हिस्सेदारी में काफी कमी देखने को मिली है। पिछली मंत्रिपरिषद में भाजपा ने मंगल पांडे और नीतीश मिश्रा को शामिल किया था, लेकिन इस बार भाजपा और जदयू ने ब्राह्मण प्रतिनिधित्व को आधे से भी कम कर दिया है। भाजपा की ओर से केवल मंगल पांडे को जगह मिली है। राजपूत समुदाय को इस बार सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा ने संजय सिंह टाइगर, श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और संजय सिंह जैसे चार नेताओं को शामिल कर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत करने का संकेत दिया है। भूमिहार समुदाय के दो प्रमुख चेहरों में विजय कुमार सिन्हा और विजय चौधरी के माध्यम से गठबंधन ने संतुलन बरकरार रखा है। इससे यह संदेश गया है कि यह समुदाय अब भी सत्ता समीकरण में महत्वपूर्ण है। कायस्थ समुदाय का प्रतिनिधित्व शहरी राजनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा ने नितिन नवीन को मंत्री बनाकर राजधानी पटना तथा शिक्षित मध्यमवर्गीय मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है।

बिहार की नई सरकार विकसित भारत में देगी योगदान: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें भरोसा है कि राज्य में नई राजग सरकार राज्य की तरक्की को तेज़ करेगी और देश को विकसित भारत बनाने में मदद करेगी। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर पुन: शपथ लेने पर दिल से बधाई। उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और आज पद संभालने वाले सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि नयी राजग सरकार बिहार की तरक्की को तेज़ करेगी और विकसित भारत की हमारी यात्रा में योगदान देगी।

नई सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतररक वादों को करे पूरा : तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने एक्स पर नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। राजद नेता ने कहा, नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी।

हिंसा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे नक्सली : मुर्मू

अंबिकापुर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव होगा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे। मुर्मू ने कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज आगे बढ़ता है।

● छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप जीतने वाली क्रिकेट टीम के साथ हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए आदिवासी महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ की तारीफ की। मातृ-शक्ति या महिला-शक्ति के स्मरण से मुझे विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की याद आई। उन सभी बेटियों से मैं हाल ही में राष्ट्रपति भवन में मिली थी। जनजातीय समाज की बेटी क्रांति गौड़ ने उस टीम में अपना विशेष स्थान बनाया है।

दिल्ली में एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता सातवें दिन भी बेहद खराब रही। गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 398 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 में से 21 केंद्रों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। डीटीयू, बुराड़ी, चांदनी चौक, आनंद विहार, मुंडका, ओखला, बवाना और वजीरपुर उन केंद्रों में थे जहां एक्यूआई 400 से ऊपर रहा। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री रहा, अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ट्रंप ने किए एपस्टीन की फाइलें जारी करने के विधेयक पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए, जो उनके प्रशासन को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइल सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करता है। ट्रंप ने लंबे समय तक इसका विरोध किया था लेकिन अंततः अपनी ही पार्टी के राजनीतिक दबाव के आगे झुक गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुए लिखा, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि हमारी अद्भुत सफलताओं से ध्यान भटकाया जा सके। अब इस विधेयक के तहत न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइल, संचार और 2019 में एक संघीय जेल में उसकी मौत की जांच से संबंधित जानकारी 30 दिन के भीतर जारी करनी होगी।

भारत-पाकिस्तान की नौसेना के जहाज कोलंबो बंदरगाह पहुंचे

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुकन्या 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' के लिए कोलंबो बंदरगाह पहुंच चुका है। 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसमें किसी जहाज को अभियानगत कार्यों को पूरा करने के बाद फिर तैयार किया जाता है, ताकि वह आगे की यात्रा या मिशन के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सके। आईएनएस सुकन्या मंगलवार को कोलंबो पहुंचा, जहां श्रीलंका की नौसेना ने परंपराओं के मुताबिक उसका स्वागत किया। आईएनएस सुकन्या कमांडर संतोष कुमार वर्मा की कमान में कोलंबो पहुंचा। इस जहाज की लंबाई 101 मीटर है। इस बीच, उसी दिन ईंधन भरवाने के लिए श्रीलंका पहुंचा पाकिस्तानी नौसेना का जहाज सैफ बुधवार को रवाना हो गया।

दक्षिण कोरिया में 267 यात्रियों को ले जा रहा जहाज समुद्र में फंसा

सोल। दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में बुधवार को 267 यात्रियों को ले जा रहा एक यात्री जहाज फंस गया। समाचार एजेंसी योनहास के मुताबिक स्थानीय समयानुसार कल रात 8:17 बजे (1117 जीएमटी) तट रक्षक बल को सूचना मिली कि 246 यात्रियों और 21 चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा जहाज राजधानी सोल से लगभग 310 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में सिनान काउंटी के एक द्वीप के पास फंस गया है। यह जहाज दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू से रवाना होकर दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोकपो की ओर जा रहा था।

प्रतिबंध लागू होने से पहले अपना डेटा सुरक्षित कर लें सभी किशोर

- ऑस्ट्रेलिया में 10 दिसंबर से शुरू होगा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

मेलबर्न। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के हजारों किशोर उपयोगकर्ताओं को दो हफ्तों में अपनी डिजिटल 'हिस्ट्री' डाउनलोड करने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से अपना खाता हटाने की चेतावनी भेजनी शुरू कर दी है। यह कदम दुनिया में पहली बार लागू होने वाले उस सोशल मीडिया प्रतिबंध से पहले उठाया गया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते बंद किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि मेटा के तीनों मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स के साथ ही स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स और यूट्यूब को भी 10 दिसंबर से 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई खाता धारकों को हटाने के लिए कदम उठाने होंगे।कैलिफोर्निया स्थित मेटा ने बृहस्पतिवार को किशोर खाता धारकों को एसएमएस और ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि चार दिसंबर से संदिग्ध नाबालिग उपयोगकर्ताओं की इन मंचों तक पहुंच रोक दी जाएगी। मेटा ने एक बयान में कहा, 'हम आज से प्रभावित किशोरों को सूचित करना शुरू कर रहे हैं ताकि वे अपने संपर्कों और यादों को सुरक्षित कर सकें।' मेटा ने यह भी कहा कि इस अवधि में किशोर उपयोगकर्ता अपनी संपर्क जानकारी अपडेट कर सकते हैं ताकि 16 वर्ष के होने पर वे अपना खाता पुनः सक्रिय करा सकें।

सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा

दुनिया की प्रमुख चिकित्सा पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित एक ताजा रिसर्च में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते खतरों के प्रति आगाह किया गया है। दुनिया के जाने-माने चिकित्सा विशेषज्ञों की रिसर्च पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते उपयोग की वजह से दुनिया भर में मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। युवावस्था में हृदय की बीमारियां और हार्ट अटैक के पीछे भी अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रमुख भूमिका है। लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के लगातार बढ़ते खतरों पर सरकारों की गैरजिम्मेदारी का भी प्रमुखता से उल्लेख है जो खतरों की जानकारी होने के बावजूद निहित स्वार्थों की वजह से अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर कोई भी पाबंदी लगाने या नीति बनाने में गंभीरता नहीं दिखातीं।

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

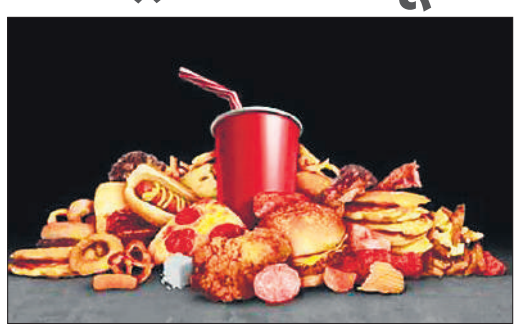

भारत में कितना बड़ा खतरा

- मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद जैसी तमाम गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। समय से पहले मृत्यु का भी जोखिम काफी बढ़ा है।
- पुरुषों में मोटापे का प्रतिशत 12% से 23% और महिलाओं में 15% से 24% तक बढ़ा है। मोटापे की वजह से भी बीमारियां शिकार बना रही हैं।
- शरीर में सूजन को बढ़ाते हैं, जिससे कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज और किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।
- दुनिया में भारत जैसे देश इन उत्पादों के लिए बड़े बाजार बन गए हैं, और ये देश वैश्विक व्यापार समझौते भी प्रतिबंधों को मुश्किल बनाते हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों के सरकार को सुझाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन को कम करने और लोगों की पारंपरिक, कम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की ओर वापसी को बढ़ावा देने के लिए सरकारों को कड़े स्वास्थ्य नीतिगत कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में स्वास्थ्य और पोषण नीति निर्धारकों को हालात बेकाबू होने की भी चेतावनी दी गई है।

बच्चों के लिए ज्यादा गंभीर

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में एक्स्ट्रा नमक, चीनी, खराब तेल, आर्टिफिशियल रंग, फ्लेवर, प्रिजर्वेटिव्स तथा एडिटिव्स शामिल होते हैं।
- लैंसेट की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा है कि ये घटक बच्चों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास को प्रभावित करते हैं।
- लगातार सेवन से कुपोषण, माइक्रोन्यूट्रिएंट की कमी, मोटापा, आंतों के असंतुलन, नींद की समस्या, डिप्रेशन जैसे जोखिम बढ़ते है।

सरकारें क्यों बेपरवाह

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनियां बड़ा आर्थिक योगदान करती हैं जिसकी वजह से सरकारें प्रतिबंध लगाने से हिचकिचाती हैं।
- बड़ी खाद्य कंपनियां अपनी पहुंच और आर्थिक शक्ति का उपयोग लॉबिंग के लिए करती हैं, जिससे सरकारी नीतियां प्रभावित होती हैं।

बढ़ता कारोबार

- भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की सेल 2006 से 2019 तक लगभग 40 गुना बढ़ गई है और इन वर्षों में 0.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 38 बिलियन डॉलर हो गई है।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में बहुत अधिक स्वाद और कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, जो बच्चों को खासतौर पर लुभाते हैं।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड उत्पाद सुविधाजनक हैं, क्योंकि इन्हें बनाना नहीं पड़ता और ये आसानी से हर जगह उपलब्ध होते हैं।
- भारत जैसे देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड ताजे और स्वस्थ भोजन की तुलना में सस्ते होते हैं। लोग इस कारण भी इन्हें खरीदते हैं।
- आकर्षक और रंगीन पैकेजिंग के साथ भ्रामक दावों के साथ उत्पादों की मार्केटिंग की जाती है। लोग इनके पीछे छिपे स्वास्थ्य खतरों को नहीं समझ पाते।

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन

सीओपी 30 में भारत ने रखा पक्ष, कहा- उत्सर्जन न्यूनीकरण में ये ढांचा सफल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

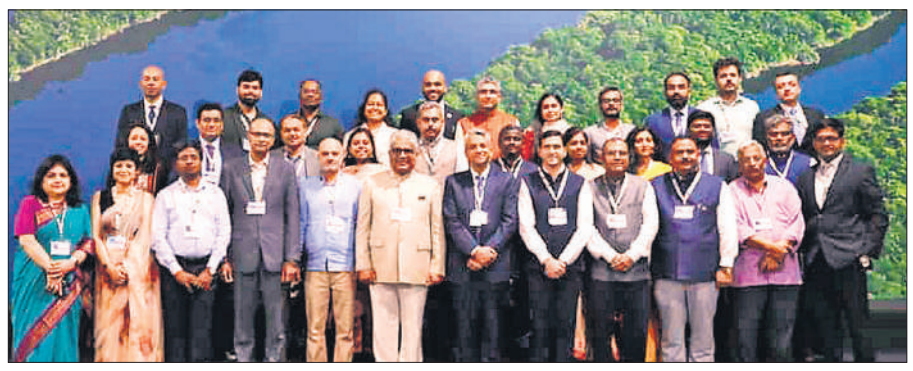

ब्राजील के बेलेम में आयोजित सीओपी 30 सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अगुवाई में पहुंचा भारतीय दल।

भारत ने कहा कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि यहां सीओपी 30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं। जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है। भूपेंद्र यादव ने सभी देशों से जेसीएम को पारदर्शी, प्रभावशाली और न्यायसंगत जलवायु साझेदारी का मॉडल बनाने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है।

जेसीएम में 31 देश साझीदार, 280 परियोजनाएं

सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है।

लूला के साथ जीवाश्म ईंधन के खात्मे पर चर्चा

बेलेम। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जिन पर वार्ताकार अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर एक संभावित रूपरेखा को लेकर चर्चा की और पता लगाया कि क्या इस शिखर सम्मेलन में इससे जुड़ा कोई खाका पेश किया जा सकता है। राष्ट्रपति सीओपी30 में इस विषय पर काफी जोर दे रहे हैं। बंद कमरे में हुई यह बैठक करीब 20 मिनट चली और इस बातचीत के दौरान दोनों तरफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत, इस पर आलोचना झेलने को तैयार : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ऐसे कुशल प्रवासियों का देश में स्वागत करेंगे जो अमेरिकी श्रमिकों को चिप और मिसाइल जैसे जटिल उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाएंगे। ट्रंप ने यह भी माना कि इस मुद्दे पर उन्हें अपने उस समर्थक वर्ग से थोड़ी आलोचना झेलनी पड़ सकती है, जो कड़ी आव्रजन पाबंदियों का समर्थन करता है।

ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में बड़ी संख्या में संयंत्र बन रहे हैं जिनमें कई बेहद जटिल कार्यों से जुड़े हैं और वे देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इन संयंत्रों में टेलीफोन, कंप्यूटर और मिसाइल जैसे अत्यधिक जटिल उत्पाद बनाए जाएंगे इसलिए कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मियों को लाना होगा जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रशिक्षण दे सकें।

नेपाल: जेन जी फिर आक्रामक बारा जिले में दोबारा लगा कर्फ्यू

काठमांडू, एजेंसी

- ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प में 10 घायल, आगजनी और गोलीबारी भी हुई

नेपाल के एक जिले में बृहस्पतिवार को उस समय नए सिरे से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जी के युवाओं की अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों के साथ झड़प में 10 लोग घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा।

'काठमांडू पोस्ट' की अखबार के अनुसार, बारा जिले के सिमारा चौक पर उस समय तनाव बढ़ गया जब युवक ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के एक दिन बाद सड़कों पर लौट आए। उन्होंने पुलिस पर बुधवार की झड़पों को लेकर अपनी शिकायत में नामित व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी पूर्वाह्न 11 बजे से सिमारा चौक पर एकत्र हुए। बारा में प्रशासन ने जान-माल के संभावित नुकसान को रोकने के लिए दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू लगा दिया था। समाचार पोर्टल 'खबरहब' के अनुसार, हालांकि, निषेधाज्ञा लागू नहीं हो पाई और प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और पुलिस से भिड़ गए।

प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन किए जाने और आगे बढ़ने पर अधिकारियों ने आंसू गैस के छह गोले दागे और हवा में दो चक्र गोलियां चलाईं।कहा गया, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि जेन जी के चार प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पोर्टल के अनुसार, एक अलग घटना में, जेन जी के प्रदर्शनकारियों ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने यूएमएल कार्यालय का सामान भी हटा दिया और उसे आग लगा दी। उन्होंने पुलिस पर पहले हुई झड़पों में शामिल यूएमएल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में आनाकानी करने का आरोप लगाया।

350% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो मोदी-शरीफ ने मुझे किया फोन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- ट्रंप ने एक बार फिर किया भारत पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान को 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर उनके बीच जारी हमलों को रुकवाया था और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके कहा था कि 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप अब तक 60 से अधिक बार इस दावे को दोहरा चुके हैं कि उन्होंने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव शांत करने में मदद की जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के दावे को लगातार नकारता रहा है।

ट्रंप ने बुधवार को कहा, ...मैं झगड़े सुलझाने में अच्छा हूं और हमेशा से ऐसा रहा हूं। मैंने पिछले कुछ साल में, यहां तक कि इससे पहले भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है। मैं अलग-अलग लड़ाइयों के बारे में बात कर रहा हू।. भारत, पाकिस्तान परमाणु हथियारों से हमले करने वाले थे। ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा हूं। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों से कहा था, मैं नहीं चाहता कि आप लोग एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करें, लाखों लोगों को मारें और लॉस एंजिलिस पर परमाणु धूल उड़े। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने उनसे ऐसा नहीं करने के लिये कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन करके कहा, हम युद्ध नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने मोदी को धन्यवाद दिया।

अब सूडान में गृहयुद्ध समाप्त कराएंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अब सूडान में जारी भीषण गृहयुद्ध को समाप्त करने में मदद पर अधिक ध्यान देने की योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के शासक के साथ हुई विस्तृत बातचीत में सूडान के गृहयुद्ध पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस ने उनसे अनुरोध किया कि वह अपने पद की शक्ति व प्रभाव का उपयोग कर युद्ध को समाप्त करने में मदद करें। सूडान पर नियंत्रण के लिए जारी संघर्ष में 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा मानवीय संकट बन गया है।

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार की बहाली का आदेश दिया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने किसी राजनीतिक दल के प्रति झुकाव नहीं रखने वाली अंतरिम सरकार को बहाल करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग ने यह आदेश जारी किया। इस आदेश में पिछले संवैधानिक प्रावधान को बहाल किया, जिसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस प्रणाली को धीरे-धीरे लागू करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना 13वें संसदीय चुनावों पर लागू नहीं होगी, जिससे अब प्रतिबंधित हो चुकी अवामी लीग चुनाव की दौड़ से बाहर हो जाएगी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार प्रणाली की शुरूआत 1996 में हुई थी और उसके बाद दो सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीशों की निगरानी में हुए दो चुनावों में 90 दिनों के भीतर विजेता को सत्ता हस्तांतरित कर दी गई।

फैसले के अनुसार, मुहम्मद यूनुस की मौजूदा अंतरिम सरकार फरवरी में प्रस्तावित चुनाव की देखरेख करेगी, जबकि उसके बाद का चुनाव बहाल की गई कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत होगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलियन समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ बैठक में बोले जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिनमें व्यापार तथा निवेश, रक्षा तथा सुरक्षा, शिक्षा तथा कौशल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष तथा ऊर्जा शामिल हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ यहां 16वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की अध्यक्षता की।

जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा, हम अपने प्रधानमंत्रियों को जो सिफारिशें देंगे, वे उनके लिए महत्वपूर्ण होंगी, जिन्हें वे शीघ्र ही मिलने पर संज्ञान में रखेंगे। जयशंकर की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित 20वें जी-20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार वह 20 से 22 नवंबर तक जी-20 समूह के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की यात्रा करेंगे। कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए, अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 14.47 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

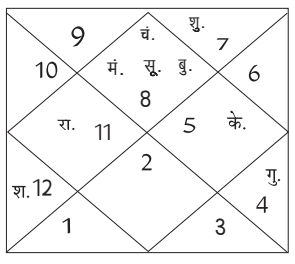

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 13.56 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। म्युचुअल फंड आदि में किया गया निवेश लाभकारी सिद्ध होगा।

वृष — आज सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। थोड़ी मेहनत से आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में किसी प्रकार के मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है।

मिथुन — आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

कर्क — आज व्यवसाय में नए अनुबंध करने को लेकर सावधानी रखें। प्रेमी जन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। बच्चे अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

सिंह — आज अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। गूढ़ आध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। होटल कारोबारियों के व्यापार में कमी होने की आशंका है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

कन्या — आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्यों के शुरू होने से आपकी उन्नति होगी। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी। बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे।

तुला — आज उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को नौकरी की चिंता हो सकती है। कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें।

वृश्चिक — आज का दिन कला जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहने वाली है।

धनु — आज स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें। कमर से निचले भाग में दर्द की शिकायत हो सकती है। विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। पर्यटन के लिए यात्रा करने से बचें।

मकर — आज रुके हुए कार्य तेजी से पूर्ण कर लेंगे। नौकरी को लेकर इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लोग आपकी विचारधारा से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं।

कुंभ — आज आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं।

मीन — आज महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेना उत्तम होगा। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा।

सुडोकू-167

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				1				
						3		
	7							
		9						
					3		2	
		8						
				7				
						9		

सुडोकू - 166 का हल

1	6	5	2	9	8	7	3	4
4	9	8	5	3	7	1	6	2
7	2	3	4	6	1	9	8	5
3	1	2	7	8	4	5	9	6
5	7	6	3	2	9	4	1	8
8	4	9	6	1	5	2	7	3
9	8	4	1	5	3	6	2	7
2	3	7	9	4	6	8	5	1
6	5	1	8	7	2	3	4	9

हम अब भी भारत में खेल रहे हैं। हम इस तरह की सतहों पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। हां, गुवाहाटी अलग हो सकता है लेकिन मिट्टी भारत में ही कहीं से आई होगी। हम इन हालात को जानने या इन हालात में बहुत तेजी से ढलने के लिए खुद पर विश्वास करना और उनका समर्थन करना चाहेंगे।

-आकाश चोपड़ा

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गोल्फर दीक्षा डागर ने स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने आखिरी दौर में 11 अंडर स्कोर करके बृहस्पतिवार को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण पदक बरकरार रखा। चौबीस वर्ष की दीक्षा ने 2017 बधिर ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके रजत पदक जीता था जब पहली बार खेलों में गोल्फ को शामिल किया गया था। इसके बाद 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। दीक्षा ने पहले दिन चार अंडर 68 स्कोर किया जिसके बाद 65 और 72 स्कोर रहा। जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में भाग लेने वाली दीक्षा इसके एक साल बाद 18 वर्ष की उम्र में लेडीज यूरोपीय टूर पर जीत दर्ज करने वाली अदिति अशोक के बाद दूसरी गोल्फर बनी थी। तोक्यो ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से खेलने का अचानक न्योता पाने वाली दीक्षा ने 54 होल में 26 अंडर स्कोर किया।

प्रणवी ने आईजीपीएल खिताब जीता

मुंबई : प्रणवी उर्स बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

इटली डेविस कप सेमीफाइनल में

बोलोगना (इटली) : दो बार की गत चैम्पियन इटली ने आस्ट्रिया को 2 .0 से हराकर डेविस कप टेनिस सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना बेल्जियम से होगा। इटली के लिये फ्लावियो कोबोली ने फिलिप मिसोलिच को 6 .1, 6 .3 से हराकर दूसरा मुकाबला जीता। इससे पहल मातेओ बेरेटिनी ने जुरिज रोडियोनोव को 6 .3, 7 .6 से मात दी थी। इटली लगातार 12 डेविस कप मुकाबला जीत चुका है। आखिरी बार उसे 2023 में कनाडा ने ग्रुप चरण में हराया था। अन्य मुकाबलों में स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा जबकि जर्मनी की टक्कर अर्जेंटीना से होगी।

रेयान विलियम्स को मिली फीफा की स्वीकृति

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि रेयान विलियम्स भारतीय टीम में चयन के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हैं क्योंकि उन्हें अपनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता छोड़ने के बाद सदस्य संघ बदलने के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा की मंज़ूरी मिल गई है। पर्थ में जन्मे 32 साल के फारवर्ड विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़ दिया था। विलियम्स इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के लिए खेलते हैं। एआईएफएफ ने कहा फीफा के प्लेयर्स स्टेटस चैंबर ने 19 नवंबर 2025 को अपना आखिरी फैसला जारी किया जिसमें रेयान विलियम्स के संघ बदलने के अनुरोध को मंज़ूरी दी गई जिससे वह भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हो गए।

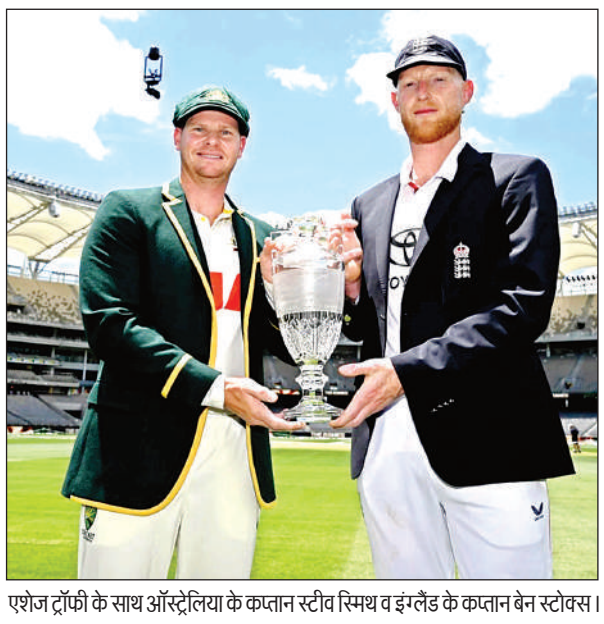

एशेज ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ व इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स।

ऑस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज शृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी। आखिरी बार 2010-11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था। अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज शृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं। क्या उम्मदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010-11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी। क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जाएगी। ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे। कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे।

मार्नस लाबुशेन व एंड्रू मैकडोनाल्ड।

ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं। स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है।

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर।

गिल नहीं खेल पाएंगे गुवाहाटी टेस्ट, पंत करेंगे कप्तानी

गले में ऐंठन दोबारा न हो, इसलिए कप्तान को दी गई और आराम की सलाह, अब वनडे सीरीज पर भी पड़ेगा असर

गुवाहाटी, एजेंसी

शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार रिपीट शनिवार को गुवाहाटी में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे।

माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उनकी गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा ज्यादा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है। इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से, इंडिया को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना होगा। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया गया था। तीसरे दिन बीसीसीआई ने कहा वह टेस्ट में हिस्सा नहीं लेंगे।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

शुभमन का आज होगा फिटनेस टेस्ट

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में ऐंठन के शिकार हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल का फिटनेस टेस्ट शुक्रवार को होगा। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभ्यास सत्र से पहले कहा वह तेजी से फिट हो रहा है क्योंकि मैं उससे कल ही मिला था। उसे एक मैच के लिये और आराम दिया जाएगा। शुभमन जैसा खिलाड़ी और वह कप्तान भी है तो टीम को उसकी कमी खलेगी। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वे पेशेवर हैं और टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि शुभमन खेलेगा लेकिन नहीं भी खेलता है तो हमारे पास विकल्प हैं।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खेलने पर असमंजस कायम

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा ने भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कगिसो रबाडा के खेलने की संभावना से इन्कार नहीं किया, लेकिन इस मुख्य तेज गेंदबाज ने बृहस्पतिवार को ट्रेनिंग में हिस्सा नहीं लिया। दुनिया के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज आक्रमण का अहम हिस्सा रबाडा मैच से पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान पसलियों में चोट लगने के कारण कोलकाता में पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे। बोथा ने दूसरे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज के खेलने की संभावना पर कहा हम कागिसो रबाडा पर नजर रख रहे हैं और अगले 24 घंटे में फैसला करेंगे। गुवाहाटी पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है और बरसापारा स्टेडियम की पिच से दोनों टीम अनजान हैं। बोथा ने पिच के बारे में कहा हमें बताया गया है कि विकेट (गुवाहाटी में) बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। लेकिन आप घास रखते हैं या नहीं, इससे बहुत फर्क पड़ता है। दो दिन बचे हैं, हमें यह देखने के लिए इंतजार करना होगा कि क्या यह समय से पहले टर्न लेना शुरू करती है। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच को उम्मीद है कि ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में मेहमान टीम की यादगार जीत के नायकों में से एक ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर अंतिम मैच में भी भारतीय बल्लेबाजों को चित्त कर देंगे। साथ ही उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की दिक्कत से भी इनकार किया। बोथा ने कहा साइमन हार्मर के कंधे में कोई दिक्कत नहीं है। अगर गेंद कोलकाता की तरह जल्दी टर्न होने लगे तो बल्लेबाजी क्रम में इतने सारे बाएं हाथ के बल्लेबाज होने पर वह खतरनाक हो जाएंगे। उन्होंने कहा(हमने) आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

भारत के लिए हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं: कुलदीप

गुवाहाटी : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं। कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी-20 शृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला खेलने स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए हालांकि भारत 30 रन से हार गया था।

सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे, लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है। भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। सभी को इसमे मजा आता है, लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है। अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिए काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा। उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं। कुलदीप ने कहा एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं। मुझे अपनी भूमिका पता है।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में पिच का निरीक्षण करते भारतीय खिलाड़ी।

अगर वे घास काटेंगे तो फर्क पड़ेगा : बोथा

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा, लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे। दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और

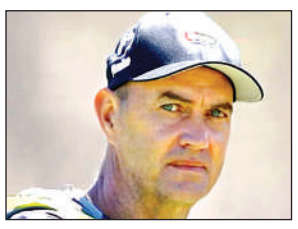

घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था। बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा। रात में काफी गर्मी होती है लेकिन ज़ाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए। बोथा ने कहा अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

घर में खेलने का फायदा नहीं छीना जा सकता : आकाश

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों गुवाहाटी की पिच से अनजान हैं लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऐसी पिच पर खेलने के अपने पहले के अनुभव के कारण घरेलू टीम अब भी थोड़े फायदे की स्थिति में है।

कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारने के बाद भारत की नजरें दो मैच की सीरीज को बराबर करने पर टिकी हैं, लेकिन पहली बार टेस्ट की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में खेलना उसके लिए नई चुनौती होगी। चोपड़ा ने कहा किसी को भी नहीं पता कि गुवाहाटी में क्रिकेट कैसे खेला जाएगा क्योंकि यह एक नया टेस्ट स्थल है। उन्होंने कहा अगर आप वहां पहली बार खेल रहे हैं तो पिच शुभमन गिल या साई सुदर्शन या ऋषभ पंत के लिए उतनी ही अच्छी है जितनी तेम्बा बावुमा या रेयान रिकेलटन के लिए है। इसलिए यह दोनों टीम के लिए एक चुनौती है। भारत के पूर्व बल्लेबाज को कोई शक नहीं कि भारत को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा।

सात्विक-चिराग, लक्ष्य व आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

सिडनी,एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया।

आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन से मुकाबला करेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की। वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे। इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया। भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड नंबर वन किदांबी श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सात्विक-चिराग। फाइल फोटो

विश्व मुक्केबाजी कप | भारतीय महिलाओं ने देश के लिए ऐतिहासिक दिन बनाया, 2028 ओलंपिक के लिए बढ़ेगा आत्मविश्वास

नूपुर, मीनाक्षी, प्रीति और अरुंधति ने स्वर्ण पदक जीते

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

भारत की महिलाओं ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में देश के लिए उस समय एक ऐतिहासिक दिन बनाया, जब मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और नूपुर (80 किग्रा) ने शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खचाखच भरे स्टेडियम के सामने स्वर्ण पदक जीते।

उनकी जीत कई खास डिवीजन में हुई जो 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल होंगे, जहां बॉक्सिंग पूरी तरह से जेंडर बराबरी की ओर बढ़ रही है और जो लॉस एंजेलिस की राह पर भारत की बढ़ती कॉम्पिटिटिव ताकत को दिखाता है। उनके शानदार प्रदर्शन ने मेजबान देश के लिए एक शानदार कैंपेन को खत्म किया, जिसमें जदुमणि सिंह, पवन बर्तवाल, अभिनाश जामवाल और अंकुश फंगल ने भी रजत पदक जीते, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों की ओलंपिक-क्लास वेट कैटेगरी में भारत का बढ़ता रुतबा दिखा। सेशन 7 में सात और भारतीय स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगे, जिनमें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लैम्बोइरा, दो बार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन निकहत ज़रीन और दो बार के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया शामिल हैं। मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरज़ोना फोज़िलोवा पर लगभग बिना किसी गलती के 5:0 से जीत हासिल करके दिन का माहौल बनाया, और शुरुआती घंटी से ही अपना ट्रेडमार्क आक्रामकता दिखाई। वर्ल्ड चैंपियन ने स्पीड के साथ बहुत तेज एक्यूरेसी का मेल किया, राउंड 1 में ज़बरदस्त लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन से बाउट शुरू किया और ज़ोरदार जैब, क्लीन काउंटर और एयरटाइट डिफेंस के जरिए पूरा कंट्रोल बनाए रखा। प्रीति ने एक और जबरदस्त 5:0 का परफॉर्मेंस दिया, जिसमें उन्होंने इटली की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट सिरिन चर्राबी पर लगातार दबाव बनाया।

नूपुर

अरुंधति चौधरी

प्रीति।

अरुंधति ने अजीजा को 5-0 से हराया

अरुंधति चौधरी ने दिन का सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5-0 से हराया। 18 महीने बाद वापसी करते हुए, उन्होंने तेज अटैक और अनुशासित डिफेंस का मिक्सचर किया, डिसाइसिव जैब से खूब स्कोर किया और तीनों राउंड में पूरा टैक्टिकल कंट्रोल बनाए रखा। स्वर्ण पदक की बढ़त तब जारी रही जब नूपुर ने एक टेंशन भरे, टैक्टिकल मुकाबले में उज़्बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3:2 से हराया। पुरुषों के फाइनल में, भारत ने अपनी गिनती में चार रजत पदक जोड़े। जदुमणि सिंह (50) ने दिल से मुकाबला किया लेकिन उज़्बेकिस्तान के असिलबेक जलीलोव से 1:4 से हार गए।